सेंसेक्स	~	74,248.22
निफ्टी	~	22,513.70
सोना	~	64,150
चांदी	~	81,700
डॉलर	~	83.33

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
शनिवार 06 अप्रैल 2024
चैत्र कृष्ण 12 विक्रम सम्वत 2080/81
वर्ष 15, अंक 194
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

PMG

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

खास खबर

हिमाचल प्रदेश के चंबा में 5.3 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस हुए

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के चंबा में गुरुवार की शाम 5.3 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस हुए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने कहा कि भूकंप रात करीब 9ः30 बजे चंबा में आया।भूकंप से किसी भी तरह के नुकसान की कोई सूचना नहीं है।

बताते चलें कि हिमालय का क्षेत्र भारत में भूकंप को लेकर बेहद संवेदनशील माना जाता है। हाल ही में हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति के कुछ हिस्सों में 3.2 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

नागपुर एयरपोर्ट पर 8 करोड़ 81 लाख की ड्रग्स जब्त

नागपुर। पिछले कुछ दिनों से देश और प्रदेश में मादक पदार्थों की तस्करी की घटनाओं में भारी वृद्धि हुई है। इस मामले को देखते हुए कस्टम विभाग के अधिकारी अलर्ट हो गए हैं. कस्टम विभाग ने गुरुवार को नागपुर एयरपोर्ट से 8 करोड़ 81 लाख रुपये की ड्रग्स जब्त की है. मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चल रहे अभियान में यह सबसे बड़ा ऑपरेशन है. इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार आरोपी तमिलनाडु का रहने वाला है. वह युगांडा से दोहा होते हुए कतर एयरवेज की उड़ान संख्या क्यूआर-590 से गुरुवार सुबह नागपुर हवाई अड्डे पर पहुंचे। कस्टम अधिकारियों ने खुफिया जानकारी के आधार पर पहले ही जाल बिछा दिया था. जब आरोपी ग्रीन चैनल से गुजर रहा था तो सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने उसे रोक लिया।

असम में 21 किलोग्राम हेरोइन जब्त

कछार। असम में इन दिनों ड्रग्स मुक्त राज्य की दिशा में बड़ी कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में एसटीएफ असम और कछार पुलिस ने सिलचर में 21 किलोग्राम हेरोइन जब्त की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 210 करोड़ रुपये है। साथ ही एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस लेकर असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने जानकारी देकर असम पुलिस को बधाई दी है। साथ ही सीएम सरमा ने जिक्र किया कि यह ड्रग्स के खिलाफ चल रहे अभियान को लेकर राज्य में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। गुप्त सूचना के आधार पर एसटीएफ की टीम ने सईदपुर के पास वाहन की जांच की इस दौरान उन्हें प्योर फॉर्म में 21 किलो ग्राम हेरोइन जब्त की।

यूपी के 16 हजार मदरसों को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश मदरसा एजुकेशन एक्ट को रद्द करने वाले इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने मदरसा संचालकों की ओर से दायर अर्जी पर सुनवाई कर फैसला दिया है।मुख्य न्यायधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली तीन जजों की बेंच ने मामले में केंद्र और यूपी सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा भी बेंच में शामिल थे। बेंच ने कहा, मदरसा बोर्ड का उद्देश्य नियामक है। इलाहाबाद हाई कोर्ट का यह कहना पहली नजर में ठीक नहीं है कि मदरसा एजुकेशन बोर्ड का गठन करना सेकुलरिज्म के खिलाफ है। बता दें कि बीते सप्ताह ही इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने यूपी सरकार को आदेश दिया था कि वह मदरसे के छात्रों को आम स्कूलों में ट्रांसफर करे और उनका नामांकन कराए।

लोकसभा चुनाव : कांग्रेस ने जारी किया घोषणा-पत्र

जनता को लुभाने 5 न्याय और 25 गारंटी देने की घोषणा : बेरोजगारों को नौकरी, महिलाओं को न्याय और किसान व मजदूर का रखा खयाल

नई दिल्ल। लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को होने जा रहा है। चुनाव में सभी राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने अपने घोषणा पत्र में कई वादे भी कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस ने भी आज अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। कांग्रेस ने घोषणा पत्र में नौकरी, महिला को न्याय किसानों और मजदूरों के लिए वादे किए हैं। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के लिए कांग्रेस ने अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है। दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे,कांग्रेस नेता राहुल गाँधी,सोनिया गाँधी ने घोषणा पत्र लॉन्च किया। कांग्रेस ने जनमानस को लुभाने के लिए 5 न्याय और 25 गारंटी देने की घोषणा की है।

ये न्याय और गारंटी के बारे में ऐसे जानिए

किसान न्याय में कांग्रेस ने स्वामीनाथन फॉर्मूले वाली एमएसपी की कानूनी गारंटी लागू की जाएगी। कर्ज माफी प्लान प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए परमानेंट आयोग का गठन किया जाएगा। वहीं किसान बीमा भुगतान का सीधा ट्रांसफर फसल नुकसान पर 30 दिन के अंदर सीधे खाते में पैसा भेजा जाएगा। इसी तरह किसानों से सलाह मशविरा कर नई इंपोर्ट-एक्सपोर्ट पॉलिसी बनेगी और किसानी के लिए जो भी चीज़ होगी उस पर से जीएसटी हटेगा जाएगा।

कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में युवाओं से कई बड़े वादे किए हैं जिसमें नौकरी पक्की के लिए हर शिक्षित युवा को 1 लाख रुपए की अप्रेंटिसशिप का अधिकार मिलेगा। नौकरी के लिए कांग्रेस ने 30 लाख सरकारी नौकरियां निकाली जाएंगी और सभी खाली पद कैलेंडर के अनुसार भरे जाएंगे। इसी तरह पेपर लीक रोकने के लिए नए कानून और नीतियां बनाई जाएंगी। वहीं कांग्रेस ने गिग वर्कर के लिए बेहतर कामकाजी नियम और संपूर्ण सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था की जाएगी। युवाओं के लिए 5,000 करोड़ रुपए का नया स्टार्टअप फंड तैयार किया जाएगा।

जारी घोष्णा पत्र में कांग्रेस ने महिलाओं को लेकर अपने घोषणा पत्र में नारी न्याय के तहत महालक्ष्मी योजना के तहत हर गरीब परिवार की एक महिला को हर साल 1 लाख रुपए की मदद दी जाएगी। वहीं केंद्र सरकार की नई नौकरियों में 50त्न महिला आरक्षण दिया जाएगा। शक्ति का सम्मान में आशा, मिड डे मील और आंगनवाड़ी वर्कर्स की सैलरी इजाफा किया जाएगा। महिलाओं को कानूनी हक़ और सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए एक अधिकार-सहेली, हर पंचायत में अधिकार मैत्री बनाई जाएगी। वहीं कामकाजी महिलाओं के लिए सावित्री बाई फुले हॉस्टल खोले जाएंगे।

कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में श्रमिकों के लिए भी कई वादे किए हैं जिसमें 400 रुपए कम से कम दैनिक मज़दूरी, मनरेगा में भी श्रमिको श्रम का सम्मान दिया जाएगा। वहीं स्वास्थ्य के लिए 25 लाख रुपए के हेल्थ-कवर में मुफ़्त इलाज़, अस्पताल, डॉक्टर, दवा, टेस्ट, सर्जरी की व्यवस्था की जाएगी। वहीं शहरों के लिए भी मनरेगा जैसी नई योजना बनाई जाएगी। असंगठित मजदूरों के लिए जीवन और दुर्घटना बीमा लागू की जाएगी। वहीं सभी को रोजगार मिले इसके लिए मुख्य सरकारी कार्यों में ठेका प्रथा पर मजदूरी बंद की जाएगी।

वहीं कांग्रेस ने सामाजिक व आर्थिक समानता के लिए हर व्यक्ति, हर वर्ग की गिनती की जाएगी। संवैधानिक संशोधन द्वारा 50त्न सीमा हटाकर एससी/एसटी/ओबीसी को आरक्षण का पूरा हक़ दिलवाया जाएगा। एससी/एसटी सब प्लान की कानूनी गारंटी में जितने एससी/एसटी जनसंख्या, उतना बजट, यानी ज़्यादा हिस्सेदारी पर काम किया जाएगा। वहीं वन-अधिकार क़ानून वाले पट्टों का 1 साल में फैसला लिया जाएगा। अपनी धरती, अपना राज - जहां एसटी सबसे ज्यादा, वहां पैसा लागू किया जाएगा।

10 सालों में जो काम हुआ, वहां सिर्फ ट्रेलर...अभी बहुत काम करना बाकी - नरेंद्र मोदी

चुरु। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के चूरू में सार्वजनिक रैली को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि राजस्थान पराक्रम और परिश्रम की धरती है। ये वीर बेटों को जन्म देने वाली वीर-वीरांगना माताओं की पवित्र भूमि है। इसकारण राजस्थान जो ठान लेता है, वहां पत्थर की लकीर बन जाता है। यही जज्बा मैं अपने सामने देख रहा हूं। उन्होंने कहा कि राजस्थान का किसान, मेरे राजस्थान का नौजवान और आप सब माताएं-बहनें, इतनी बड़ी संख्या में दूर-दूर से हमें अपना आशीर्वाद देने आए हैं। यह भीड़ देखकर लगाता हैं कि पूरा राजस्थान कह रहा है, फिर एक बार मोदी सरकार।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज चुरू में दिल्ली से नरेन्द्र, देवेंद्र के लिए आशीर्वाद मांगने आया है और जब नरेन्द्र, देवेंद्र के लिए आशीर्वाद मांगता है, तब चुरु के लोग छप्पर फाड़ कर आशीर्वाद देते हैं। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया हैरान है कि भारत इतनी तेजी से कैसे विकास कर रहा है? दुनिया को पता नहीं है कि भारत की इस मिट्टी की बात ही कुछ और है। उन्होंने कहा कि हम जो ठान लेते हैं, वहां पूरा करके दिखाते हैं। पिछले 10 साल में आपने देश को बदलते देखा है। उन्होंने कहा कि 2014 में आपने गरीब के इस बेटे को अपनी सेवा करने का मौका दिया। हताशा, निराशा ये मोदी के पास भी नहीं फटक सकती। मैनें तय किया कि हालात बदलना ही होगा। मेरे लिए, मेरा भारत, मेरा परिवार है। पीएम मोदी ने कहा कि चुनौतियों को चुनौती देना, यही हमारी मिट्टी की ताकत है। हमारे राजस्थान में कहते हैं- अपनी करणी पार उतरणी। हमने परिश्रम किया और परिणाम लाकर दिखा दिया। उन्होंने कहा कि आज हम जल जीवन मिशन योजना लेकर घर-घर में पानी का कनेक्शन देने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। राजस्थान में करीब 50 लाख घरों में पीने का शुद्ध पानी पहुंच चुका है। कांग्रेस सरकार हमारी इस योजना में भी भ्रष्टाचार करने का मौका नहीं छोड़ती थी। लेकिन अब उन कमियों को भी दूर किया जा रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि राजस्थान के 4.50 करोड़ जरूरतमंदों को हर माह मुफ्त राशन दिया जा रहा है।

अगले दो दिनों में कई राज्यों में भारी बारिश के आसार

नई दिल्ली। विदर्भ, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, गंगीय पश्चिम बंगाल, बिहार, तेलंगाना, झारखंड, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और ओडिशा के अलग-अलग स्थानों में दो दिन हीट वेव चलने की संभावना है। वहीं कई राज्यों में भारी बारिश के आसार हैं।

मौसम विभाग ने ये भी कहा कि 9 अप्रैल तक पूर्वोत्तर क्षेत्र में तीव्र बारिश और तूफान की भी संभावना है।

आईएमडी ने कहा कि ओडिशा, गांगेय पश्चिम बंगाल, झारखंड, विदर्भ, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा और तेलंगाना के अलग-अलग इलाकों में लू चलने के आसार हैं। विदर्भ, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, गंगीय पश्चिम बंगाल, बिहार, तेलंगाना, झारखंड, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और ओडिशा के अलग-अलग स्थानों में हीट वेव की संभावना है।

आईएमडी ने कहा कि तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और गंगीय पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में भारी बारिश का भी अनुमान लगाया गया है।

सीबीएसई बोर्ड ने 11वीं 12वीं के परीक्षा पैटर्न में किया बदलाव

नई दिल्ली।। सीबीएसई द्वारा जारी किए गए नए परीक्षा पैटर्न शैक्षणिक वर्ष 2024-25 से लागू कर दिए गए हैं। सीबीएसई का कहना है कि 11वीं और 12वीं कक्षा में लंबे उत्तर वाले प्रश ?नों की बजाय अब से कॉन्सेप्ट आधारित सवाल पूछे जाएंगे। सीबीएसई ने 11वीं व 12वीं कक्षा की परीक्षा के पैटर्न को बदलने का निर्णय लिया है। इस बदलाव के अंतर्गत परीक्षाओं से लंबे उत्तर वाले प्रश ?न हटाने का फैसला किया गया है। शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इस बदलाव का मूल उद्देश्य बच्चों में आंसर रटने की प्रवृत्ति खत ?म करना और सीखने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना है। इसक साथ ही सीबीएसई का यह भी कहना है कि यह बदलाव केवल 11वीं व 12वीं कक्षा के लिए लागू है। 9वीं और 10वीं की कक्षाओं के परीक्षा के पैटर्न में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सीबीएसई के मुताबिक, 11वीं और 12वीं के एग्जाम पैटर्न में किया गया परिवर्तन नई शिक्षा नीति 2020 पर आधारित है। नई शिक्षा नीति के अनुरूप ही परीक्षा पैटर्न में सुधार किया गया है। सीबीएसई के निदेशक जोसेफ इमैनुअल ने बताया कि नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 के मुताबिक ही सीबीएसई ने स्कूलों में दक्षता आधारित शिक्षा को उपयोग में लाने के लिए कदम उठाए हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय का एक्शन, पांच एनजीओ के एफसीआरए पंजीकरण रद्द

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विभिन्न प्रावधानों के कथित उल्लंघन के लिए विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) के तहत कम से कम पांच गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) का पंजीकरण रद्द किया है। मंत्रालय सूत्रों ने कहा कि एफसीआरए पंजीकरण रद्द होने के साथ, ये एनजीओ अब विदेशी योगदान प्राप्त नहीं कर सकते और न ही मौजूदा उपलब्ध धन का उपयोग कर पाएंगे। पांच एनजीओ वॉलंटरी हेल्थ एसोसिएशन ऑफ इंडिया, सीएनआई सिनोडिकल बोर्ड ऑफ सोशल सर्विसेज, इंडो-ग्लोबल सोशल सर्विस सोसाइटी, चर्च ऑक्जिलरी फॉर सोशल एक्शन और इवेंजेलिकल फेलोशिप ऑफ इंडिया हैं। इसमें से कोई भी गैर सरकारी संगठन टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं था।

सूत्रों के मुताबिक, एनजीओ को कथित तौर पर उन कार्यों के लिए धन का उपयोग करने के लिए कार्रवाई का सामना करना पड़ा जो उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं थे। उन्होंने कहा कि एनजीओ ने एफसीआरए के प्रावधानों के विपरीत गतिविधियों में शामिल होकर कानूनों का उल्लंघन किया है। 1970 में स्थापित भारतीय स्वैच्छिक स्वास्थ्य संघ (वीएचएआई) 27 राज्य स्वैच्छिक स्वास्थ्य संघों का एक संघ है, जो अपनी वेबसाइट के अनुसार, देश भर में 4,500 से अधिक स्वास्थ्य और विकास संस्थानों को जोड़ता है। सिनोडिकल बोर्ड ऑफ सोशल सर्विसेज चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया (सीएनआई) का विकास और न्याय बोर्ड है। सीएनआई एसबीएसएस का गठन गरीबों और शोषितों के लिए गरीबी और संबंधित सामाजिक न्याय के पूरे सवाल पर चर्च की प्रतिक्रिया के रूप में किया गया था।

हेमंत सोरेन के खिलाफ ईडी ने सबूतों और दस्तावेजों से कस दिया शिकंजा

रांची । क्षारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी को जहां इंडिया गठबंधन राजनीतिक मंच पर विक्टिम कार्ड के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है। वहीं ईडी ने सभी सबूतों और दस्तावेजों के साथ अदालत में हेमंत सोरेन के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। ईडी ने चार्जशीट में भानु प्रताप प्रसाद, हेमंत सोरेन, राजकुमार, हिलारियास कच्छप और बिनोद सिंह को आरोपी बनाया है। रेवेन्यू ऑफिसर भानु प्रताप के ठिकाने से संपत्तियों के 17 असली रजिस्टर (पंजी) मिले हैं। ईडी ने बताया है कि भानु प्रताप के चैंबर से 44 पेज की फाइल मिली।

मतदान का प्रतिशत बढ़ाने आयोग 11 राज्यों से करेगा बातचीत

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 में पिछले चुनावों के मुकाबले इस लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के प्रयास तेज करते हुए केंद्रीय चुनाव आयोग ने आज उन 11 राज्यों के नगर निगम आयुक्तों और जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ बातचीत करेगा, जहां पूर्व में कम मतदान प्रतिशत दर्ज किया गया था। आयोग ने ग्रामीण और शहरी दोनों संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों की पहचान की है जहां पिछले बार कम मतदान हुआ था। अपनी तरह की इस अनूठी पहल में, आयोग सबसे कम मतदान प्रतिशत वाले 11 राज्यों के नगर निगम आयुक्तों और जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ बातचीत करेगा।

कांग्रेस की दो टूक बोली- प्रतिबंधित पीएफआई से जुड़ी एसडीपीआई का नहीं चाहिए समर्थन

तिरुअनंतपुरम। लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने बहुत बड़ा निर्णय लिया है। पार्टी ने सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) का समर्थन लेने से इनकार कर दिया है। बता दें कि एसडीपीआई अब प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की राजनीतिक शाखा है जिसने संगठनात्मक समर्थन देने की घोषणा की थी। हालांकि, कांग्रेस ने संयुक्त लोकतंत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) को समर्थन देने के लिए मतदाताओं का स्वागत किया है। केंद्र में मुख्य विपक्षी दल के इस फैसले को चुनाव से ठीक पहले उठाया गया बड़ा कदम समझा जा रहा है। पत्रकारों से बात करते हुए राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीसन ने कहा, हम बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक सांप्रदायिकता का विरोध करते हैं। एसडीपीआई की ओर से यूडीएफ को दिए गए समर्थन को इन्हीं परिस्थितियों में देखा जा रहा है। प्रत्येक व्यक्ति अपनी इच्छा के अनुसार मतदान कर सकता है। हम चाहते हैं कि हर कोई यूडीएफ के लिए वोट करे लेकिन संगठनों के मामले में यही हमारा रुख है। उन्होंने इस बारे में अधिक विस्तार बात करने से इनकार कर दिया। प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया की राजनीतिक शाखा सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) ने ऐलान किया था कि उसने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट को अपना समर्थन देंगे। हालांकि, कांग्रेस नेतृत्व ने कहा था कि यूडीएफ का एसडीपीआई के साथ कोई समझौता नहीं हुआ है। सतीसन ने तब कहा था कि कई पार्टियां यूडीएफ को समर्थन दे रही हैं, लेकिन उन्होंने एसडीपीआई के साथ कोई चर्चा नहीं की है और न ही कोई सहमति बनी है। मालूम हो कि केरल में लोकसभा चुनाव 26 अप्रैल को होंगे। कांग्रेस ने वायनाड में राहुल गांधी की रैली में अपनी पार्टी और सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के झंडों का उपयोग नहीं करने का फैसला किया था। इस फैसले को लेकर भाजपा और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने कांग्रेस पर निशाना साधा। माकपा ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि रैली में झंडों का इस्तेमाल नहीं किया गया, क्योंकि कांग्रेस भाजपा से डरती है।

दिल्ली सरकार को सुप्रीम कोर्ट से मिली गुड न्यूज...जल बोर्ड को भुगतान करने के आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार को सुप्रीम कोर्ट से एक और गुड न्यूज मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के प्रधान सचिव (वित्त) से जलापूर्ति से जुड़ी इकाई को भुगतान के लिए जरूरी धनराशि जारी करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली जल बोर्ड को नोटिस भी जारी किया है। इस मामले की अगली सुनवाई अब 10 अप्रैल को होगी। दरअसल केजरीवाल सरकार ने यह कहकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था कि अधिकारी विधानसभा की मंजूरी के बावजूद दिल्ली जल बोर्ड के लिए आवंटित राशि जारी नहीं कर रहे हैं।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने दिल्ली सरकार के प्रधान सचिव (वित्त) को डीजेबी के लिए जरूरी धनराशि जारी करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि वह जल बोर्ड से पानी को लेकर बकाया धनराशि के बारे में जानना चाहती है।

पाकिस्तानी नागरिक थे सूफी संत भारत में नहीं दफना सकते - उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली (ईएमएस)। उच्चतम न्यायालय ने एक याचिका खारिज कर दी, जिसमें भारत में जन्मे पाकिस्तानी सूफी संत की इच्छा के तहत उनके पार्थिव शरीर को बांग्लादेश से लाकर प्रयागराज में फिर से दफनाने के लिए केंद्र को निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। सूफी संत की 2022 में बांग्लादेश में मृत्यु हो गई थी। याचिका में 1992 में पाकिस्तानी नागरिकता हासिल करने वाले इलाहाबाद (अब प्रयागराज) के मूल निवासी हजरत शाह मुहम्मद अब्दुल मुक्तदिर शाह मसूद अहमद की वसीयत का हवाला दिया गया, जिसमें कहा गया है कि उनके पार्थिव शरीर को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज की दरगाह में दफनाया जाए, जिसके वह प्रमुख रहे थे।

शीर्ष अदालत ने प्रयागराज की दरगाह हजरत मुल्ला सैयद की याचिका खारिज करते हुए सवाल किया, 卐वह पाकिस्तानी नागरिक थे। आप कैसे उम्मीद कर सकते हैं कि भारत सरकार उनके पार्थिव शरीर को भारत लाए और यहां उन्हें दफनाया जाए। ऐसा कोई अधिकार नहीं है, जिसके तहत यह मांग की जा सके।卐 पीठ ने कहा, 卐हमें संवैधानिक अधिकारों को लागू करने के सिद्धांतों पर भी गौर करना होगा।卐

वकील ने शीर्ष अदालत को बताया कि संत का जन्म इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में हुआ था और वह पाकिस्तान चले गए। 1992 में उन्हें पाकिस्तानी नागरिकता मिल गई। पीठ ने कहा, उन्हें 2008 में प्रयागराज में स्थित दरगाह हजरत मुल्ला सैयद मोहम्मद शाह की दरगाह का सज्जादा नशीन चुना गया था। उन्होंने दरगाह में दफन होने की इच्छा व्यक्त करते हुए 2021 में वसीयत की थी। ढाका में उनकी मृत्यु हो गई, जहां उन्हें दफना दिया गया। ऐसी याचिका पर विचार करने में परेशानियां हैं। पीठ ने कहा, 卐हजरत शाह पाकिस्तानी नागरिक थे और उन्हें कोई संवैधानिक अधिकार नहीं था। पार्थिव शरीर को कब्र से निकालने के संबंध में व्यावहारिक जटिलताएं हैं।

मनीष सिसोदिया ने जेल से लिखा पत्र, बोले- जल्द बाहर आऊंगा

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसोदिया दिल्ली शराब घोटाला मामले में तिहाड़ जेल में सजा काट रहे हैं। मनीष सिसोदिया ने जेल से अपनी विधानसभा के लोगों को पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने कहा कि जल्द ही जेल से बाहर मिलेंगे। सिसोदिया ने पत्र में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की तारीफ करते हुए कहा है कि मुझे इस बात की खुशी है, अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली में शिक्षा क्रांति आई। शिक्षा क्रांति जिंदाबाद, लव यू ऑल। पिछले एक साल में मुझे सबकी याद आई। सबने ईमानदारी से मिलकर काम किया। जैसे आजादी के समय सबने लड़ाई लड़ी, वैसे ही हम अच्छी शिक्षा और स्कूल के लिए लड़ रहे हैं। अंग्रेजों की तानाशाही के बाद भी आजादी का सपना सच हुआ। वैसे ही एक दिन हर बच्चे को सही और अच्छी शिक्षा मिलेगी। सिसोदिया ने लिखा कि अंग्रेजों को भी अपनी सत्ता का बहुत घमंड था। अंग्रेज भी झूठे आरोप लगाकर लोगों को जेल में बंद करते थे। अंग्रेजों ने कई सालों तक गांधी को जेल में रखा। नेल्सन मंडेला को भी जेल में डाला। ये लोग मेरी प्रेरणा है और आप सब मेरी ताकत। विकसित देश होने के लिए अच्छी शिक्षा, स्कूल का होना जरूरी। अब पंजाब शिक्षा क्रांति की खबर पढ़कर सुकून मिलता है। जेल में रहकर मेरा प्यार आप लोगों के लिए और बढ़ा। मेरी पत्नी का आप लोगों ने बहुत ध्यान रखा। सीमा आपकी सबकी बात करते हुए भावुक हो जाती हैं। आप सब अपना ख्याल रखिए। बता दें कि मनीष सिसोदिया को दिल्ली एक्साइज पालिसी 2021-22 के बनाने और कार्यान्वयन में भ्रष्टाचार के लिए 26 फरवरी, 2023 को केंद्रीय जांच ब्यूरो ने गिरफ्तार किया था। उच्च न्यायालय में चुनौती देने के बाद भी जज ने पिछले साल जुलाई में उन्हें यह कहते हुए जमानत देने से इनकार कर दिया कि उनके खिलाफ आरोप बहुत गंभीर हैं। हालांकि, सिसोदिया के वकील ने यह तर्क दिया कि इस मामले में सिसोदिया को अकेला छोड़ दिया गया है और उन पर साजिश का आरोप लगाया जा रहा है।

वंदे भारत ट्रेन को मिला बालाघाट का स्टापेज?

जबलपुर से रायपुर के मध्य चलाई जाएगी वंदे भारत ट्रेन, शुक्रवार को छोड़कर प्रतिदिन बालाघाट होते चलाई जाएगी वंदे भारत ट्रेन, चुनावी सीजन में फर्जी पत्र हो रहा जमकर वायरल

बालाघाट(पदमेश न्यूज़)। पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर जोन ने महाकौशल और छत्तीसगढ़ को दुरुतगामी वंदेभारत एक्सप्रेस से जोड़ने की घोषणा की है। इससे अब बालाघाट रेलवे स्टेशन होते हुए रायपुर से जबलपुर के मध्य वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलाई जाएगी। जिससे जबलपुर से रायपुर की दूरी मात्र 6 घंटे रह जाएगी। यह ट्रेन शुक्रवार को छोड़ समाह के 6 दिन उपलब्ध रहेगी। हालांकि अभी इसकी किसी अधिकारी ने घोषणा नहीं की है लेकिन इसका एक पत्र सोशल मीडिया पर पिछले दो दिनों से जमकर वायरल हो रहा है।चुनावी सीजन में वायरल हो रहे इस पत्र के बीच पूरे संसदीय क्षेत्र बालाघाट सिवनी में अफवाहों का बाजार गर्म है । जहां सोशल मीडिया पर एक टाइम टेबल जारी बालाघाट को वंदे भारत ट्रेन की सौगात मिलने की बात कही जा रही है तो वहीं इस ट्रेन की सौगात से सिवनी क्षेत्र को अछूता रखने की बात सामने आ रही है। वही इस वायरल हो रहे पत्र को लेकर लोग तरह की चर्चा कर रहे हैं।

जबलपुर-बालाघाट-गोंदिया-रायपुर का होगा रूट

सोशल मीडिया पर जारी इस फर्जी पत्र में ट्रेन के संचालन को लेकर एक टाइम टेबल भी जारी किया गया है ।जिसमे बताया जा रहा है कि यह ट्रेन जबलपुर-बालाघाट-गोंदिया नई रेल लाइन के रूट पर चलेगी। इस वंदेभारत एक्सप्रेस में 16 कोच (डिब्बे) होंगे। ट्रेन जबलपुर से रोजाना सुबह 7.25 को छूटकर, 9.32नैनपुर,10.12 बालाघाट, 11.05 गोंदिया, 12.14 राजनांदगांव, 12.43 दुर्ग आने के बाद दोपहर 1.20 को रायपुर पहुंचेगी। वापसी मे सवा 03 बजे रायपुर से छूटकर इसी रूट से रात 9.10 बजे जबलपुर पहुंचेगी। 410 किमी यह दूरी ट्रेन 70 किमी की रफ्तार से अप डाउन दोनों ही सफर में 5.55 घंटे में पूरा करेगी। फिलहाल यह सेवा एक ही रैक से चलेगी। जिसका शुक्रवार को जबलपुर में मेंटेनेंस होगा।

पत्र को लेकर अफवाहो का बाजार गर्म

पिछले दो दिनों से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे रेलवे के इस पत्र और टाइम टेबल को लेकर बालाघाट सिवनी लोकसभा क्षेत्र में अफवाहों का बाजार गर्म है। कोई इस पत्र को वास्तविक पत्र बता रहा है तो कोई इसे महज एक चुनावी घोषणा बता रहा है। जबकि इसकी हकीकत कुछ और ही है दरअसल आईआरसीटीसी के नाम से जारी किए गए इस टाइम टेबल में किसी भी अधिकारी की कोई सील ,साइन नहीं है और ना ही रेलवे मंडल से इसके दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। इसके अलावा यह पत्र किसने और कितनी तारीख को जारी किया गया है इसकी भी कोई जानकारी नहीं है। कुल मिलाकर कहां जाए तो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है यह पत्र पूर्ण रूप से फर्जी है। जहां ना तो जबलपुर से रायपुर के बीच वंदे भारत ट्रेन शुरू हो रही है और ना ही इस ट्रेन को बालाघाट होते हुए चलाया जा रहा है और ना ही बालाघाट को इस ट्रेन की सौगात दी गई है बावजूद इसके भी राजनीतिक दलों से जुड़े लोग इस पत्र को सोशल मीडिया पर जमकर वायरल कर खूब वाहवाही लूट रहे हैं और इसे अपनी सरकार की उपलब्धि बता रहे हैं।

हमें कोई दिशा निर्देश प्राप्त नहीं हुए है- चौधरी

उधर इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान रेलवे स्टेशन प्रबंधक ने भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस पत्र को फर्जी बताते हुए उन्हें किसी भी प्रकार के दिशा निर्देश नहीं आने की बात कही है। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि सिर्फ व्हाट्सएप पर इस टाइप के मैसेज चल रहे हैं जिसमें वंदे भारत ट्रेन का बालाघाट स्टॉपेज दिए जाने की बात कही जा रही है। लेकिन अभी तक वरिष्ठ मंडल से इसकी कोई योजना बनाने या फिर बालाघाट होते हुए वंदे भारत ट्रेन का संचालन किया जाने को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों से कोई निर्देश या लिखित में कोई आदेश प्राप्त नहीं हुए हैं।

चांगोटोला (मऊ) दरगाह का सालाना उर्स सम्पन्न

बालाघाट(पदमेश न्यूज़)। जिला मुख्यालय से करीब 47 किमी दूर चांगोटोला के ग्राम मऊ दरगाह में हर साल की तरह इस साल भी सालाना उर्स मुबारक का आयोजन किया गया। जहां को हजरत बाबा मोहम्मद गौस पेशावरी रहमतुल्लाह अलैह के इस सालाना उर्स में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए ।जहा उर्स मुबारक के इस मौके पर अकीदतमंदों बाबा के

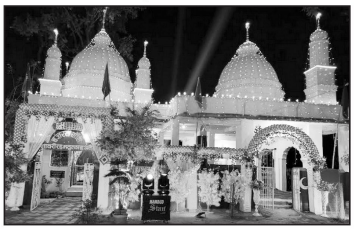

आस्ताने में अकीदत के फूल और चादर पेश कि ।वही विशेष फातिहा का आयोजन कर अकीदतमंदों द्वारा देश मे अमन चैन शांति और आपसी भाईचारे की सामूहिक दुवाएं मांगी गई। वही अकीदतमंदों को तबरुकात तकसीम कर अन्य कार्यक्रम सम्पन्न कराए गए ।जिसके अगले दिन कुल शरीफ की फातिहा कर इस उर्स मुबारक का समापन किया किया।आपको बताए कि रमजान शरीफ के महीने में उर्स मुबारक का आयोजन होने पर पूर्व से निर्धारित कार्यक्रम जैसे कव्वाली, व शाही संदल का आयोजन दरगाह कमेटी द्वारा इस वर्ष नही कराया गया ।वही रोजा अफ्तार व लंगर का आयोजन कर अन्य रस्मे सादगी के साथ निभाकर उर्स मुबारक का समापन किया गया।

39 हजार रुपये की अंग्रेजी शराब बीयर से भरी बोलेरो जप्त

चालक गिरफ्तार भेजा गया जिला जेल

बालाघाट (पदमेश न्यूज़)। किरनापुर पुलिस ने बस स्टैंड में नकशी रोड पर अंग्रेजी शराब से भरी एक बोलेरो वाहन को जप्त किया तथा इस अंग्रेजी शराब को अवैध रूप से रखने के आरोप में इस वाहन की चालक विनय सिंह पिता गुलाब सिंह बैस 48 वर्ष रेलवे कॉलोनी रघुराज नगर सतना जिला सतना निवासी को गिरफ्तार किया। जप्त की गई शराब कीमत 39060 रुपए बताई गई है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल बालाघाट भिजवा दिया गया है। किरनापुर पुलिस के मुताबिक बुधवार की शाम किरनापुर थाना प्रभारी छत्रपाल सिंह बैस अपने स्टाफ के साथ कस्बा भ्रमण हेतु रवाना हुए थे। इस दौरान सूचना मिली कि किरनापुर बस स्टैंड में नकशी रोड पर एक व्यक्ति बोलेरो में अंग्रेजी शराब रखकर कहीं जाने की फिराक में है। इस सूचना पर थाना प्रभारी छत्रपाल सिंह बैस अपने स्टाफ के साथ बस स्टैंड नकशी रोड पर पहुंचे जहां पर एक बोलेरो वाहन के साथ चालक दिखाई दिया बोलेरो चालक को पकड़ कर पूछताछ करने पर उसने अपना नाम विनय सिंह पिता गुलाब सिंह बैस 48 वर्ष रेलवे कॉलोनी रघुराज नगर सतना निवासी बताया ।बोलेरो वाहन की तलाशी लेने पर 8 पेटी अंग्रेजी शराब एवं बियर की पाई गई। जिनमे दो पेटी में 650 एम एल पावर बियर के 12-12 नग, दो पेटी में 650 एम एल के हंटर बियर के 12-12नग, एक पेटी में 650 एमएल के पावर 10000 बियर के 24 नग, एक कार्टून की पेटी में माइलस्टोन अंग्रेजी शराब 90 एमएल 100 नग, एक कार्टून में माइल अंग्रेजी शराब के 180 एम एल 50 नग, कार्टून की एक पेटी में 180 एम एल के 48 नग मेकडॉल नंबर वन व्हिस्की जप्त की गई। जिसकी कीमत 39060 रुपए बताई गई है इस शराब को अवैध रूप से रखने के आरोप में विनय सिंह भैंस को धारा 34 (2) आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया और उसे बालाघाट की अदालत में पेश कर दिया गया जिसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है। इस मामले में प्रयुक्त बोलेरो वाहन एमपी 50 टी 0905 जप्त की गई है जिसकी कीमत 7 लख रुपए बताई गई है।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग का दावा कोई किश्त बाकी नहीं

05 साल से पीएम आवास की तीसरी किश्त का इंतजार

कटंगी (पद्मेश न्यूज़)। भारत सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरुआत 25 जून 2015 को की थी। इस योजना को आरंभ करने का मकसद था कि देश के हर गरीब को पक्की छत और अपना मकान बनाने के लिए सरकार की तरफ आर्थिक मदद दी जाए। मगर, नगर परिषद कटंगी में पीएम आवास योजना शहरी के गरीब हितग्राहियों को इस योजना ने कर्ज में डूबो दिया है। करीब 100 से अधिक हितग्राहियों को लगभग 06 सालों से तीसरी किश्त नहीं मिल पाई है। हितग्राही तीसरी किश्त के लिए कई बार नगर परिषद कार्यालय के चक्कर काट चुके हैं। जहां हितग्राहियों को बताया जाता है कि सरकार की तरफ से राशि नहीं आई है। वहीं भोपाल नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अधिकारी जे.के.जैन से दूरभाष से चर्चा करने पर उन्होंने बताया कि डीपीआर के आधार पर सारी राशि नगर परिषद को भेज दी गई है। वहीं नगर परिषद के उपयंत्री राजेश चौकसे हितग्राहियों को बताते है कि सरकार की तरफ से राशि नहीं आई है। अब इन दोनों में हितग्राहियों से झूठ कौन बोल रहा है यह कहना मुश्किल है। फिलहाल तो इतना जान लीजिए कि कटंगी में जिन 100 से अधिक हितग्राहियों को वर्ष 2018-19 में आवास योजना का लाभ

मिला था। उन्हें आज तक तीसरी किश्त नहीं मिली है। इन हितग्राहियों ने तीसरी किश्त मिलने पर पैसा चुकाने की बात कहकर बाजार से उधारी में सामान और अपने नाते-रिश्तेदारों से पैसा उधार लेकर आवास निर्माण तो पूरा कर लिया है लेकिन अब पैसा चुकाने में इनके पसीने छुट रहे है। वहीं उधार पैसों का ब्याज दिन-ब-दिन बढ़ते ही जा रहा है।

चुनाव में हो रहा गुणगान और हकीकत

अभी लोकसभा चुनाव में मतदान के लिए प्रचार-प्रसार का दौर चल रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर भाजपा पार्टी के तमाम नेता प्रधानमंत्री आवास योजना का जमकर गुणगान कर रहे है। यहां कटंगी में भाजपा के हितग्राही यह बताते हुए नहीं थक रहे है कि हितग्राहियों को पीएम आवास योजना का लाभ देकर पक्का मकान दिया गया है। मगर, भाजपा के यह नेता उन हितग्राहियों के पास नहीं जा रहे है। जिन्हें नगर परिषद ने 06 सालों से तीसरी किश्त नहीं दी है। नगर के वार्डक्रमांक 11 निवासी और हितग्राही ललिता नागेश्वर, मो. अकील शेख, शकील शेख, रफीक खान, कृष्णा वाघाड़े, मुन्नीबाई नारबोदे, संतोष मानेश्वर, रामबती बाई चौधरी बताती है कि कई बार तीसरी किश्त के लिए नगर परिषद के चक्कर काट चुकी है लेकिन सिर्फ आश्वासन मिल रहा है। इनमें से कुछ हितग्राहियों ने बताया कि इनसे आवास योजना का लाभ दिलाते वक्त 10 हजार रुपए की मांग नगर परिषद के कर्मचारियों ने की थी। हालांकि इन हितग्राहियों ने किसी को पैसा नहीं दिया। जिस कारण उन्हें पहली और दूसरी किश्त भी समय पर नहीं दी गई और अब करीब 06 सालों से तीसरी किश्त का हितग्राही इंतजार कर रहे है। यह हाल अकेले वार्ड क्रमांक 11 का नहीं बल्कि नगर के लगभग सभी 15 वार्डों का है।

अपात्रों को दिया गया योजना का लाभ

सूत्रों की माने तो नगर परिषद के प्रधानमंत्री आवास योजना के नोडल अधिकारी ने पैसा कमाने के चक्कर में कई अपात्रों को योजना का लाभ प्रदान किया और जब इस मामले की जांच हुई तो आवास योजना के प्रभारी अरूण रामटेके को बखस्ति कर दिया गया। मगर, कथित तौर पर इस पूरे षड्यंत्र के असली किरदार उपयंत्री राजेश चौकसे नौकरी में बने हुए है. नगर परिषद के अधिकारी इस मामले में साफ-साफ कुछ भी जवाब नहीं देते बल्कि पूरे मामले में टालमटोल करते है. पता चला है कि नगर परिषद ने अब प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ लेने वाले कई अपात्र और पैसा लेकर भी आवास का निर्माण नहीं करने वाले हितग्राहियों को पैसा वापस करने का नोटिस भेजा है। यह राशि वसूल कर नगर परिषद उन हितग्राहियों को तीसरी किश्त देगी जिन्हें अब तक तीसरी किश्त नहीं मिली। यह छोटी सी बात काफी है यह समझने के लिए कि नगर परिषद में प्रधानमंत्री आवास योजना में जमकर भ्रष्टाचार किया गया है।

शराब के नशे में कीटनाशक का सेवन करने से बेहोश व्यक्ति की जिला अस्पताल में मौत

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। शराब के नशे में कीटनाशक का सेवन करने से बेहोश एक व्यक्ति की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक संजय पिता अंजीलाल कुमरे 50 वर्ष ग्राम बेगेगांव थाना किरनापुर निवासी है। जिला अस्पताल पुलिस ने इस व्यक्ति की लाश पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौप दिया है। इस मामले की आगे जांच किरनापुर पुलिस द्वारा की जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार संजय कुमरे के परिवार में माता-पिता और वे दो भाई दो बहन है सभी की शादी हो चुकी है संजय की दोनों बहने अपने ससुराल में रहती है और छोटा भाई बिरजू अपने परिवार के साथ मलाजखंड में रहता है संजय की दो बेटी नागपुर में रहकर जॉब करती है। संजय अपनी पत्नी के साथ माता-पिता से अलग घर में रहता था जो अपने पिता के साथ खेती किसानी भी करता था। संजय कभी बेगेगाव तो नागपुर में रहता था। बताया गया कि संजय शराब पीने का आदी था और रात दिन नशे में रहता था। इन दिनों संजय अपने घर में अकेला था ।पत्नी बच्चों के साथ नागपुर में रह रही थी। 5 अप्रैल को 11:00 बजे संजय का पिता अंजीलाल कुमरे खाना खाने के बाद घर से बाहर निकला था तब उसने देखा कि संजय दरवाजे के सामने सोया पड़ा हुआ था। जिसके मुंह से झाग निकल रही थी। अंजीलाल ने आवाज देकर पास पड़ोस वालों को बुलाया ।संजय से पुछने पर उसने कीटनाशक दवाई खाना बताया था ।जिसे 100 डायल से तुरंत किरनापुर के शासकीय अस्पताल लाकर भर्ती किये। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद संजय को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। 2:00 बजे संजय को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया जहां उपचार के दौरान 3:00 बजे करीब संजय की मौत हो गई ।जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक महेंद्र मर्सकोले आरक्षक मुकेश मानेश्वर ने संजय की लाश पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए और मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु पुलिस थाना किरनापुर भिजवा दी है। इस मामले की आगे मर्ग जांच किरनापुर पुलिस द्वारा की जाएगी।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर ट्रॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामवत्ती पिता मुन्नीलाल जाति लोधी निवासी ग्राम पंचायत मोहगांव ध. के द्वारा कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट में आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि इनकी माताजी स्व. मेहतरीन पति मुन्नीलाल का निधन २८.०३.२०२३ को हो चुका है और इनकी मृत्यु के उपरांत इन्हे मृत्यु प्रमाण पत्र तहसील कार्यालय से जारी किया जाना है। अत: जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे १५.०४.२०२४ के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

संजय बारस्कर
तहसीलदार लालबर्रा

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल संभाग बालाघाट
//भवन हस्तांतरण हेतु आम सूचना//

कार्यालय, संपत्ति अधिकारी, म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल संभाग बालाघाट के कार्यालयीन आदेश क्र. 266-71 दिनांक 10/03/1995 के द्वारा डी.डी. पुरम कॉलोनी, बालाघाट में स्थित भवन क्र. ए.एल.आई.जी.-44 श्री निखिल कुमार कटकवार पिता श्री किशोर कटकवार के नाम से आवॉटित किया गया है। उक्त भवन की सेलडीड उपपंजीयक कार्यालय से दिनांक 22/05/2004 को निष्पादित की गई। श्री निखिल कुमार कटकवार पिता श्री किशोर कटकवार द्वारा उक्त भवन श्री मनीष जैन पिता श्री शीलचंद जैन को विक्रय विलेख के माध्यम से दिनांक 24/12/2012 को विक्रय कर दिया गया है।

क्रेता/विक्रेता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करते हुये उक्त संपत्ति श्री मोनष जैन पिता शीलचंद जैन के नाम से हस्तांतरण कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेज के आधार पर उक्त संपत्ति का हस्तातरण की कार्यवाही की जा रही है।

उक्त संपत्ति के संबंध मे किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी/संस्था/वित्तिय संस्था इत्यादि को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अंदर लिखित रूप मे मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

(एल.आर.कुशरे)
सपंदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचाना विकास मण्डल संभाग बालाघाट

In The Court of III CIVIL JUDGE CLASS II, Civil Court Waraseoni, District Court Balaghat Presiding Officer: रौनक पाटीदार

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)

(RCSA/००००१५३/२०२३)

इनेश ..... वादी

Vs

धनेन्द्र ..... प्रतिवादी

Process Id - /२०२४

पेशी दिनांक :- २२/०४/२०२४

प्रेषिती-

(१) उषा पिता नत्थूलाल पता - समता भवन के पास बुढ़ी बालाघाट तहसील व जिला बालाघाट मध्यप्रदेश

(२) शशि पिता नत्थूलाल पता - समता भवन के पास बुढ़ी बालाघाट तहसील व जिला बालाघाट मध्यप्रदेश

यह कि प्रार्थी इनेश ने आपके विरूद्ध वाद वास्ते संविदा की विनिर्दिष्ट पूर्ति, वाद भूमि पर आधिपत्य, घोषणा एवं स्थाई निषेधाज्ञा के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नही होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ से करने के इच्छुक है तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 22 मार्च 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

कृपया ध्यान दें:-

१. यदि किसी कारणवश उक्त तिथी को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई मे लिया जायेगा।

रौनक पाटीदार
तृतीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड वारासिवनी, जिला बालाघाट

लामता में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

परसवाड़ा में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मतदाता जागरूकता के लिए अनूठे ढंग में हुआ क्रिकेट मैच का आयोजन

बीयू वर्सेस सीयू और डाक मत पत्र वर्सेस चलित मतदान टीमों ने लिया हिस्सा

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा और जिपं सीईओ डीएस रणदा के निर्देशन में शक्रवार को मतदाता जागरूकता के लिए अनूठे क्रिकेट मैच का आयोजन हुआ। 5-5 ओवर के इस टूर्नामेंट का नाम रेडी टू 19 अप्रैल रखा गया। जिसमें महिलाओं ने मतदान का संदेश देते हुए मतदाताओं को आकर्षित किया। इस एकदिवसीय टूर्नामेंट का कलेक्टर व डीईओ डॉ. मिश्रा स्वीप नोडल अधिकारी श्री रणदा और एएसपी श्री विजय डावर ने गेंद और बल्ले से खेल दिखाकर शुभारम्भ किया। शाम करीब 5 बजे प्रारम्भ हुए इस क्रिकेट मैच का पहला मुकाबला सीयू (एनआरएलएम) और बीयू (महिला बाल विकास) के बीच खेला गया। सीयू ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी और 5 ओवर में 28 रन (वोट) बनाएं। बीयू को जीत के लिए अंतिम बॉल पर 5 वोट (रन) बनाने थे। लेकिन बना नही सकी।

डाक मत पत्र ने जीत हासिल की

दूसरा मैच डाक मत पत्र(खेल विभाग) और चलित मतदान (जन अभियान परिषद) के बीच खेला गया। टॉस डाक मत पत्र ने जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 5 ओवर में 75 रन बनाए। जबकि चलित मतदान दल 30 वोट(रन) बनाकर ऑलआउट हो गई। तीसरा मैच वीवीपेट (एनआरएलएम वारासिवनी) व स्वीप(खेल विभाग-2) के बीच प्रारम्भ हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्वीप टीम ने 5 ओवर में 40 वोट बनाए। वहीं वीवीपेट(एनआरएलएम वारासिवनी) 5 ओवर में 5 वोट ही बना सकीं।

निर्वाचन से प्रेरित शब्दावली का हुआ उपयोग

हर मतदाता तक इस आयोजन से जानकारी पहुँचे इसके लिए निर्वाचन में काम मे लायी जाने वाली शब्दावली का ही इस मैच मैच में भी उपयोग किया गया। जैसे- टीमों के नाम बीयू, सीयू, डाक मत पत्र, चलित मतदान, रन के लिए वोट ,स्कोर बोर्ड सुविधा एप्प और थर्ड अंपायर सी-विजिल व इनकोर जैसे कई नाम का उपयोग किया गया।

शपथ दिलाई और नारे लगाए

मैच प्रारम्भ होने पूर्व कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. मिश्रा ने शपथ दिलाई। इससे पूर्व कुछ समय तक लगातार नारे लगाए गए। नारों की गूंज से मैदान पुलिस लाइन से लगी कॉलोनी के नागरिक छतों पर निकल आये।

कमेंटेटर ने नारो का खूब किया उपयोग

पुलिस लाइन मैदान पर खेले गए इस टूर्नामेंट के कमेंटेटर खादी ग्रामोद्योग के सहायक संचालक विनायक मार्को में कमेंट्री में यूनिक शब्दावली का अच्छा उपयोग किया। साथ ही उन्होंने कमेंट्री के बीच-बीच में मतदाताओ को प्रेरित करने वाले नारो का भी बखूबी प्रयोग किया। इस दौरान एसडीएम गोपाल सोनी, कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास प्रशांत ठाकुर, जनअभियान परिषद में जिला समन्वयक सुशील कुमार, खेल अधिकारी केके चौरसिया, जिपं के पीओ श्रीमती नेत्रा उइके, विकस रघुवंशी व रवि पालेवार सहित अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे।

फाँसी पर लटका मिला 57 वर्षीय बुजुर्ग का शव

स्वयं फाँसी लगाकर आत्महत्या करने की जताई जा रही आशंका

बालाघाट (पदमेश न्यूज़)। कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली बाघ कॉलोनी से पुलिस ने एक वृद्ध व्यक्ति का शव उसके घर मे फाँसी के फंदे से बरामद किया है। जहां वृद्ध के फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की संभावना जताई जा रही है। मृतक व्यक्ति का नाम बाघ कॉलोनी निवासी 57 वर्षीय सुरेंद्र पिता मोतीलाल मिश्रा बताया गया है। जिसने अज्ञात कारणों के चलते शुक्रवार की दोपहर घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उधर मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने मृतक के शव को फांसी के फंदे से उतरकर पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की, वहीं परिजनों के बयान दर्ज कर शव को अपने कब्जे में लिया। जहां जाफी 174 के तहत मर्ग कायम कर जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। वहीं पूरे मामले की जांच शुरू कर दि है।

पैसे निकालने डाकघर गई थी पत्नी, घटना के वक्त घर पर अकेला था सुरेंद्र

प्राप्त जानकारी के अनुसार बाघ कॉलोनी निवासी सुरेंद्र मिश्रा सिंचाई विभाग कार्यालय में पदस्थ थे जिनकी एकमात्र पुत्री थी, जो शादी होकर अपने ससुराल सिवनी जा चुकी है। ऐसे में सुरेंद्र मिश्रा और उनकी पत्नी गीता मिश्रा दोनों बाघ कॉलोनी में निवास करते थे। बताया जा रहा है कि सुरेंद्र की पत्नी गीता बाई शुक्रवार की दोपहर किसी काम से घर से बाहर गई थी, जो डाकघर जाकर घरेलू खर्च के लिए पैसे निकालकर लाने की बात कह रही थी। जबकि सुरेंद्र घर पर अकेला था। जिसने अज्ञात कारणों के चलते घर पर ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जब सुरेंद्र की पत्नी गीता बाहर से वापस घर आई तो उसे उसके पति सुरेंद्र का शव फांसी पर लटका हुआ दिखाई दिया। जिसकी सूचना उसने आस पड़ोस वालों को दी।वही कोतवाली पुलिस को मामले से अवगत कराया। जहां मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची डायल 100 ,व कोतवाली थाना पुलिस ने पड़ोसियों की मदद से मृतक के शव को फांसी के फंदे से नीचे उतारा और परिजनों के बयान दर्ज कर पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की वही जाफी 174 के तहत मर्ग कायम कर जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। तो वही इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रथम दृष्टया पुलिस इस पूरे मामले को आत्महत्या से जोड़कर देख रही है। हालांकि सुरेंद्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या करने जैसा कदम क्यों उठाया फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है जिसका खुलासा जल्द ही किए जाने की बात पुलिस द्वारा कहीं जा रही है।

ऑटो चालक ने मारी ठेले वाले को ठोस

बालाघाट (पदमेश न्यूज़) । शहर के बस स्टैंड में इतनी अधिक अवस्थाएं हैं कि यहां पर कोई भी घटना होना कोई बड़ी बात नहीं है, क्योंकि देखा जाता है कि आए दिन शहर के बस स्टैंड में अवस्थाओं का बोलबाला

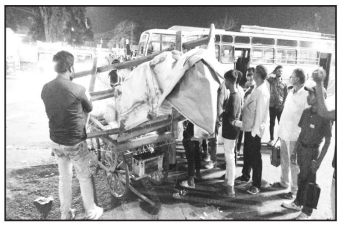

बना रहता है, जिससे यहां से आने-जाने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, ऐसा ही एक छोटा सा नजारा 5 अप्रैल को देर शाम देखने को मिला जहां एक ठेले पर अपना व्यवसाय करने वाला ठेले चालक को एक तेज रफ्तार ऑटो वाले ने ठोस मारकर उसका ठेले को पलटा दिया और वह भाग कर निकल गया, बताया जा रहा है कि ठेले चालक को लगभग 20 से 25 हजार रुपए का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है , मिली जानकारी अनुसार बताया जा रहा है कि भले ही जनप्रतिनिधियों द्वारा शहर के बस स्टैंड को मॉडल बस स्टैंड बनाने की बात चुनाव के समय कही हो लेकिन वह घोषणा आज भी जैसी की वैसी बनी हुई है, शहर में अव्यवस्थित यातायात किसी से छुपा नहीं है, चाहे वह प्रमुख मार्गों की बात हो या फिर शहर का बस स्टैंड ही क्यों ना हो, यहां पर यातायात विभाग की उदासीनता के चलते कोई भी कहीं से भी आवागमन करता है और वह दुर्घटना का शिकार हो रहा है , ऐसा ही एक मामला 5 अप्रैल को देर शाम बस स्टैंड में हुआ जहां वार्ड नंबर 7 मरारी मोहल्ले में रहने वाले दिलीप कापसे अपने ठेले पर चना, फली की दुकान लगाते हैं और वह बस स्टैंड के आसपास घूम-घूम कर अपने ठेले से व्यवसाय करते हैं ,जहां वह बस स्टैंड से गुजर ही रहे थे कि उन्हें तेज रफ्तार से आ रही एक अज्ञात ऑटो के चालक ने ठोस मार दी , ठोस इतनी भयंकर थी कि उनका पूरा का पूरा ठेला पलट गया और ठेले के साथ-साथ उसमें रखा पूरा सामान और ठेला टूट गया, जिससे दिलीप को लगभग 20-25 हजार रुपए का आर्थिक नुकसान हुआ, वही बताया जा रहा है कि ऑटो चालक द्वारा ठोस मरने के बाद वहां से फरार हो गया जिसकी शिकायत दिलीप द्वारा कोतवाली थाने में की गई है और बताया जा रहा है कि वह सीसीटीवी फुटेज की मदद से उक्त व्यक्ति पर कार्रवाई के साथ उनको हुए नुकसान की भरपाई की मांग पुलिस प्रशासन से कर रहे हैं।

बंजारी -मलाजखंड के बीच पेड़ अचानक हुआ धराशाही

हादसे में बाल बाल बची राहगीरों की जान, करीब 2 घंटे तक यातायात रहा प्रभावित

बालाघाट (पदमेश न्यूज़)। शुक्रवार की शाम बैहर रोड में उस वक्त बड़ा हादसा टल गया जब सड़क किनारे लगा एक पेड़ अचानक से बैहर मार्ग पर धराशाही हो गया। जहां इस हादसे में उक्त मार्ग से आवागमन कर रहे लोगों की जान बाल बाल बच गई ,तो वहीं करीब 2 घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। घटना शुक्रवार की शाम करीब 6 बजे की बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बैहर रोड स्थित बंजारी और मलाजखंड के बीच गोलाई के समीप किन्हीं अज्ञात लोगों द्वारा सड़क किनारे लगे एक बड़े से पेड़ के नीचे आग लगाकर उस पेड़ को अत्यधिक मात्रा में जला दिया था। जहां पेड़ अत्यधिक मात्रा में जल जाने के कारण शक्रवार की शाम अचानक से धराशाही हो गया। जिसके चलते उक्त मार्ग से आवागमन कर रहे लोग बाल बाल बच गए तो वहीं सड़क के बीचों-बीच विशालकाय पेड़ गिर जाने से सड़क के दोनों ओर का आवागमन पूर्ण रूप से बाधित हो गया। जहां सड़क के दोनों ओर करीब 2 घंटे तक लंबा जाम बना रहा।जिसकी सूचना स्थानीय राहगीरों द्वारा फॉरेस्ट कर्मचारियों

को दी गई जहां फॉरेस्ट कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर उक्त पेड़ को हटाकर यातायात व्यवस्था सुचारू बनाने की काफी कोशिश की, लेकिन वे कामयाब नहीं हो सके। इसी बीच उक्त मार्ग से कुल्हाड़ी लेकर गुजर रहे दो लोगों से कुल्हाड़ी मांग कर वन विभाग के कर्मचारियों ने पेड़ की कटाई शुरू की और करीब 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद उक्त मार्ग से पेड़ को काटकर हटाया गया और यातायात व्यवस्था सुचारू हो गई। इस पूरे मामले में राहगीरों ने वन विभाग पर अपनी नाराजगी व्यक्ति की है तो वही अज्ञात तत्वों द्वारा पेड़ जलाने की घटना को अंजाम देने पर भी वन विभाग को इसकी सूचना तक नहीं मिली जिसको लेकर वन विभाग की कार्य प्रणाली पर भी सवाल खड़े किए हैं।

तो जान माल का भारी नुकसान हो सकता था- शहजाद खान

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान प्रत्यक्षदर्शी ऑटो चालक शहजाद खान ने बताया कि वह किसी काम से मलाजखंड की तरफ ऑटो लेकर जा रहे थे की अचानक से पेड़ धराशाही हो गया ।उन्होंने बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उक्त पेड़ पर आग लगा दी थी, वह पेड़ पहले से जल रहा था। किसी का फोन आने पर उन्होंने अचानक ऑटो रोका और उनके सामने से एक बाइक वाला निकला। इसी दरमियान पेड़ गिर गया इस हादसे में कोई भी हताहत नहीं हुआ है। लेकिन यदि वह पेड़ किसी बस या किसी बड़ी गाड़ी पर गिर जाता तो भारी जान माल का नुकसान उठाना पड़ सकता था। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने पेड़ को वन विभाग के कर्मचारियों के साथ हटाकर अलग किया और यातायात की व्यवस्था बनाई इसमें पूरी लापरवाही वन विभाग की कर्मचारियों की है जिन्होंने गश्ती के दौरान इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि सभी पेड़ सही सलामत है या नहीं।

गांगुलपारा पहाड़ी में दो दिनों से लगी आग पर अब नही पाया गया काबू

आग बुझाने में वन हमले को करनी पड़ रही मशक्कत, पहली बार नपा के दमकल वाहन का उपयोग

बालाघाट(पदमेश न्यूज़)। गर्मी का सीजन शुरू होते ही जिले में जहां-तहां आगजनी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं जिस पर काबू पाने में नगर पालिका फायर ब्रिगेड टीम को कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है । लगातार बढ़ती जा रही इन्हीं आगजनी की घटनाओं के बीच गांगुलपारा पहाड़ी के ऊपर पिछले दो दिनों से लगी आग पर अब तक काबू नहीं पाया गया है। जिसके चलते आग बुझाने में वन अमले को कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। तो वहीं पहली बार उक्त आग को बुझाने के लिए नपा के दमकल वाहन का उपयोग किया जा रहा है। बावजूद उसके भी हालत काबू में नहीं आ पाए हैं।

10 से 12 हेक्टेयर तक फैली जंगल की आग

बताया जा रहा है कि गर्मी के मौसम में अक्सर, जंगलो में आग लगने की घटनाए होती रहती है, जिससे वनसंपदाओं का नुकसान भी होता है, लेकिन इसका कोई स्थायी हल अब तक नहीं निकल सका है, अप्रैल की गर्मी की शुरुआत में दक्षिण सामान्य वनमंडल के बालाघाट परिक्षेत्र अंतर्गत गांगुलपारा की पहाड़ी में बीते दो दिनों से आग लगी है। एक जानकारी के अनुसार यह आग लगभग 10 से 12 हेक्टेयर तक फैल गई है जिसको बुझाने के लिए मुख्य वनसंरक्षक श्री सेंगर और वनमंडलाधिकारी श्रीमती मिश्रा के निर्देशन पर एसडीओ और परिक्षेत्र अधिकारी धर्मेन्द्र बिसेन, अमले के साथ मैदान में तैनात है। बड़ी क्षेत्र में लगी आग को बुझाने के लिए पहली बार नगरपालिका के दमकल वाहन की भी मदद ली जा रही है।

हम आग पर काबू पाने का प्रयास कर रहे हैं- धर्मेंद्र बिसेन

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान वन परिक्षेत्र अधिकारी धर्मेन्द्र बिसेन ने बताया कि गांगुलपारा पहाड़ी पर आग 04 अप्रैल से लगी है, जिसकी जानकारी के बाद वन अमले और फायर वाहन की मदद से आग पर काबु करने का प्रयास किया जा रहा है, चूंकि जंगल में लगी आग का दुष्प्रभाव, स ?को पर आवागमन करने वालों के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है, जिसके चलते, आग पर काबु पाने के लिए विभागीय अमले सहित फायर वाहन की मदद ली गई है और लगातार आग पर काबु पाने का प्रयास किया जा रहा है।

नवरात्र को लेकर देवी मंदिरों में तैयारी हुई शुरू

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)आगामी सप्ताह से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत होने जा रही है, नवरात्रि को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है इन नौ दिनों में श्री रामनवमी तक विभिन्न आयोजन श्रद्धालुओं के द्वारा अपने-अपने स्तर पर किए जाते हैं, लोगों द्वारा नवरात्रि में उपवास रखकर माता रानी की पूजा अर्चना करते हुए नवरात्रि को मनाया जाता है , वही देवी मंदिरों में भी विभिन्न आयोजन किए जाते हैं , इन नौ पवित्र दिनों के लिए जिले के मंदिरों में अभी से तैयारी शुरू हो गई है, ज्योति कलशो से लेकर जवारे स्थापना के लिए भक्तों और मंदिर समितियां द्वारा अपने-अपने स्तर पर जोर-शोर से तैयारी शुरू कर दी गई है, कुछ श्रद्धालुओं द्वारा अपनी इच्छा शक्ति एवं विशेष ज्योति कलश की भी स्थापना की जाती है।

मुहूर्त के हिसाब से की जाएगी कलश स्थापना

9 अप्रैल को नवरात्रा प्रारंभ हो रहे हैं, मां दुर्गा इस बार घोड़े पर सवार होकर आ रही है, ऐसा पंचांगों में बताया जा रहा है और बताया यह भी जा रहा है कि इस बार घोड़े पर सवार होकर आने से माता रानी सभी के लिए लाभप्रद सिद्ध होगी , वही बताया यह भी जा रहा है कि 9 अप्रैल से ही ज्योति कलश की स्थापना शुभ मुहूर्त

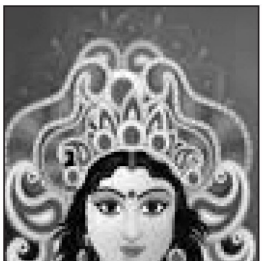

के अनुसार कर दी जाएगी।

शहर के इन मंदिरों में होंगे विशेष ज्योति कलश स्थापित

आपको बता दे की शहर के त्रिपुर सुंदरी माता मंदिर जयस्तम्भ चौक, दुर्गा मंदिर हनुमान चौक एवं काली पाठ मंदिर में भक्तों द्वारा अपनी यथा शक्ति के हिसाब से अलग-अलग ज्योतिष कलश स्थापित किए जाएंगे, जिसमें अभी से ही श्रद्धालुओं द्वारा कलशो की स्थापना करवाने के लिए यथा शक्ति अनुसार मंदिर समितियां से संपर्क किया जाने लगा है, जिस की मंदिर समिति ज्योति कलशो की पहले से ही तैयारी कर रहे है , हर वर्ष की तरह इस साल भी मनोवांछित ज्योति कलशो की भी स्थापना मंदिरों में की जाएगी।

०९ अप्रैल से नवरात्रि की होगी शुरूआत

जिस प्रकार से 9 अप्रैल से नवरात्रि की शुरुआत हो जाएगी , इसे लेकर सभी मंदिर समितियां द्वारा मंदिरों की साफ सफाई एवं मंदिरों को रंग रोगन करना शुरू कर दिया गया है, क्योंकि अब महज ही कुछ दिन ही बचे हैं, इसके बाद नवरात्रि की शुरुआत हो जाएगी एवं मंदिर समितियों द्वारा अपने-अपने स्तर पर बैठक शुरू कर नवरात्रि की रणनीति बनाना भी शुरू कर दिया गया है।

सोशल मीडिया में वायरल वीडियो के सम्बंध में एआरओ ने स्टेशन मास्टर से मांगी जानकारी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। बालाघाट में ट्रेन के आने-जाने सम्बंध में गुरुवार-शुक्रवार को वायरल हुए वीडियो की जानकारी के लिए बालाघाट एआरओ गोपाल सोनी ने बालाघाट रेलवे स्टेशन मास्टर से जानकारी मांगी है। एआरओ श्री सोनी ने बताया कि सोशल मीडिया में वायरल वीडियो के बाद स्थानीय न्यूज चैनल्स में खबरें प्रकाशित होने की जानकारी मिली है। इसकी लिखित में जानकारी के लिए पत्र लिखा गया है। जानकारी प्राप्त होने के बाद इस पर कार्यवाही की जाएगी।

प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी बूढ़ी सावरी मस्जिद में कराया गया रोजा इफ्तार

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सावरी मस्जिद बूढ़ी में नगर पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष अनिल सोनी और उनके समर्थकों द्वारा रमजान के इस पवित्र महीने में रोजेदार भाइयों एवं बहनों का रोजा इफ्तार का कार्यक्रम रखा गया, जहा हर वर्ष बूढ़ी क्षेत्र सहित आसपास के रहने वाले मुस्लिम भाइयों एवं बहनों के साथ सभी रोजेदार को मस्जिद में रोजा इफ्तार करवाया जाता हैं और उसके बाद रोजे की विशेष नमाज अदा की जाती है और शहर के लिये अमन शांति की दुआएं मांगी जाती है, आपको बता दे कि रमजान के इस पवित्र महीने में कौमी एकता की मिसाल देते हुए बालाघाट में बहुत से ऐसे समाजसेवी लोग हैं, जो रोजा इफ्तार का कार्यक्रम करवाते हैं , इसी क्रम में नगर पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष अनिल सोनी द्वारा भी प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी बूढ़ी क्षेत्र की सावरी मस्जिद में बूढ़ी क्षेत्र के आसपास रहने वाले रोजेदार भाइयों एवं बहनों का रोजा इफ्तार का कार्यक्रम रखते हुए रोजे की विशेष नमाज अदा की गई, वही अनिल सोनी द्वारा बताया गया कि वह शहर की अमन एवं शांति के लिए एवं कौमी एकता की मिसाल देते हुए बूढ़ी की इस मस्जिद में रोजा इफ्तार का कार्यक्रम करवाते हैं और रोजा इफ्तार के बाद रोजे की विशेष नमाज अदा की जाती है जिसमें बूढ़ी के साथ-साथ आसपास के वार्ड वासी भी बड़ी संख्या में इस रोजा इफ्तार कार्यक्रम में सम्मिलित होते हैं।

खमरिया के वार्ड नं. 15 में नल-नल-जल योजना का नही मिल रहा पानी

गर्मी के दिनों में पानी के लिए ग्रामीणजन हो रहे परेशान, जिम्मेदार मौन, चेम्बर में वॉल लगाकर पानी प्रदाय करने की वार्डवासियों ने शासन-प्रशासन से की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग १० किमी. दूर ग्राम पंचायत खमरिया के वार्ड नं. १५ में नल-जल योजना का पानी प्रदाय करने के लिए बनाये गये चैम्बर में वॉल नही होने के कारण ग्रामीणजनों को नल-जल योजना का पानी नही मिल रहा है। जिसके कारण इस भीषण गर्मी में ग्राम में पानी की समस्या बनी हुई है और निवासरत लोगों को दूर स्थित हेंडपंप व कुएं से पानी लाना पड़ रहा है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा पानी की समस्या को दूर नही किया जा रहा है। वहीं वार्ड नं. १५ में नल-जल योजना का पानी नही मिलने का मुख्य कारण बताया जा रहा है कि ग्राम पंचायत खमरिया में पीएचई विभाग के द्वारा पाईपलाईन के माध्यम से घर-घर नल-कनेक्शन किया गया है एवं जगह-जगह चेम्बर लगाकर पानी प्रदाय किया जाता है परन्तु वार्ड नं. १५ स्थित चेम्बर में वॉल नही लगाया गया है जिसके कारण नल-जल योजना का पानी नही मिल रहा है और वार्डवासियों के द्वारा भी कई बार पंचायत व पीएचई विभाग को भी पानी की समस्या से अवगत करवा चुके है परन्तु कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत खमरिया में नल-जल योजना के तहत पीएचई विभाग के द्वारा घर-घर में नल का कनेक्शन किया गया है और पाईपलाईन के माध्यम से छिंदलई वैनगंगा नदी का शुध्द पानी प्रदाय किया जाता है परन्तु पाईपलाईन सही तरीके से नही बिछाने के कारण खमरिया के कुछ वार्ड में नल-जल योजना का पानी नही पहुंच पा रहा है जिसके कारण ग्राम में पानी की समस्या बनी हुई

है। इसी तरह खमरिया के वार्ड नं. १५ बड़ी नहर के पास स्थित चेम्बर में तकनीकी खराबी आ गई थी जिसका मरम्मत कार्य करवा दिया गया है परन्तु उसमें अब तक वॉल नही लगाया गया है। जिसक कारण उक्त वार्ड में भी नल-जल योजना का पानी नही मिल रहा है जिसके कारण ग्रामीणजनों को इस भीषण गर्मी में पानी के लिए खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और ऐसी स्थिति में दुर स्थित हेंडपंप व कुएं का पानी उपयोग कर रहे है। पीएचई विभाग के द्वारा वार्ड नं. १५ के निवासरत लोगों को नल-जल योजना के पानी प्रदाय करने के लिए बनाये गये चेम्बर में वॉल लगा दिया जाता है तो नल-जल योजना का पानी वार्डवासियों को नियमित रूप से मिलेगा और पानी की समस्या भी दूर हो जायेगी परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा चेम्बर में वॉल नही लगाया जा रहा है जिसके कारण वार्डवासियों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश देखा जा रहा है। ग्रामीणजनों ने जल्द नल-जल योजना के चेम्बर में वॉल लगाने के साथ ही पाईपलाईन में जो तकनीकी खराबी है उसमें सुधार कर नियमित रूप से नल-जल योजना का पानी प्रदाय करने की मांग पंचायत एवं पीएचई विभाग से की है।

नल कनेक्शन घर की बढ़ा रही शोभा - सागर

सागर केकड़े ने बताया कि खमरिया में नल-जल योजना के तहत घर-घर में नल कनेक्शन किया गया है परन्तु वार्ड नं. १५ में नल-जल योजना का पानी नही मिल रहा है। जिसके कारण ग्रामीणजनों को पानी के लिए खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और दूर स्थित कुएं व हेंडपंप का पानी ला रहे है परन्तु तेज धुप लगने पर कुएं का पानी भी सुख जायेगा जिसके बाद पानी की समस्या बढ़ सकती है। श्री केकड़े ने बताया कि शासन के द्वारा छिंदलई वैनगंगा नदी

का शुध्द पानी पहुंचाने के लिए करोड़ों रूपयों की नल-जल योजना प्रारंभ की गई है ताकि लालबर्रा विकासखण्ड के ग्रामीणजनों को पाईपलाईन के माध्यम से पानी मिल सके परन्तु पीएचई विभाग एवं पंचायत की गलती के कारण खमरिया के वार्ड नं. १५ के वार्डवासियों को नल-जल योजना का पानी नियमित रूप से नही मिल रहा है क्योंकि चेम्बर में वॉल अब तक नही लगाया गया है जिसके कारण पानी की समस्या बनी हुई है और नल कनेक्शन सिर्फ घर का शोभा बढ़ा रही है।

चेम्बर में वॉल लगाकर नियमित रूप से किया जाये पानी प्रदाय - दशरथ

दशरथ केकड़े ने बताया कि घर-घर में नल कनेक्शन किया गया है और ग्राम में पानी की टंकी भी बनी हुई है उसके बावजूद वार्ड नं. १५ में नल-जल योजना का पानी नही मिल रहा है जिसका मुख्य कारण है कि नहर के पास स्थित चेम्बर में वॉल नही लगाया गया है। जबकि अन्य वार्ड में पानी मिल रहा है सिर्फ वार्ड नं. १५ में ही नही मिल रहा है। श्री

केकड़े ने बताया कि वार्ड नं. १५ स्थित चेम्बर में वॉल लगाने के लिए आया था परन्तु पंचायत के द्वारा उसे दुसरी जगह लगा दिया गया है और लंबे समय से पंचायत व पीएचई विभाग से वॉल लगाने की मांग कर रहे है किन्तु कोई ध्यान नही दिया जा रहा है ऐसी स्थिति में दुर स्थित हेंडपंप व कुएं से पानी ला रहे है, हमारी मांग है कि पीएचई विभाग जल्द चेम्बर में वॉल लगाकर नियमित रूप से नल-जल योजना का पानी प्रदाय करें ताकि पानी की समस्या दुर हो सके।

इनका कहना है

खमरिया के वार्ड नं. १५ स्थित नल-जल योजना के चेम्बर में पीएचई विभाग के द्वारा वॉल नही लगाया गया है जिसके कारण पानी प्रदाय करने में परेशानी हो रही है एवं पीएचई विभाग को जल्द वॉल लगाने के लिए जानकारी दे दी गई है, वॉल लगने के बाद नियमित रूप से पानी प्रदाय किया जायेगा।

ओमप्रकाश पटले
सचिव
ग्राम पंचायत खमरिया

वैदिक स्कूल के दो छात्र का नवोदय विद्यालय में हुआ चयन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित वैदिक कान्वेंट इंग्लिश मीडियम स्कूल के दो छात्र प्रियांश ठाकरे एवं अक्षांश बोपचे का नवोदय विद्यालय वारासिवनी में कक्षा ६ वीं में प्रवेश के लिए चयन हुआ

है। ५ अप्रैल को वैदिक कान्वेंट स्कूल में सम्मान कार्यक्रम आयोजित कर नवोदय विद्यालय में चयन होने पर चयनित छात्रों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर नवोदय विद्यालय वारासिवनी में कक्षा छटवीं में प्रवेश के लिए चयन होने पर संस्था प्रमुख के द्वारा छात्र प्रियांश ठाकरे, अक्षांश बोपचे को मिठाई खिलाकर नवोदय विद्यालय के लिए चयन होने पर शुभकामनाएं दी गई और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। चर्चा में स्कूल के डायरेक्टर टीके तुरकर ने बताया कि नवोदय विद्यालय वारासिवनी में कक्षा ६ वीं में प्रवेश के लिए विगत माह पूर्व परीक्षा आयोजित की गई थी जिसका परीक्षा परिणाम गत दिवस घोषित किया गया है। जिसमें वैदिक कान्वेंट इंग्लिश मीडियम स्कूल के दो छात्र अक्षांश पिता गिरधारीलाल बोपचे, प्रियांश पिता संतोष ठाकरे का नवोदय विद्यालय में ६ वीं में प्रवेश के लिए चयन हुआ है जिससे सभी में हर्ष की लहर व्याप्त है और दोनों छात्र का नवोदय में पढ़ाई करने का सपना था जो पूरा हो चुका है। साथ ही यह भी बताया कि ४ अप्रैल को स्कूल में कार्यक्रम आयोजित कर दोनों छात्र का सम्मान एवं मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी गई है। नवोदय विद्यालय वारासिवनी में प्रियांश ठाकरे, अक्षांश बोपचे का चयन होने पर वैदिक कान्वेंट स्कूल लालबर्रा के डायरेक्टर टीके तुरकर, शिक्षक कोमल पाराशर, रिमेश टेंभरे, निशा गौतम, माधुरी बोपचे, मनीषा टेंभरे, अनिशा गौतम, पुजा वद्याड़े, शर्मिला शिवहरे, कमलेश्वरी पारधी, नूरी खान, माही अवधिया, आशा अवधिया, स्वाति वैद्य, शारदा ठाकुर, योगराज राणा, अजय पंचेश्वर, लोकेश सिनोरिया, रामकृष्णा माने, मनोज नागवंशी, चोपेश गौतम, निकिता कटरे, विथिका काटे, प्रिंसी अवधिया ने शुभकामनाएं दी है।

अमोली में चलाया गया मतदाता जागरूकता हस्ताक्षर अभियान

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए निरंतर रूप से मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शत-प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा के द्वारा ५ अप्रैल को महाविद्यालय एनएसएस इकाई के गोदग्राम अमोली में मतदाता जागरूकता हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। यह अभियान महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत के मार्गदर्शन में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के एनएसएस के छात्र-छात्राएं ग्राम अमोली पंचायत भवन पहुंचकर ग्राम में मतदाता जागरूकता हस्ताक्षर अभियान चलाकर लोकसभा निर्वाचन २०२४ के मतदान दिवस पर मतदान केन्द्र पहुंचकर वोट डालने प्रेरित किया। साथ ही मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक किया गया। हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के मतदाता साक्षरता क्लब प्रभारी डॉ. संगीता मेश्राम के संयोजन एवं एन.एस.एस. इकाई प्रभारी डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे एवं क्रीडा अधिकारी डॉ. विवेक खरगाल के सहयोग से किया गया। हस्ताक्षर अभियान में ई.एल.सी. एवं एन.एस.एस. के स्वयं सेवको, महाविद्यालय के विद्यार्थियों केम्पस एम्बेसेडर कु. प्रीति परिहार, कु. नैंसी जैन, कु. प्रीति कावड़े, कु. श्वेता सिलेकर, गौरव उइके, साजेन्द्र लॉजेवार, राहुल मानेश्वर, रवीन्द्र उइके, कुलदीप भरने ने प्रमुख भूमिका का निर्वहन किया। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक सुमन बरवा, डॉ. देवराज चौरे, डॉ. निर्मल किर्ती गेड़ाम, नरेश सौलाखे, डॉ. पल्लवी जाटव, श्रीमती संध्या परते, डॉ. आशीष बागड़े, डॉ. कामाक्षा बिसेन, डॉ. क्रांति जैन, श्रीमती अनिभा शरणागत, श्रीमती आशा कारे, श्रीमती माधुरी पुसे, यादोराव राजुरकर, व्यंकट नगपुरे, श्रीमती सरिता एड़े, पीतम मुरते, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश कुमार पंचेश्वर सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रेलवे और एमपीआरडीसी विभाग नहीं दे रहा ध्यान

क्षतिग्रस्त हो रहा ओवरब्रिज, आए दिन हो रहे हादसे

कटंगी (पद्मेश न्यूज़)। क्षेत्र की मायॅल नगरी तिरोड़ी में रेलवे स्टेशन के पास मुख्य सड़क मार्ग पर तिरोड़ी से पीपरवानी सड़क मार्ग को जोड़ने के लिए रेलवे और म.प्र.सरकार के उपक्रम मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम लिमिटेड के द्वारा मिलकर बनाया गया सड़क ओवर ब्रिज धीरे-धीरे क्षतिग्रस्त हो रहा है। इस ओवर ब्रिज पर बनी सड़क कई इंच तक नीचे की ओर धसक गई है। जिस कारण वाहनों की आवाजाही में दिक्कत हो रही है जबकि नए वाहन चालक अनजाने में सड़क हादसे का शिकार हो रहे है। दरअसल, तिरोड़ी में मुख्य सड़क पर बना यह सड़क ओवर ब्रिज रेलवे और एमपीआरडीसी की तकनीकी टीम, इंजीनियर और अधिकारियों की घोर लापरवाही का एक नायाब उदाहरण है। ऐसा उदाहरण शायद ही प्रदेश में कहीं और ही देखने को मिले। ऐसा इसलिए क्योंकि यह एक ऐसी भूल है जिसमें सुधार की अब कोई गुंजाइश ही नहीं बची है। जी, हां जैसे कि तिरोड़ी, मॉयल नगरी के नाम से मशहुर है और यहां मैंगनीज खनन के लिए हर दिन ब्लॉस्टिंग होती है जिससे धरती में कंपन होता है। इस बात से तिरोड़ी की जनता पूरी तरह से वाकिफ है और शायद रेलवे को भी इस बात की ठीक-ठाक तरीके से जानकारी होगी। मगर, इसके बावजूद धरती में होने वाले कंपन की अनदेखी कर तिरोड़ी में स्टेशन के पास ओवर ब्रिज बना दिया गया। अब ब्लास्टिंग के दौरान होने वाले कंपन से शायद यह ब्रिज काफी हद तक प्रभावित होते हुए दिख रहा है। ब्रिज और सड़क के बीच आए दिन गेप यानि की अंतर दिखाई देता है एमपीआरडीसी हर बार लीपापोती कर इस कमी को छिपाने का काम करती है। उल्लेखनीय है कि रेलवे और एमपीआरडीसी ने आनन-फानन में सड़क ओवर ब्रिज का निर्माण करवाया था। जब इसका निर्माण चल रहा था

तभी निर्माण की गुणवत्ता को लेकर कई तरह के सवाल खड़े किए गए थे लेकिन तब ना तो रेल विभाग और ना ही एमपीआरडीसी के अधिकारियों के कानों में जूं रेंगी और ना ही आज अधिकारी ओवर ब्रिज की हालत को लेकर गंभीर है। ज्ञात रहे कि इस पुल से हर दिन करीब 100 से अधिक छोटे-बड़े वाहनों की आवाजाही होती है. जिसमें यात्री बसों से लेकर मालवाहक वाहन शामिल है। इसके अलावा यह मार्ग पठार अंचल के कई गांवों को तहसील मुख्यालय से जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है जिस कारण दिन भर आवाजाही बनी रहती है। ऐसे में अगर यह ब्रिज अचानक से क्षतिग्रस्त होता है तो बड़ा हादसा हो सकता है। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता। बीते दिनों जब ओवर ब्रिज की हालत इसी तरह से खराब हुई थी तब एमपीआरडीसी ने ब्रिज की दोनों ओर की सड़क की मरम्मत करवाने के नाम पर लीपापोती कर दी थी। रेल फैन विवेक शर्मा के मुताबिक रेल अधिकारी बताते है कि सड़क के दोनों ओर के एप्रोच का हिस्सा एमपीआरडीसी का है। वहीं रेलवे ट्रैक के ऊपर का हिस्सा रेल विभाग का है। अगर एप्रोच वाले हिस्से में किसी भी प्रकार की क्षति होते दिखाई देती है तो रेल अधिकारी एमपीआरडीसी को इसकी सूचना देकर मरम्मत करवाने की बात कहते है जबकि ट्रेक वाले हिस्से में क्षति होने पर मरम्मत की जिम्मेदारी रेल विभाग की होती है. ज्ञात रहे कि इस ओवर ब्रिज के निर्माण के दौरान गुणवत्ता का बिलकुल भी ध्यान नहीं रखा गया और कंपन होने के कारण ब्रिज में क्षति होने का अनुमान है. खैर, तिरोड़ी का यह ओवर ब्रिज आए दिन सड़क हादसों को न्यौता देता है। यहां हर दिन सड़क हादसे का राहगीरों को शिकार होना पड़ रहा है।

पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति एवं आवास सहायता योजना के लिये अंतिम रूप से 15 मई तक किये जा सकेंगे आवेदन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। शैक्षणिक सत्र 2022-23 एवं 2023-24 में अध?ययनरत अनुसूचित जाति वर्ग के नवीन एवं नवीनीकरण के ऐसे विद्यार्थी जिन?होने एमपीटॉस पोर्टल तथा एनआईसी के स्कालरशिप पोर्टल 2.0 पर पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति एवं आवास सहायता योजना का ऑनलाईन आवेदन नही किया है। उन विद्यार्थियों के लिये पूर्व में आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 मार्च 2024 निर्धारित की गई थी। जिसके लिए एमपीटॉस पोर्टल एवं एनआईसी 2.0 पोर्टल पर विद्यार्थियों द्वारा शत् प्रतिशत आवेदन नही होने के कारण वर्ष 2022-23 के लिये आवेदन तिथि 30 अप्रैल 2024 तथा वर्ष 2023-24 के लिये 15 मई 2024 कर दी गयी है। जिले के समस्त शासकीय एवं अशासकीय शैक्षणिक संस्थाओं के प्राचार्यों को निर्देशित किया गया है कि उनकी संस्था में अध्ययनरत समस्त नवीन एवं नवीनीकरण वर्ग के पात्र अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों के आवेदन शत-प्रतिशत कराया जाना सुनिश्चित करें।

मनरेगा मजदूर भी जगा रहे है मतदाता जागरूकता अलख

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा और जिपं सीईओ डीएस रणदा के मार्गदर्शन में जिले में मतदाता जागरूकता अभियान हर गांव, गलियों, मोहल्ले व खेतों,

नगर हाट बाजार तक पहुँच गया है। मतदाता जागरूकता के लिए मनरेगा मजदूरों द्वारा भी 19 अप्रैल को मतदान करने का अलख जगाया जा रहा है। बालाघाट जनपद के प्रतापपुर व हरदौली में किये जा रहे है कार्यो के दौरान मनरेगा मजदूरों ने मतदान का आव्हान किया है।

बौध्द संघ लालबर्रा की बैठक ७ को

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ स्थित लॉन में ७ अप्रैल को दोपहर २ बजे से बौध्द संघ बालाघाट तहसील शाखा लालबर्रा की बैठक आहुत की गई है। तत्संबंध में जानकारी देते हुए बौध्द संघ बालाघाट तहसील शाखा लालबर्रा महासचिव ताराचंद कावड़े ने बताया कि बैठक में आगामी १४ अप्रैल को संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती मनाने एवं जयंती के अवसर पर कौन-कौन से कार्यक्रम करवाये जाने , संघ को मजबूत करने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जायेगी। इस अवसर पर बौध्द उपासक-उपासिकाओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील बौध्द संघ बालाघाट तहसील शाखा लालबर्रा अध्यक्ष भाऊदास मेश्राम, महासचिव ताराचंद कावड़े ने की है।

कंजई में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

ग्राम पंचायत देवगॉव में पानी की समस्या

आधी अधूरी टंकी का निर्माण बना परेशानी का सबब

वारासिवनी (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत वारासिवनी अंर्तगत आने वाली ग्राम पंचायत देवगॉव में गर्मी का मौसम शुरू होते ही पानी की समस्या ने एक बार फिर सिर उठा लिया है। करीब १ माह से इस ग्राम के देवगॉव टोली के वासियों को नल जल योजना का पानी नही मिल रहा है। जिसकी वजह से वे अन्यत्र स्थान से पानी लाने मजबूर दिखाई दे रहे है।

पुरानी नल जल योजना से नही पहुॅच रहा पानी

गौरतलब है कि इस ग्राम पंचायत के स्थान देव टोली में रहने वाले लोगों को साफ तौर पर कहना है कि उनका टोला पंचायत क्षेत्र में पड़ता है। जिसकी वजह से उन्हे पानी नही मिल पाता है। वही नल जल योजना की टंकी का निर्माण भी अधूरा पड़ा है। जिसकी वजह से ही उन्हे इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है। पंचायत को इस ओर ध्यान देना चाहिये।

१ माह से नही मिल रहा पानी – निर्मला शेण्डे

इस संबंध में पद्मेश को जानकारी देते हुये ग्रामीण निर्मला शेण्डे ने बताया कि उन्हे काफी दूर से अपने नजदीकी रिस्तेदार के घर से पानी लाना पड़ रहा है। ग्राम में नल जल योजना प्रारंभ है मगर पुरानी नल जल योजना से जो पानी मिलना चाहिये उस पर लोगों ने मोटर लगा ली है। हमने पंचायत में भी इस बात का विरोध किया है। करीब १ माह से हमे पानी नही मिल रहा है। जिससे हमे काफी तकलीफ हो रही है। वही नवीन जल योजना की टंकी का निर्माण भी अधूरा पड़ा है।

हमारे द्वार पर मिले पानी – पालन रामटेके

वही ग्रामीण पालन रामटेके ने पद्मेश को बताया कि कई बार पानी नही मिलता है। जैसे हमारे घर के आगे रहने वाले माता राम को पानी नही मिलता। पानी की किल्लत तो हो मगर हम लोग जैसे तैसे अपना गुजर बसर कर रहे है। मगर इस समस्या का स्थाई समाधान होना चाहिये ताकि हमारे द्वार पर हमे नल जल योजना का पानी मिले।

हमे मिले पर्याप्त रूप से पानी – बबीता बाहेश्वर

ग्रामीण महिला बबिता बाहेश्वर ने पद्मेश को बताया कि उनकी टोली टेल में है। जिसकी वजह से उन्हे नल जल योजना का पानी नही मिल रहा है। कई बार सरपंच को भी शिकायत की गई है मगर कोई फायदा नही हुआ है। हम यही चाहते है कि हमे गर्मी के मौसम में पानी पर्याप्त रूप से मिले।

इधर उधर से ला रहे पानी – राजू टेम्भुर्णे

ग्रामीण राजू टेम्भुर्णे ने पद्मेश को बताया कि उनके ग्राम के अधिकांश हिस्से में पानी की समस्या है। नल जल योजना का ठेकेदार भाग चुका है जिसकी वजह से टंकी का निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है। सरपंच साहब भी लगातार इस समस्या का समाधान करने लगे हुये। वर्तमान समय में हम लोग कही किसी के खेत से या तालाब से पानी लाकर अपनी प्यास बुझा रहे है। इस समस्या का समाधान होना चाहिये।

इनका कहना है

इस संबंध में दूरभाष पर जब सरपंच से चर्चा की गई तो उन्होने बताया कि वे फिलहाल कहीं बाहर है। मेरे द्वारा पीएचई विभाग को बकायदा इस बारे में सूचना पूर्व समय दे दी गई है। अगर कोई समाधान नही निकलता है तो हम लोग आंदोलन की राह पर जायेंगें।

राजकुमार कावरे
सरपंच देवगॉव

मेहदुली ग्राम पंचायत से लगातार हो रही खेत में लगी मोटर चोरी

वारासिवनी (पद्मेश न्यूज)। ग्राम पंचायत मेहदुली में लगातार खेत में लगी मोटर चोरी होने का सिलसिला जारी है। यह पानी की मोटर खेत में लगी हुई है। जिन्हे अज्ञात चोर चुरा रहे है जिससे ग्रामीण काफी परेशान हो रहे है। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह से मोटर चोरी होती रहेगी तो हम किसानों के सामने काफी संकट आ जायेगा क्योंकि हमारे खेत में रबी की फसल लगी हुई है। जिसे सिंचित करने के लिये हमारे द्वारा जो बोर खेत में खुदवाये गये है उनमे लगी मोटर को अज्ञात चोर चोरी कर रहे है।

लगातार हो रही खेत में लगी मोटर की चोरी – भोजराज पटले

इस संबंध में पद्मेश को जानकारी देते हुये भोजराज पटले ने बताया कि लगातार हमारे ग्राम में खेतो पर लगी मोटर चोरी हो रही है। २ वर्ष पूर्व मेरे खेत से लोहे के एंकल चुराये गये थे। जिसके बाद रामपायली पुलिस ने उन्हे पकड़ लिया था। मगर वर्तमान में मेरे भतीजे व भाई के खेत से पानी की मोटर चुराई गई है। जिसकी शिकायत भी रामपायली थाना में की गई है। हम चाहते है कि उक्त अज्ञात चोरों पर पुलिस कार्यवाही करे ताकि खेतों से हो रही इन चोरी की वारदात पर अंकुश लगे।

पुलिस नही दे रही ध्यान – राधेलाल पंचेश्वर

वही किसान राधेलाल पंचेश्वर ने पद्मेश को बताया कि लगातार हम किसानों की मोटर चोरी हो रही है। जिस पर पुलिस का ध्यान नही है। हमारे खेत में रबी की फसल लगी है। मगर हम किसानों की मोटर चोरी होने का सिलसिला फिलहाल जारी है। जबकि इस समय फसल को पानी की काफी जरूरत है। मगर हम किसानों की इस समस्या पर कोई ध्यान नही दे रहा है।

इनका कहना है

इस संबंध में जब दूरभाष पर थाना प्रभारी रामपायली से पद्मेश द्वारा संपर्क किया गया तो उन्होने बताया की मामले की जॉच चल रही है।

सीएस यादव
थाना प्रभारी रामपायली

५७ लीटर कच्ची शराब के साथ रविन्द्र कातरे गिरफ्तार

वारासिवनी (पद्मेश न्यूज)। पुलिस थाना रामपायली अंतर्गत ग्राम बिटोड़ी के कंहारटोला निवासी

रवि उर्फरविंद्र कातरे के मकान में रामपायली पुलिस के द्वारा ४ अप्रैल को छापामार कार्यवाही कर उसे गिरफ्तार कर ५७ लीटर हाथ भट्टा कच्ची महुआ शराब बरामद कर कार्यवाही की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक बालाघाट के निर्देशन में लोकसभा चुनाव २०२४ के परिपेक्ष्य में अवैध शराब के विरुद्ध चलायें जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत एसडीओपी वारासिवनी अभिषेक चौधरी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी चंद्रजीत यादव रामपायली पुलिस के द्वारा लगातार तलाश की जा रही थी। तभी मुखबीर के द्वारा सूचना दी गयी कि बिटोड़ी के कन्हारटोला में एक अज्ञात व्यक्ति के द्वारा बड़ी मात्रा में अवैध कच्ची हाथ भट्टी महुआ शराब का भंडारण किया हुआ है। जिस पर सूचना के अनुसार पुलिस के द्वारा छापामार कार्यवाही की गई। जिसमें आरोपी रविन्द्र पिता मदनलाल कातरे जाति लोधी उम्र ३२ साल निवासी कन्हार टोला बिटोड़ी रामपायली के कब्जे से ५७ लीटर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब को ब्रिकी करने के उद्देशय से लेकर जाने पर आरोपी के कब्जे से ५७ लीटर शराब कीमत ५७०० रुपये को जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस थाना रामपायली के द्वारा मामले में धारा ३४२ आबकारी अधिनियम के तहत पंजीबद्ध कर आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल निरुद्ध किया गया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी चंदजीत यादव, सहायक उपनिरीक्षक राजीव जाचक ,आरक्षक राकेश लोधी ,अशोक रजक ,लीला कुलस्ते का सराहनीय योगदान रहा।

जवाहर नवोदय विद्यालय कक्षा छटवीं की प्रवेश परीक्षा में खैरलांजी क्षेत्र के सात बच्चों का हुआ चयन

खैरलांजी/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। सत्र २०२४-२५ के लिए आयोजित नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में खैरलांजी क्षेत्र से सात छात्र छात्राओं का चयन हुआ है। इस दौरान छह विधार्थी जहां निजी विधालय में विद्या अर्जन कर रहे थे। वहीं एक छात्रा और छात्र ऐसे भी है जो शासकीय विधालय में पढ़ाई करते हुए नवोदय विद्यालय में प्रवेश पाने में सफल हुए है। सभी की इस सफलता पर जिन सात बच्चों का चयन हुआ है उनमें क्यूटी मुकेश घोड़ेश्वर,समृद्ध विजय सुखदेवे ,खुशालसिंह संजय मसखरे ,रुचि राजकुमार मसखरे ,हर्षित गुर्नेद सुलाखे , वेदसिंह चौधरी ,रुही शैलेश मेश्राम शामिल है। इन सभी चयनित बच्चों के प्रवेश पर माता पिता के साथ शाला प्रबंधन समिति परिचितों और क्षेत्रवासियों के द्वारा बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में बच्चों का प्रवेश हो जाए यह सोच प्रत्येक माता पिता की होती है। अधिकतर माता पिता चाहते है कि उनके बच्चें जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश लेकर अपना आधार मजबूत बनाए। कक्षा छटवी से बारहवीं तक वहां पर पढ़ाई कर बच्चें काफी होनहार और भविष्य के लिए काफी महत्वाकांक्षी और उद्देश्यपूर्ण बन जाते है। आवासीय विद्यालय के अंतर्गत वहां के माहौल अनुशासन दिनचर्या के सभी लोग कायल और प्रशंसक होते है। इसलिए प्रत्येक माता पिता विशेष रूप से मध्यम और मजदूर वर्गीय निम्न आय वाले माता पिता के लिए तो इस विद्यालय में प्रवेश पाना किसी सपने से कम नही होता।

आजिविका दीदीयों एवं मनरेगा मजदूरों द्वारा रैली एवं शपथ के माध्यम से मतदान के लिये किया गया जागरूक

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़) लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा और जिला स्वीप नोडल श्री डीएस रणदा के निर्देशन में जिले में मतदाता जागरूकता अंतर्गत विभिन्न आयोजन किये जा रहे है। इसी कड़ी में वारासिवनी जपं सीईओ सुश्री दीक्षा जैन के मार्गदर्शन में गुरुवार को स्वीप गतिविधि के तहत मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से ब्लाक स्तरीय स्वीप टीम, आजिविका मिशन के अधिकारी /कर्मचारी एवं शिक्षक की उपस्थिति में कार्य स्थल पर लगे मनरेगा मजदूरों ने मतदान की शपथ ली। वहीं अजिविका दीदीयों के द्वारा रंगोली डालकर, मेहंदी हाथों में सजाकर, गांव में रैली निकालकर नारे लगाते हुए भ्रमण किया गया। इस दौरान विखं. स्तर टीम स्वीप नो. शैलेंद्र सिंह अडमें सहा.नो. अनुपमा तिवारी, दिव्या गणवीर एवं अनुसईया बिजेवार उपस्थित रहे।

मवेशियों को कत्लखाने ले जाते चंद्रशेखर गिरफ्तार

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। पुलिस थाना रामपायली अंतर्गत ग्राम रेंगाझरी कटंगटोला मार्ग में ४ अप्रैल को ७ मवेशियों को पिकअप में भरकर कत्ल खाने ले जा रहे चंद्रशेखर राहंगडाले को गिरफ्तार कर मामले में अपराध दर्जकर उच्च न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से न्यायालय ने जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक बालाघाट के निर्देशन में एसडीओपी वारासिवनी अभिषेक चौधरी के मार्गदर्शन थाना प्रभारी चंद्रजीत यादव के नेतृत्व में मवेशी तस्करी के मामले में कार्यवाही की गई । जिसमें पुलिस को मुखबीर की सूचना मिली थी कि ग्राम पंचायत रेंगाझरी से कटंगटोला कच्चे मार्ग पर मवेशियों को कत्ल खाने महाराष्ट्र ले जाया जा रहा है जिस पर पुलिस के द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर चौकसी लगाई गई । तभी एक पिकअप क्रमांक एम ३६ ए , १३०७ आई हुई दिखाई थी जिसे रोककर वहां की जांच की गई । तो उसमें मवेशी भरे हुए थे उक्त वाहन को पुलिस थाना रामपायली में लाकर पूछताछ की गई तो व्यक्ति ने अपना नाम चंद्रशेखर पिता शीतल राहंगडाले जाति पवार उम्र ३० साल निवासी वार्ड नवंर ३ खैरी थाना खैरलांजी होना बताया । जो अपनी पिकअप वाहन क्रमांक एमएच ३६ ए १३०७ से ०७ नग मवेशियों को परिवाहन कर कत्ल खाने लेकर जा रहा था । पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त वाहन तथा ७ नग बैलो को जप्त किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरुध्द पशु क्रुरता अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उसे वारासिवनी न्यायालय के समक्ष पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी चंद्रजीत यादव ,सहायक उपनिरीक्षक राजीव जाचक ,संजीव चन्द्रिकापुरे, राकेश लोधी ,अशोक रजक ,लीला कुलस्ते का सराहनीय योगदान रहा।

पेंशनर्स हितरक्षक संघ की बैठक का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के बस स्टैंड स्थित धार्मिक लॉज में ४ अप्रैल को पेंशनर्स हितरक्षक संघ की बैठक का हुआ आयोजन किया गया। यह बैठक अशोक कुमार गुप्ता प्रदेश अध्यक्ष विद्युत पेंशनर्स हितरक्षक संघ भोपाल की गरिमामय उपस्थिति में प्रारंभ की गयी। जिसमे श्री गुप्ता के द्वारा समस्त पेंशनर्स साथियों से आह्वान किया गया कि पेंशनर्स हित की खातिर जब तक एकजुट नहीं होंगे । तब तक उन्हें उपेक्षा व भेदभाव का दंश झेलना पड़ेगा। वहीं आगामी रणनीति के बारे में भी विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। इस अवसर पर आर डी मिश्रा, बी एल पटेल, एस एन पटेल ,भीमसेन सिंह , के एन दुबे ,सुनील भार्गव, के के मनवारे ,एम एस राजपूत ,पी एल लिल्हारे, डी पी सेलोकर ,व्हीके पाराशर, नामदेव काकडे ,एम एल श्रीवास्तव, साईराम चित्रीव ,टी आर बोपचे ,निलाजी चौहान ,श्रवणलाल चौहान ,बीएल बिसेन ,कृष्णा बिसेन ,नारायण टेंभरे ,आर के यादव ,एस सी कोल्हे ,ए के भोयर ,एम डी ठाकरे, एम एल चावके मौजूद रहे।

खैरलांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

भोरगढ़ में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

कटंगी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

अत्यधिक विनाशकारी

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से जुड़ी एक सहायक प्रणाली, वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) का समावेश व इस्तेमाल और प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के किसी भी पांच मतदान केंद्रों के वीवीपैट में दर्ज मतों की गिनती का ईवीएम में दर्ज मतों की गिनती से मिलान का प्रावधान भारतीय चुनावों में ईवीएम के इस्तेमाल के आलोचकों को आश्वस्त नहीं कर पाया है। कुछ लोगों का यह सुझाव है कि किसी भी दुर्भावनापूर्ण कार्यकलाप की आशंका को दूर करने के वास्ते की जाने वाली पड़ताल के लिहाज से अगर ईवीएम की मतपत्र इकाई (बैलट यूनिट) में दर्ज किए गए मतों और वीवीपैट में मुद्रित पर्चियों के अलावा 'मशीन ऑडिट ट्रेल सिस्टम' में दिए गए तमाम निदेशों (कमांड) को बरकरार रखा जाए, तो यह प्रक्रिया और भी ज्यादा पारदर्शी बन सकता है। यह कदम वाकई पूरी प्रणाली को और ज्यादा मजबूत बना सकता है तथा इसे मौजूदा मशीनों के एक उन्नयन (अपग्रेड) के तौर पर माना जा सकता है। कुछ दूसरे लोगों का कहना है कि वीवीपैट के इस्तेमाल ने उन संभावित खतरों को उजागर किया है, जो किसी नेटवर्क से जुड़े बिना खुद-ब-खुद काम कर सकने की ईवीएम की (स्टैंडअलोन) की प्रकृति और विरासत प्रणाली (लिगेसी सिस्टम) के अंतर्गत आने वाले तकनीकी व प्रशासनिक सुरक्षा उपायों में मौजूद नहीं थे। इससे भी सुरक्षा संबंधी उपायों को नए सिरे से मजबूत करके निपटा जा सकता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वीवीपैट से लैस प्रणाली 'स्टैंडअलोन' ईवीएम की तरह ही सुरक्षित और विश्वसनीय रहे। लेकिन कांग्रेस जैसे विभिन्न राजनीतिक दलों सहित कई लोगों की यह आलोचना समझ से परे है कि पूर्ण पारदर्शिता की खातिर पुनर्गणना की संख्या का नमूना लेने की मौजूदा पद्धति के बजाय, सभी वीवीपैट की सिर्फ शत-प्रतिशत पुनर्गणना ही पर्याप्त व उपयुक्त होगी। सुप्रीम कोर्ट ने अब इस मांग से संबंधित विभिन्न याचिकाओं को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है।

कदाचार और ईवीएम-हैकिंग के बारे में तमाम भारी-भरकम कथनों के बावजूद, अब तक ईवीएम के साथ किसी वास्तविक छेड़छाड़ का कोई सबूत नहीं मिला है। हालांकि, जैसा कि किसी भी मशीन में होता है, ईवीएम में भी कई गड़बड़ियां आई हैं और मशीन के विफल हो जाने की स्थिति में उन्हें तुरंत बदल दिया गया है, लेकिन मौजूदा तकनीकी एवं प्रशासनिक सुरक्षा उपायों के बावजूद उनमें हैकिंग या हेरफेर की संभावना संबंधी आलोचना कोई भी वास्तविक सबूत के साथ नहीं की गई है। मिसाल के तौर पर, 2019 के आम चुनाव और कई अन्य विधानसभा चुनावों में वीवीपैट की नमूना गिनती से पता चला है कि वीवीपैट की पुनर्गणना और ईवीएम की गिनती बहुत ही कम बेमेल रही है। यह वास्तविक मतदान प्रक्रिया से पहले मशीन में दर्ज दिखावटी मतदान (मॉक पोल) को न हटाने या मशीन से प्राप्त अंतिम गिनती को भौतिक रूप से दर्ज (मैन्युअल रिकॉर्डिंग) करने में हुई गलती जैसी छोटी-मोटी त्रुटियों का नतीजा रहा है। वीवीपैट की नमूना गिनती एक मतदाता को इस बात की पुष्टि करने की इजाजत देती है कि उसका मत ईवीएम में उसके द्वारा दर्ज किए गए विकल्प से मेल खाता है या नहीं। प्रांत के आकार के आधार पर प्रत्येक राज्य/केंद्र-शासित प्रदेश के कुछ विधानसभाओं को चुनकर इसे सांख्यिकीय रूप से और ज्यादा महत्वपूर्ण बनाने के लिए पुनर्गणना के नमूने में बढ़ोतरी या फिर सिर्फ उन सीटों पर जहां जीत का अंतर बहुत ही कम (मसलन, कुल वोटों का एक फीसदी से भी कम) है, पुनर्गणना के नमूने को बढ़ाकर इस समस्या का समाधान किया सकता है। लेकिन पूर्ण पुनर्मतगणना पर जोर देना अतिशयोक्ति और ईवीएम में भरोसे की स्पष्ट कमी को दर्शाता है।

मप्र में कांग्रेस क्यों हारना चाहती है ?

पिछले साल जीता हुआ विधानसभा हारने के बाद क्या कांग्रेस लोकसभा में भी हारने का मन बनाये बैठी है ? ये सवाल कांग्रेस द्वारा लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों के चयन को लेकर की जा रही लेतलाली के कारण उठने लगे हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के पास मप्र की 29 सीटों में से मात्र एक सीट हिस्से में आयी थी। इस बार भी कांग्रेस ने प्रत्याशियों के चयन में सतर्कता नहीं बरती और चुनाव होने से पहले ही अनेक सीटें भाजपा को जीतने के लिए छोड़ दीं है। 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के पास मात्र 2 सीटें थीं।

कांग्रेस इस बार प्रत्याशियों के नामों की घोषणा में भाजपा से पिछड़ गयी है । कांग्रेस ने पहली सूची में 12 प्रत्याशियों के नाम दिए थे । बाद में किश्तों में चार-छह नाम आते रहे किन्तु अभी भी ग्वालियर और मुरैना सीट के लिए कांग्रेस अपने प्रत्याशियों के नाम घोषित नहीं कर पायी है। कांग्रेस में एक और पार्टी छोड़ने वालों का सिलसिला थम नहीं रहा दूसरे कांग्रेस अभी तक एक मजबूत प्रतिद्वंदी की तरह मैदान में खड़ी दिखाई नहीं दे रही है। कांग्रेस के दिग्गज नेता भी आधे-अधूरे मन से चुनाव मैदान में उतरे गए हैं। ग्वालियर-चंबल संभाग में तो कांग्रेस ने गुना और भिंड से जिन नामों की घोषणा की है उसे देखकर लगता है कि कांग्रेस यहां जीतना ही नहीं चाहती।

आम धरना ये है कि कांग्रेस को इस चुनाव में पार्टी के पहले बड़े बिभीषण केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के खिलाफ कोई मजबूत और चौंकाने वाला प्रत्याशी मैदान में उतारना चाहिए था ,लेकिन ऐसा नहीं किया गया। सिंधिया के खिलाफ कांग्रेस पूर्व विधायक स्वर्गीय देशराज सिंह के बेटे राव यादवेंद्र सिंह को प्रत्याशी बनाया है। कहने को सिंधिया और राव खानदान के बीच ये मुकाबला नया नहीं है। दोनों परिवारों के सियासी मुकाबला पुराना है। यहां वर्ष 1999 के चुनाव में माधवराव सिंधिया और देशराज सिंह यादव के बीच मुकाबला हुआ था. उसके बाद 2002 के उपचुनाव में ज्योतिरादित्य के सामने देशराज सिंह थे। अब सिंधिया का मुकाबला देशराज के पुत्र यादवेंद्र सिंह से है. यादवेंद्र सिंह का परिवार पुराने भाजपा परिवार के तौर पर पहचाना जाता है। उनके पिता देशराज सिंह यादव भाजपा के बड़े नेता रहे हैं। यादवेंद्र सिंह भी भाजपा में रहे हैं, मगर वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ कांग्रेस का दामन थाम लिया था।

कांग्रेस प्रत्याशी यादवेंद्र सिंह की मां तक उनके साथ नहीं हैं। वे जिला पंचायत सदस्य हैं, वे भाजपा में लौट चुकी हैं और परिवार के अन्य सदस्य भी भाजपा में शामिल हो चुके हैं। गुना संसदीय क्षेत्र में तीन जिलों के विधानसभा क्षेत्र आते हैं, इनमें शिवपुरी के तीन, गुना के दो और अशोकनगर के तीन विधानसभा क्षेत्र हैं. इन आठ विधानसभा क्षेत्र में से छह विधानसभा क्षेत्र पर भाजपा का और दो पर कांग्रेस का कब्जा है। सिंधिया के लिए केवल यादव मतदाताओं की बगावत ही नुक्सान कर सकती है अन्यथा उनकी जीत पक्की है। ग्वालियर सीट से भाजपा ने विधानसभा चुनाव हारे पूर्व मंत्री भारत सिंह को प्रत्याशी बनाया है । उनका नाम सामने आते ही ये धारणा बन गयी थी कि भाजपा ये सीट हार जाएगी बशर्ते की कांग्रेस किसी मजबूत नेता को अपना प्रत्याशी बनाये, लेकिन कांग्रेस अभी तक अपना प्रत्याशी तय नहीं कर पायी है। यही स्थिति मुरैना सीट को लेकर है । मुरैना सीट से भी भाजपा ने पूर्व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के भक्त पूर्व विधायक शिवमंगल सिंह तोमर को प्रत्याशी बनाया है। तोमर की छवि भी बेहद खराब है । कांग्रेस यहां किसी भी मजबूत प्रत्याशी को लाकर लोकसभा की सीट जीत सकती थी ,लेकिन कांग्रेस ने यहां भी अभी तक प्रत्याशी का नाम तय नहीं किया। राजनीतिक हलकों में चर्चाए है कि विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कांग्रेस नेताओं से इन सीटों को लेकर संधि कर ली है। हालाँकि मुरैना से पूर्व मंत्री राम निवास रावत कांग्रेस की और से चुनाव लड़ने को उतावले हैं। भिंड आरक्षित सीट से भाजपा ने अपने वर्तमान सांसद को ही मैदान में उतारा है। उनके खिलाफ कांग्रेस ने अपने विधायक फूल सिंह बरैया को मैदान में उतारा है। वे सवर्णों को सरेआम गरिया चुके हैं ,ऐसे में उनका जीतना आसान नहीं है ,जबकि ये सीट कांग्रेस के लिए मुरैना और ग्वालियर की सीट की तरह आसान थी।

कांग्रेस की एक मात्र सुरक्षित सीट छिंदवाड़ा भी कांग्रेस में भाजपा द्वारा की गयी व्यापक तोड़फोड़ की वजह से खतरे में है ,कांग्रेस के दिग्गज दिग्विजय सिंह को हालाँकि कांग्रेस ने राजगढ़ से प्रत्याशी बनाकर छिंदवाड़ा की संभावित हार की भरपाई करने के लिए प्रत्याशी बनाया है लेकिन दिग्विजय सिंह राजगढ़ के मौजूदा भाजपा सांसद रोडमल नागर के सामने कितना टिक पाएंगे कहना कठिन है। नागर पिछले तीन चुनाव जीत चुके हैं। कांग्रेस को लगता है मध्यप्रदेश में वोटों की खेती करने में अब डर लगने लगा है ,अन्यथा ये मौक़ा था जहाँ कांग्रेस कम से कम 10 सीटें आसानी से जीत सकती थी। अब देखना होगा कि हर तरह से कंगाल हो चुकी कांग्रेस मध्यप्रदेश में अपनी विजय पताका कितनी सीटों पर फहरा सकती है या उसे इस बार छिंदवाड़ा से भी हाथ धोना पड़ सकता है ?

- राकेश अचल

साहित्य के कुंदन : कुंदन सिंह परिहार

स्वतंत्रता के बाद परसाई जी ने पाठकों को व्यंग्य की ताकत से परिचित कराया लेखन में अडचन होने पर शासकीय नौकरी छोड़ी और आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद जिंदगी भर मसिजीवी बनकर रहे। इस स्थिति के बावजूद उन्होंने बड़ों बड़ों को आइना दिखाया और कहीं समझौता नहीं किया । उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यंग्य एक गंभीर विधा है, मनोरंजन कि चीज नहीं। हिंदी में व्यंग्य की प्राचीन परम्परा है। भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का नाटक अंधेर नगरी तत्कालीन शासन पर मारक व्यंग्य है। बालमुकुंद गुप्त, बालकृष्ण भट्ट, प्रताप नारायन मिश्र अपने व्यंगात्मक लेखों से प्रसिद्ध हुए। कुछ ऐसा ही लेखन कुंदन सिंह परिहार जी का है। उनका लेखन गहरी चोट करते हुए सोचने पर विवश करता है। कालातीत होने वाले, सम सामयिक विषयों से बचते हुए सर्व कालिक विषयों पर केंद्रित उनके व्यंग्य , व्यंग्य संसार की धरोहर हैं। मैंने, व्यंग्य यात्रा के द्धह्वद्य4- सितम्बर 2019 अंक में एक रोमांटिक की त्रासदी उनके व्यंग्य संग्रह पर चर्चा की थी। आप भी देखें, संग्रह के कुछ रंग। साहब की किरकिट - रचना में साहब को किरकिट के खेल में जिताने की राजनीती ऑफिस स्टॉफ द्वारा की जाति है, जिसे एक नया कर्मचारी समझ नहीं पाता और कायदे क़ानून से क्रिकेट खेलकर साहब को आउट कर देता है। उसकी यह मूर्खता बड़े बाबू और स्टाफ की नाराजी का कारण बनती है। साहब को खुश करने में कायदे क़ानून की क्या जरूरत? , रचना - उसूल वाला आदमी, जिसके नौरंगी बाबू रिश्वत लेने के मामले में इतने उसूल वाले हैं की सगे बाप और भाई को भी नहीं छोड़ते, ऊपर से तुर्रा यह की ऐसा करते हुए उनकी आत्मा दुखती है। - रज्जन बाबू का केस, उन सज्जनों पर व्यंग्य है जो सूट, टाई पहनकर अपने आपको आम आदमी से हटकर कुछ खास होने का मुग़लता पाल लेते हैं। लेकिन पुलिस के सिपाही से मिली बेइज़्ज़ती से उन्हें समझ में आ जाता है की वे इज़्ज़तदार आदमी नहीं, बल्कि बिना किसी विशेषण के सिर्फ आदमी हैं। एक श्रोता संहिता है, जिसके अनुसार , जो वक्ता एक जगह परिवार नियोजन पर भाषण देता है, वही दूसरी जगह आठवीं संतान के जन्म पर बधाई भी दे आता है।

25 अप्रैल 1939 को मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के ग्राम अलीपुरा में जन्मे कुंदन सिंह जी , एम ए (अंग्रेजी साहित्य) एम ए (अर्थ शास्त्र), पी.एच.डी., एलएल.बी शिक्षित हैं। आपके पांच कथा संग्रह - तीसरा बेटा, हासिल, वह दुनिया, शहर में आदमी, काँटा के साथ ही तीन व्यंग्य संग्रह अंतरात्मा का उपद्रव, एक रोमांटिक की त्रासदी, नवाब साहब का पड़ोस , प्रकाशित एवं पाठकों के बीच चर्चित हैं। रचना कर्म ,1960 के पश्चात निरंतर कहानी और व्यंग्य लेखन। देश की सभी नामचीन पत्रिकाओं में कहानी एवं व्यंग्य प्रमुखता से प्रकाशित हैं। गोविंदराम सेक्सरिया अर्थ वाणिज्य महाविद्यालय के प्राचार्य पद से सेवा निवृत हो साहित्य सृजन में रत हैं।

दिखने में साधारण किन्तु लेखन असाधारण। मैं, उनका छात्र रहा हूं, उन्हें तड़क - भड़क से परहेज हैं, सम्मान - अभिनन्दन के नाम से उन्हें बुखार आता हैं। 85 वर्ष के हैं किन्तु उत्साह युवकों सा है, शालीन व्यवहार के धनी, शालीनता से परिपूर्ण। व्यंग्यम संस्था से उनका जुड़ाव, है। इस कारण हमें उनके साथ बैठने, सुनने का अवसर मिल जाता है।। कथा संग्रह वह दुनिया के लिए मध्य प्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन के 1994 के वागीशवरी पुरुस्कार और 2004 में कहानी नई सुबह के लिए राजस्थान पत्रिका के सृजनात्मकता के लिए परिहार जी सम्मानित हुए। सहज़, सरल, सहृदय परिहार जी हिंदी जगत के लिए अपरिहार्य हैं। वे अपने वक्तव्य मेँ कहते हैं अपनी तो जैसे तैसे कट गई, फ़िक्र अगली पीढ़ीयों की है । वे मित्रता को कितना मान देते हैँ की उन्होंने अपने व्यंग्य संग्रह नवाब साहब का पड़ोस जबलपुर के अपने साथी व्यंग्यकारों को, जिन्होंने हमेशा स्नेह दिया और लिखने की इच्छा को मरने न दिया एक बात और इस पुस्तक में लेखक के दो शब्द के अलावा अन्य कोई भूमिका, प्रस्तावना, शुभकामना आदि कुछ नहीं है। उम्र के 85 पार कर चुके हैं, कहते हैं छपने और प्रसिद्धि पाने की ललक से काफ़ी पहले मुक्त हो चुका हूँ, लेकिन पढ़ने और लिखने का क्रम जारी हैँ। परिहार जी भविष्य मेँ घटते जल संकट, हवा पानी के जहरीले होने का संकट, रोजगार का संकट, चौड़ी होती आर्थिक असमानता का संकट, साम्प्रदायिक भेदभाव का संकट शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के महंगी और स्टारहीन होने का संकट यानि संकट ही संकट।

हरि शंकर परसाई जी ने परिहार जी के लेखन को रेखांकित करते हुए लिखा ̄- परिहार के पास तीखी नजर और प्रगतिशील दृष्टिकोण है। वे राजनीति, समाज सेवा, शिक्षा, संस्कृति, प्रशासन आदि के ×ड्डद्बह्लह्य छेत्रों की विसंगतियों को कुशलता से पकड़ लेते हैं। समाज मेँ जो पाखंड, मिथ्याचार, ढोंग, स्वार्थपरता, भृष्टाचार, दोमुहाँ पन, झूंठ आदि चलते रहते हैं, वे परिहार की दृस्टि से बचे नहीं रह सके, वे इनके प्रतिनिधि चरित्रो को भी खोज लेते हैं। बहुत सरल भाषा और बनावट हीन सहज़शैली मेँ लिखी गई ये कथाएँ केवल मनोरंजन नहीं करती, बल्कि जीवन की तीखी आलोचना प्रस्तुत करती हैं। यह एक दर्पण है, जिसमें हमारे जीवन का विकृत चेहरा दिखता है।

परसाई जी के ही शब्दों मेँ कहें तो व्यंग्य अन्याय के विरुद्ध लेखक का हथियार बन जाता है। और इस हथियार का प्रयोग कुंदन सिंह परिहार जो साहित्यिक अवदान/सृजन मेँ अपने नाम के आगे डॉ. का प्रयोग नहीं करते, के द्वारा बखूबी किया गया है। इस महीने 25 अप्रैल उनका जन्मदिन है, सभी मित्रों की ?र से उन्हें जी भर के बधाई। वे स्वस्थ, सुखी, सानंद रहें शतायु हों, उनका आशीर्वाद मार्ग दर्शन हम सबको मिलता रहे।

-अभिमन्यु जैन

6 अप्रैल को भाजपा के 45वें स्थापना दिवस पर आलेख

4 अप्रैल 1980 की बात है। जनता पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष स्व चंद्रशेखर जी, मोहन धारिया एवं स्व मधु लिमये जनता पार्टी के जनसंघ घटक से बार-बार कह रहे थे कि आपकी दोहरी सदस्यता नहीं चलेगी। आपको राष्टीय स्वयंसेवक संघ से अपनी सदस्यता खत्म करनी होगी। तत्कालीन विदेश मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी एवं सूचना प्रसारण राज्यमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी लगातार समझाते रहे कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हमारी मातृ संस्था है। बाल्यकाल से हमने वहां से संस्कार प्राप्त किये हैं। संघ में कोई सदस्यता नहीं होती, संघ एक सांस्कृतिक संगठन है, जो देश की संस्कृति, भारतीय परंपरा, राष्ट्रवाद एवं सनातन धर्म के लिए काम करता है। बावजूद इसके जनता पार्टी के अन्य घटक दलों ने नहीं मानी। जबकि सच्चाई यह थी कि आपातकाल के बाद जनसंघ भारत का पहला राजनैतिक दल था जिसने लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपने दल का नाम और चुनाव चिन्ह दीपक भी मिटा दिया। अटलजी और आडवाणीजी की बात जनता पार्टी नेताओं ने यहां तक की मोरारजी भाई देसाई जो उस समय प्रधानमंत्री थे, उन्होंने भी इस विषय पर नही सुनी और चुप्पी साध ली। मुझे आज भी स्मरण है कि अटलजी ने और आडवाणीजी ने तत्कालीन पूर्व संगठन मंत्री सुंदर सिंह भंडारी जी से आग्रह किया कि 4 अप्रैल 1980 को देश के अपने सभी प्रांतों और राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख नेताओं की आपात बैठक बुलाई जाए।

हमारे मध्य प्रदेश के वरिष्ठ नेता और ग्वालियर के तत्कालीन सांसद नारायण कृष्ण शेजवलकर भी उस बैठक में गए। मैं समाचारपत्र में था और देश में जनसंघ का पहला अपना निजी कार्यालय जो ग्वालियर में बना था, उसमें रहता था। मैं भी स्वर्गीय शेजवलकर जी के साथ बैठक में बतौर पत्रकार चला गया। बैठक प्रारंभ हुई। पहले आडवाणीजी ने जनता पार्टी से उत्पन्न सभी बातें रखीं। उन्होंने कहा कि दोहरी सदस्यता के नाम जनता पार्टी के अन्य घटक हमें संघ के स्वयं सेवक नहीं रहने और उनके कार्यक्रमों के साथ-साथ संघ की सदस्यता छोड़ने की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने और अटलजी ने जनता पार्टी के नेताओं को बहुत समझाने की कोशिश की और कहा कि संघ में सदस्यता नही होती है संघ से हमारा वैचारिक संबंध है। लेकिन जनता पार्टी नेताओं और अन्य घटकों को यह बात समझ में नहीं आई। वहां उपस्थित सर्वश्री जगन्नाथ राव जोशी, भैरो सिंह शेखावत, सुंदर सिंह भंडारी, केदारनाथ साहनी, डॉ मुरली मनोहर जोशी, शांता कुमार, विजय कुमार मल्होत्रा, कुशाभाऊ ठाकरे, जे.पी. माथुर, कैलाशपति मिश्र, उत्तम राव पाटिल, विष्णुकांत शास्त्री, ओ. राजगोपाल, यज्ञदत्त शर्मा, मदनलाल खुराना, अश्विनी कुमार, केशुभाई पटेल, यदुरप्पा जी सहित देश के सौ सवा सौ से अधिक नेताओं ने एक साथ कहा कि हम सबसे पहले स्वयंसेवक हैं और संघ से हमारा नाता मरणोंपरांत भी नहीं छूट सकता। इसके लिए भले ही जनता पार्टी छोड़ना पड़े।

अंत में सभी की भावना सुनकर अटलजी भाव विभोर हो गए और उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि हम राष्टीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक हैं और सदैव रहेंगे। लेकिन अब जनता पार्टी के सदस्य नहीं रहेंगे। उपस्थित सभी नेताओं ने अटल जी की बात सुनकर तालियां बजाई और एक स्वर से कहा कि हमने जनसंघ राजनैतिक दल जनता पार्टी में मिलाया था, पर जनसंघ के कार्यकर्ता तो आज भी गांव-गांव में हैं। जनसंघ के कार्यकर्ताओं और संघ के सहयोग के कारण ही जनता पार्टी को देश में इतनी सीटें सन 1977 में आपातकाल खत्म होने के बाद मिली। बैठक में एक समिति सुंदर सिंह भंडारी की अध्यक्षता में बनाई गई, और इस समिति को नया दल, नया चुनाव चिन्ह और नया संविधान बनाने का कार्य सौंपा गया।

6 अप्रैल 1980 को पुन: देशभर के प्रमुख नेताओं की बैठक हुई और नये दल भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई। चुनाव चिन्ह कमल का फूल घोषित किया गया और दल का संविधान बनाने का कार्य शुरू हुआ। भाजपा बन गई। इसका पहला अधिवेशन मुंबई के माहिम क्षेत्र में आयोजित किया गया। सभी वरिष्ठ नेतृत्व ने एक स्वर में जनसंघ के तीन बार अध्यक्ष रहे अटल बिहारी वाजपेयी को लाखों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में राष्टीय अध्यक्ष घोषित किया। अनेक प्रस्ताव पारित हुए। जनसंघ घटक से क्यों अलग हुआ, जनता पार्टी क्यों टूटी, उसपर भी आडवाणी जी ने विचार रखें। उसी शाम अपने अध्यक्षीय भाषण में अटल जी ने कहा अंधेरा छटेगा सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा। इसी अधिवेशन में प्रसिद्द न्यायाधीश एम. सी. छागला भी उपस्थित थे। मंच के पीछे बैनर पर लिखा था गद्दी छोड़ो कि जनता आती है। इस अवसर पर छागलाजी ने कहा था कि मैं अपनी आंखों के सामने देख देख रहा हूं कि भाजपा आ रही है और भविष्य में देश के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी होंगे।

सन 84 में चुनाव हुए। चुनाव के बीच में ही इंदिरा जी की हत्या हो गई। भाजपा को देश में सिर्फ दो ही सीटें मिली। एक गुजरात के मेहसाणा से अशोक पटेल और दूसरा आंध्र प्रदेश से जंगा रेड्डी चुनाव जीते। यहां तक कि अटल जी ग्वालियर से 84 के चुनाव में माधवराव सिंधिया से हार गए। देश में निराशा छा गई। अटल जी उठे, कहा कि हम चुनाव हारे हैं लड़ाई नहीं। हम दुगुनी ताकत से पूरे देश में कमल खिलाएंगे। कार्यकर्ता तो देश भर में थे। राष्टीय एवं प्रांतीय नेतृत्व ने पूरे भारत का अखंड प्रवास कर छोटे बड़े कार्यकर्ताओं और भारत की जनता को जगाने का कार्य जारी रखा। धीरे-धीरे हर लोकसभा चुनाव में भाजपा की संख्या बढ़ती गई। सन 1989 में 85 सीटें और सन 1991 में भाजपा को 120 सीटें मिलीं।

एक स्थिति यह आई कि सन 1996 के चुनाव में भाजपा को 182 सीटों पर जीत मिली। सबसे बड़ी पार्टी होने के कारण तत्कालीन राष्टपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा ने अटल जी को प्रधानमंत्री की शपथ के लिए बुलाया। अटल जी ने प्रधानमंत्री की शपथ ली। लेकिन वह सरकार मात्र 13 दिन तक चली। फिर चुनाव हुए, पुन: भाजपा को सहयोगियों के साथ यानी उस समय के एनडीए के साथ अच्छी सीटें मिली। अटल जी पुन: 13 महीने के लिए प्रधानमंत्री बने। सहयोगियों ने धोखा दिया और अटल जी की सरकार एक वोट से गिर गई। अटल जी ने अपना इस्तीफा देने से पहले संसद में अपने भाषण में कहा सरकारें आएंगी जाएंगी लेकिन हम खरीद-फरोख्त से बनी सरकार को चिमटी से भी नहीं छुएंगे। हालांकि 1990 के विधानसभा चुनाव में मध्य प्रदेश, हिमाचल और राजस्थान में भाजपा की बहुमत से सरकारें बन चुकी थी। इन राज्यों के चुनावों में कांग्रेस बुरी तरह पराजित हुई थी।

सन 1999 में हुए लोकसभा चुनाव में एनडीए की सरकार सभी सहयोगी दलों के सहयोग से बनी और अटलजी तीसरी बार पांच साल तक प्रधानमंत्री बने रहे। फिर सन 2004 में लोकसभा चुनाव में भाजपा पराजित हुई और यूपीए की सरकार बनी। उसके बाद यूपीए सरकार के प्रधानमंत्री राजनेता कम नौकरशाह रहे डॉ. मनमोहन सिंह बने। यह सरकार दस साल चली। इन दस सालों में यूपीए सरकार घोटालों में डूब गई। पूरे देश में यूपीए से देश के करोड़ों लोग निराश हो चुके थे।

लेकिन इतिहास करवट लेता है। गुजरात में बारह वर्ष शानदार सरकार चलाने वाले नरेंद्र मोदी को भाजपा के तत्कालीन अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने लोकसभा चुनाव के प्रचार का संयोजक और कुछ दिनों बाद उन्हें भाजपा की ओर से देश का भावी प्रधानमंत्री बनाने की दलीय घोषणा की। नरेंद्र भाई का नाम आते ही देश में एक नए राजनैतिक युग का संचार हुआ। नई आशाएं जगी उम्मीदों की नई किरणें दिखने लगी। गुजरात के विकास की अमिट छाप देश ने देखा था। नरेंद्र मोदी ने भारत का अखंड प्रवास कर पूरे देश का विश्वास जीता और तीस वर्ष बाद किसी एक पार्टी (भाजपा) की बहुमत की सरकार बनी। कुल सीटें भाजपा की 282 एवं एनडीए की 336 आई। उसके बाद प्रधानमन्त्री एक दिन भी नही रुके। उनके कदम बढ़ते गए। इसी बीच में राजनाथ सिंह देश के गृह मंत्री बने और भाजपा के नए अध्यक्ष भाजपा के महामंत्री और यूपी के प्रभारी रहे अमित शाह भाजपा के राष्टीय अध्यक्ष बने। संगठन का कार्य संभालते ही अमित भाई ने अपने अखंड प्रवास और अनेकानेक कार्यों और कार्यक्रमों से पूरे भारतवर्ष में भाजपा को खड़ा कर विश्व में भाजपा को सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनाकर इतिहास रचा। हर जिलों में भाजपा कार्यालय सहित 12 ऐसे कार्य सौंपे जिसे भाजपा के हर जिलों में होना ही था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहां चन्द्रमा पर तिरंगा वैज्ञानिकों से फहरवाया, वहीं भाजपा को यानि एनडीए को शीघ्र ही राजनीति में एवरेस्ट की चोटी पर लाकर खड़ा कर दिया। पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक आज भाजपा और एनडीए का झंडा फहरा रहा है। भारत को परिवारवाद, वंशवाद की राजनीति से मुक्त, भ्रष्टाचार से मुक्ति और गरीब, महिला, किसान, युवा के लिए अपनी सरकार समर्पित कर दी। आज जहां विश्वभर में मोदी जी का लोहा माना जा रहा है, वहीं पड़ोसी देश चीन और पाकिस्तान को दिखा दिया की अगर आंख दिखाओगे तो हम अब आंख नहीं दिखाएंगे, बल्कि आंख निकालेंगे। भारत के गांव गरीबों की ही नहीं बल्कि विकास के इतने आयाम तय किए कि सन 2019 में भाजपा को 303 सीटें अकेले मिली। और एनडीए को कुल 352 सीटें मिली। 26 मई 2014 से लेकर अब तक एक दिन भी आराम न करने और छुट्टी नहीं मनाने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तो अपनी 100 वर्षीय माता जी के निधन के दिन भी अंत्येष्ठि के 3 घंटे बाद भारत माता के राष्टीय कर में जुट गए। वे तब से लेकर अभी तक न थमें, ना थके और ना रुके। इतना ही नही उन्होंने 10 वर्षों में दीपावली उन सैनिक के बीच जो सरहद पर भारत माता की रक्षा के लिए घर-द्वार छोड़कर काम करते हैं उनके बीच जाकर मनाई और सैनिकों को विश्वास दिलाया कि वे सैनिकों के साहस को सदैव सेल्यूट करते हैं। सन 2024 का यह पहला लोकसभा चुनाव है जहां देश की करोड़ों जनता ही नहीं, दबे शब्दों में सभी विपक्ष कह रहे हैं कि तीसरी बार भाजपा सरकार बनेगी और मोदी जी फिर से तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। यह आठवां आश्चर्य है कि लोकसभा चुनाव होने की दिशा में बढ़ रहा है और परिणाम 4 जून 2024 को आएगा, पर देश ने चुनाव से पहले ही अपना जनस्वरों में परिणाम दे दिया है कि अपनी 45वी वर्षगांठ पर भाजपा पुन: तीसरी बार आएगी, कमल खिलेगा और मोदी जी आएंगे और उनकी गारंटी पर देश मुहर लगाने को तत्पर है।

मोदी जी ने जन संघ के जमाने में घोषणा पत्र में जो बातें आज तक कहीं जा रही थी, उसे साकार करने की दिशा में एक पल भी नहीं गंवाया। आज विश्व उनका लोहा मान रहा है। वे पिछले 10 वर्षों में भारत के युग पुरुष ही नहीं बल्कि विश्व के युग पुरुष बनने की दिशा में बहुत आगे निकल गए। 2024 में तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद आगामी 5 वर्ष और 2047 तक भारत को विश्व में सर्वश्रेष्ठ स्थान पर ले जाने का आत्मविश्वास दिखाया है। यह बात देशवासियों के मन और मस्तिष्क में इस कदर बैठ गया है कि देश स्वयं कह रहा है कि 'अबकी बार फिर मोदी सरकार'।

- प्रभात झा,पूर्व सांसद एवं पूर्व भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

इन्दौर बाजार भाव –

इन्दौर। ऊपरी स्तरों पर माँग ठंडी रहने से शुक्रवार को खाद्य तेलों में बाजार मामूली लटक पर रहे। तिलहनों में बाजार बने रहे। दलहनों में चना व मसूर में लटक आयी। किराना जिंसों में शक्कर में मजबूती आयी। खोपरा गोला सुधार पर रहा।

व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में ऊपरी स्तरों पर माँग ठंडी रहने से भावों में मामूली लटक आयी। वहीं, तिलहनों में बाजार बने रहे। दलहनों में चना व मसूर में बाजार मामूली लटक पर रहे। उधर, किराना जिंसों में शक्कर व खोपरा गोले में पूछपरख से मजबूती आयी। भाव इस प्रकार रहे –

किराना - शक्कर 3780-3850, खोपरा गोला 115-130, खोपरा बूरा 2450-4450 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 460-480, ऊंझा हल्का 475-500, बेस्ट 580-600, हल्दी निजामाबाद 220-225, सांगली 290-300, साबूदाना हल्का 7300-7500, मीडियम 7500-7700, बेस्ट 7900-8000, सच्चा मोती 7350, सौंफ मोटी 95-125, मीडियम 175-225, बेस्ट 225-250, सौंफ बार?क 350-400, बेस्ट 450, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 675-690, गरबल 635-655, मटर दाना 700-715, खसखस अनक्लीन 600-1000, क्लीन 1200-1250, दालचीनी 240-245, बेस्ट 250-260, जायफल 580-700, वाद्यान फूल 675-750, शाहजीरा 300-325, तेजपान 85-90, पत्थर फूल 325-375, बेस्ट 450-525, जावत्री 1900-1950, केसर 145-190, सौंठ 190-225, धोली मूसली 975-1100, लौंग 850-900, बेस्ट 950-1000, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 810-850, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 1850-1900, मीडियम 2050-2100, बोल्ड 2250-2300, एक्स्ट्रा बोल्ड 2400-2650, पानबार 2150, बड़ी इलायची 1050-1150, बेस्ट 1200-1450, तरबूज मगज 860-900, काजू (240) 750-825, काजू (320) 700-720, काजू डब्ल्यू वन 650-675, एस. डब्ल्यू 625-650, एस.एस. डब्ल्यू 600-630, टुकड़ी 590-610, बादाम मगज 600-650, सिंगापुरी 600-620, टांच 500-575, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 375-475, बेस्ट 500-550, इंडियन 190-200, बेस्ट 240-260, चारौली 1200, बेस्ट 1250, मुनक्का 475-725, बेस्ट 775-850, अंजीर 675-1250, मखाना 650-950, खारक 90-110, मीडियम 115-150, बेस्ट 160-175, एक्स्ट्रा बेस्ट 180-200, पिस्ता मोटा 1675-1725, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1560-1570, मैदा कट्टा 1590-1600, रवा कट्टा 1670-1680, बेसन 3950 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 1800-1850, (160) 1800-1850, (200) 1800-1850, (250) 1800-1850

तेल - सींगदाना 1510-1530, मुम्बई 1530, राजकोट तेलिया 2400, सोया साल्वेंट 935-940, सोया रिफाइंड 975-980, कपास्या 940, धूलिया 945, कड़ी 945,

रात की धारणा - गुजरात लुज 1500, मुम्बई पाम 975, मुम्बई सोया 945,

खली - कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 1875, देवास-उज्जैन 1875, खंडवा-बुरहानपुर 1850, अकोला 2825 (प्रति क्वं?टल)

तिलहन - सरसो 5800, रायडा 4600-4800, सोयाबीन 4600-4650, टोली (महुआ बीज) 4100-4150, अलसी 7500-7600,

दलहन - चना कांटेवाला बेस्ट 5800-5950, एवरेज 5650-5700, काबूली चना बिटकी 6300-6600, काबली चना काटकू 6700-7200, काबूली चना मीडियम 7400-8300, काबूली चना डॉलर 9600-10600, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5950-6000, मूंग देशी 9000-9100, पाला 9100-9200, चमकी 9200-9300, नायलोन 9300-9400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 9600-9700, एवरेज 9400-9500, हल्की 8800-8900, तुअर महाराष्ट्र 10300-10400, उड़द बेस्ट 9400-9500, एवरेज 9200-9300, हल्की 9000-9100, शंकर 9200-9400,

दाल - चना दाल एवरेज 7650-7750, मीडियम 7850-7950, बेस्ट 8050-8150, तुअर दाल सवा नं. 13100-13200, तुअर दाल फूल 13900-14000, तुअर दाल बोल्ड 14900-15000, मसूर दाल एवरेज 7150-7250, बेस्ट 7350-7450, मूंग दाल 10500-10600, बोल्ड 10700-10800, मूंग मोगर 11200-11300, बोल्ड 11400-11500, उड़द दाल 10900-11000, बोल्ड 11100-11200, मोगर 11300-11400, बोल्ड 11500-11600,

अनाज - गेहूं मिल क्वालिटी 2150-2200, (147) 2250-2300, बेस्ट 2300-2350, लोकवन 2500-2550, बेस्ट 2550-2600, चन्द्रोसी 3100-3800, ज्वार देशी 2500-2650, मक्का पीली 2150-2200, गज्जर 2100-2150,

चावल - चावल हंसा सफेद 2500-2700, सेला 2900-3100, परमल 2800-3000, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7500, काली मुंछ 8000-8500, बासमती दुबार 8500-9000, मीनी दुबार 7500-8000, मोगरा 4200-6500, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 11500-12500, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4300-4800,

मावा - इन्दौर 300, उज्जैन 260, रतलाम 260 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार –

इन्दौर। शुक्रवार को भी स्थानीय सराफा बाजार में दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। चाँदी आरटीजीएस से 81300 रू. प्रति किलो पर आ गयी। सोना 71700 रू. प्रति 10 ग्राम बोला गया। भाव इस प्रकार रहे –

चाँदी (9999) 81300, चाँदी (99) 81200, टंच 80600, सिक्का 850, सोना 10 ग्राम 71700,

सऊदी अरब कर सकता है पाकिस्तान में 1 अरब डॉलर का निवेश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की लगातार खराब होती आर्थिक स्थिति को सऊदी अरब से बड़ी मदद मिलने जा रही है। सऊदी अरब के पाकिस्तान में 1 अरब डॉलर के निवेश करने की संभावना है। बलूचिस्तान प्रांत के चाघी जिले स्थित रेको डिक कॉपर-गोल्ड प्रोजेक्ट में सऊदी से निवेश कर सकता है। पाकिस्तान के एक अखबार ने वित्त मंत्रालय के हवाले से कहा है कि सऊदी अरब अगले महीने इस परियोजना में निवेश करेगा। ऑयल एंड गैस डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (ओजीडीसीएल) और पाकिस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड (पीपीएल) के शेयर सऊदी को बेचे जाएंगे।

आज का राशिफल

मेष- शनिवार का दिन ठीक-ठाक रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो मार्केटिंग के कार्य को लेकर आप कुछ नया प्लान कर सकते हैं और प्लानिंग के साथ कार्य करने से आपका कार्य सही समय पर पूरा हो सकता है। आपके स्वास्थ्य की बात करें तो आप अपने स्वास्थ्य को अच्छा बनाने के लिए पौष्टिक आहार ले तभी आपके रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ सकती है।

वृषभ- नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो वह अपने कार्य क्षेत्र में थोड़ा सा सावधान रहे, अपने बड़े अधिकारियों से उनका मुंड देखकर ही उनसे बात करें अन्यथा, वह आपसे सामान्य बातों पर भी बहुत अधिक क्रोधित हो सकते हैं। आपकी सेहत की बात करें तो सेहत की दृष्टि से दांतों की समस्या आपको परेशान कर सकते हैं। आप अपने दांतों की सफाई अच्छे से करें नही तो कैविटी की समस्या हो सकती है और आपको डॉक्टर के पास भी जाना पड़ सकता है।

मिथुन- शनिवार का दिन ठीक-ठाक रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो शिक्षा विभाग मे कार्य करने वाले जातकों को शनिवार काम करने में बहुत अधिक आनंद महसूस होगा, जिससे आप अपने कार्य को और अधिक मन लगाकर करेंगे तथा बच्चों के साथ बहुत अधिक मौज मस्ती भी कर सकते हैं।

कर्क- नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आप अपने दफ्तर में घमंड में आकर कोई भी कार्य ना करे, बल्कि उसे पूरा करने की कोशिश करें, इस तरह केवल आपको ही नहीं संस्थान को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, जिससे आपके अधिकारी आपसे नाराज हो सकते हैं।

सिंह-शनिवार का दिन थोड़ा सा परेशानी वाला हो सकता है. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आपको अपने दफ्तर के कार्यों के लिए चुनौतियां का सामना करना पड़ सकता है। दूसरों की जिम्मेदारी को भी आपको अपने कंधे पर उठाना पड़ सकता है, परंतु आप किसी कार्य को करने से पीछे ना हटे। आपकी सेहत की बात करें तो यदि आपको हाई ब्लड प्रेशर की समस्या है तो अपना बहुत खास ख्याल रखना होगा।

कन्या- नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आपको अपने कार्य क्षेत्र में प्रमोशन का रास्ता मिल सकता है, इसीलिए आप को अपने प्रमोशन से संबंधित जानकारी कल ही प्राप्त हो सकती है, जिससे आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा. आप बहुत अधिक प्रसन्न रहेंगे। आपकी सेहत की बात करें तो हेल्थ में आप स्किन से संबंधित किसी बीमारी से परेशान हो सकते हैं, इसलिए आप कोई भी नया ब्यूटी प्रोडक्ट इस्तेमाल करने से पहले थोड़ा सा अलर्ट रहे।

तुला- शनिवार का दिन ठीक-ठाक रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो फाइनेंस डिपार्टमेंट में नौकरी करने वाले लोगों को कल अपने टारगेट को पूरा करने के लिए बहुत अधिक मेहनत करनी होगी, तभी उन्हें कामयाबी मिल सकती है। आपकी सेहत की बात करें तो कल आपको हेल्थ में एसिडिटी की समस्या बहुत अधिक परेशान कर सकती है, इसीलिए आप अपने खान-पान में थोड़ा सा संतुलन बरते और अधिक तेल वाली चीजों का परहेज करें।

वृश्चिक- नौकरी करने वाले जातको की बात करें तो कल आप अपने दफ्तर के कार्यों को पूरा करने में पूरी लगन और मेहनत दिखाएंगे, तभी आपके बॉस भी आपके गुड वर्क से बहुत अधिक खुश रहेंगे और आपके कार्य की प्रशंसा भी करेंगे। आपकी सेहत की बात करें तो यदि आपकी तबीयत खराब रहती है और आप अपनी सेहत के लिए कोई डाइट चैट को फॉलो करते हैं तो उसका नियम से पालन करें, आपका शरीर तभी स्वस्थ हो सकता है।

धनु-शनिवार का दिन ठीक-ठाक रहेगा. नौकरी करने वाले जातको की बात करें तो कल आपको अपने कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां को लेकर सावधान रहना होगा, क्योंकि आपके बॉस ने आपके नए कार्यों की सूची तैयार की है, जिसे आपको हर हालत में पूरा करना होगा। सेहत की बात करें तो गर्भवती स्त्रियों को अपने खान-पान का विशेष ख्याल रखना होगा, मुझे अपने खान-पान को लेकर बहुत अधिक सतर्क रहना होगा.

मकर- नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आपको अपने कार्य क्षेत्र में अधूरे कार्यों को छोड़ने के लिए आपको वरिष्ठ अधिकारियों की डाट खानी पर सकती हैं, जिसके कारण आपका मन बहुत परेशान हो सकता है। कल आपकी सेहत की बात करें तो जो जातक सिगरेट शराब इत्यादि का सेवन करने की आदि है तो वह अपनी इस लत को जल्दी से जरूर त्याग दे नहीं तो भविष्य में आपको स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों का सामना बहुत अधिक करना पड़ सकता है।

कुंभ- शनिवार का दिन ठीक-ठाक रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आप अपने दफ्तर में किसी भी परिणाम की चिंता किए बिना कठोर परिश्रम करते रहे। आपको कामयाबी अवश्य मिलेगी. आपके सभी बिगड़े कार्य जल्दी ही पूरे हो सकते हैं। आपकी सेहत की बात करें तो मौसम के बदलाव के कारण आप मौसमी बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं. जिसमें घरेलू उपचार से भी आपको लाभ मिल सकता है।

मीन- नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो उनके लिए दिन ठीक-ठाक रहेगा. किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं रहेगी. दफ्तर में आपका मन कार्य करने में अच्छा लगा रहेगा. आप अपने काम को लगन के साथ करते हुए नजर आएंगे।

शब्दजाल- 7500

शब्द जाल में 10 विभिन्न देशों के नाम ढूंढिए. दिए गए देशों के नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

भा	क	ल	व	ग	ब	ना	क	प	ल	क
र	वि	ल	न	व	जी	ग	द	इ	ट	ली
त	स	र्म	ल	र्म	छ	पु	रा	रा	ख	क
क	ज	ज	य	पु	र	न	प	न	ल्ली	क
क	क	दो	ग	श्री	लं	का	तू	ग	झ	क
जी	क	ल	प	ह	झ	पू	ना	ण	घ	को
ती	आ	स्ट्रे	लि	या	प	ल	श	र	ला	ल
क	ता	दा	ई	धा	ब	क	फ	लो	श	पा
ने	बा	चे	न्न	ब्रा	जी	ल	री	ग	प	कि
द	पा	ल	प	व	जी	र्त	ऐ	बें	प	स्ता
क	क	ल	प	ची	न	रा	बा	द	प	न

इटली, भारत, चीन, ब्राजील, जर्मन, नेपाल, पाकिस्तान, आस्ट्रेलिया, श्रीलंका, इरान.

शब्दजाल - 7499 का हल

यु	क	दो	यु	ला	प	र	तू	ग	झ	क
ज	ग	ल	प	ह	रिं	पू	ना	दि	शा	को
अं	इ	पु	म	सं	दा	ल	श	र	ला	ल
क	कु	दा	रु	धा	ब	क	प	रि	श	र
क	ति	श	न्न	ष	क	र	री	ग	वी	ता
द	रं	ल	प	व	गा	र्त	ऐ	ती	प	रु
ती	गा	ल	श	अं	प	म	त्रं	कौ	ला	व
क	बा	अ	ब	त	क	छ	प्प	न	श	जू
क	स	थो	तें	व	न	ज	द	शा	जू	द
द	र	ल	प	ति	रं	र्त	ऐ	बें	प	रु
थो	ड़	सा	रु	मा	नी	हो	जा	एं	प	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6444

ऊपर से नीचे:-

१. चंकी पांडे, जयाप्रदा, किमी की 'चीची वाला छल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२. 'चांदा मामा दूर के' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
३. अशोककुमार, मीनाकुमारी की 'मन रे तू काहे ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'आपकी याद आती' गीत वाली फारूख शेख, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
६. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
१०. 'जुबां पे दर्द भरी' गीत वाली राजकुमार, माला सिन्हा की फिल्म-३
१२. 'बड़े मियां दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. संदीव कुमार और देवेन वर्मा दोनों की दुहरी भूमिकाओं वाली फिल्म-३
१६. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि, पूनम की फिल्म-३
१८. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की 'बहुत प्यार करते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'तेरे नाम' का नायक?-४
२२. सायराबानो की पहली फिल्म जिसके नायक शम्मीकपूर थे-३
२४. 'चूड़ेवाली छमिया' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
२८. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'कोयल सी तेरी बोली' गीतवाली फिल्म-२
३०. फिल्म 'ताजमहल' की नायिका?-२
३२. रितिक, करीना की 'ऐरी रे ऐरी क्या है ये पहेली' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. शशिकपूर, रेखा, नीना गुप्ता की 'सांझ ढले गगन तले' गीतवाली फिल्म-३
३. 'तेरी आंखों के सिवा' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-३
५. संजय दत्त, मनीषा, रवीना की 'अंख लड़ती है तो' गीत वाली फिल्म-२
७. सलीम दुर्रानी व परवीन बाबी की बी. आर. इशारा निर्देशित फिल्म-३
८. आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
९. रवीना को किस फिल्म में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्री पुरस्कार मिला था-३
११. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
१२. धर्मेन्द्र, सायराबानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
१३. फिल्म 'मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-२
१४. इच्छाधारी सांपों पर आधारित एक बहुसितारा फिल्म-३
१५. अक्षय, लारा, प्रियंका की 'किसी से तुम प्यार करो' गीत वाली फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
१९. चंद्रचूड़, अरशद वारसी, तब्बू की 'पानी पानी रे' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आओ तुम्हें चांद पे' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा, रीना की फिल्म-२
२३. फिल्म 'विनाशक' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. 'ओरी छोरी' गीत वाली फिल्म-३
२६. संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. फिल्म 'ड्रीमगर्ल' की नायिका थी-२
२९. चंद्रचूड़, अरशद, मयूरी की फिल्म-३
३१. धर्मेन्द्र, हेमा की 'चोरों को सारे नजर आते हैं' गीत वाली फिल्म-२,३
३४. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक?-२
३५. अजय, आफताब, विवेक, रितेश, लारा दत्ता, अमुताराव, तारा शर्मा, जेनीलिया की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6443

ब्लै	क	मे	ल	■	सौ	दा	ग	र	■
■	जं	■	की	म	त	■	द	■	माँ
आं	■	सू	र	■	न	फ	र	त	■
दो	रा	हा	■	खे	■	की	■	नु	■
ल	■	ग	ज	ल	■	रा	जा	जा	नी
न	■	■	मी	■	सं	■	ल	■	य
■	गँ	वा	र	■	जो	र	■	अं	त
को	■	रि	■	आ	ग	■	जो	श	■
ह	व	स	■	द	■	खु	शी	■	लै
रा	■	■	ज	मी	न	■	ला	ड	ला

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7968

बाएँ से दाएँ

1. नमाज से पहले पढ़ी जानेवाली आयत -3
3. तहजीब, शिष्टता-3
5. पिता के पिता-2
6. स्मृति-2
8. बारिश, बरखा-4
11. शांति, सन्नाटा-3
13. गिरवी रखी वस्तु-3
14. सूक्ष्म कण -2
15. बारबाला, मधुबाला
16. समझौता-3
18. बहने का भाव-3
20. बारिश का महीना-3
22. मां, मम्मी, मदर-2
24. श्रवणेंद्रिय-2
25. अंधकार, अंधेरा-3
26. अनुकृति-3

ऊपर से नीचे

1. नाज, नखरा, चौंचला-2
2. भाग्य, किस्मत-3
3. अचानक, अकस्मात -3
4. देह, बदन-2
5. बिजली, विद्युत रश्मि-3
7. दबाना, कुचलना-3
9. घोड़ागाड़ी-3
10. जुगत, युक्ति-4
12. कारण-3
16. कृष्ण का गरीब मित्र-3
17. पैंतरा, शर्त-2
19. भार-3
20. बहादुरी-3
21. नेत्र, आंख-3
23. पितामह-2
24. समयगति-2

शब्द पहेली -7967 का हल

■	कु	ली	न	■	■	ह	■	श
शा	■	प	■	क	म	ल	■	र
दी	न	ई	मा	न	■	क	स	म
■	■	य	■	क	ल	■	हा	■
क	ल	र	व	■	त	क	रा	र
■	की	■	ध	न	■	मा	■	■
भ	र	म	■	क	हा	नी	का	र
ला	■	का	ज	ल	■	दा	■	ण
ई	■	न	■	■	का	र	ण	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

06 अप्रैल 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

(कुंडली: १ गुरु बुध; शुक्र सूर्य राहु १२; मंगल शनि चंद्र ११; १०; २; ३; ९; ६ केतु; ४; ५; ७; ८)

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.14 बजे से
चंद्र	कुंभ में	वृष	07.54 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	09.52 बजे से
बुध	मेष में	कर्क	12.06 बजे से
गुरु	मेष में	सिंह	14.22 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.34 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	18.45 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	20.59 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.15 बजे से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		मकर	01.20 बजे से
		कुंभ	03.07 बजे से
		मीन	04.40 बजे से

शनिवार 2024 वर्ष का 97 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2080 **शक संवत्** 1946 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वादशी 10.20 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** शतभिषा 15.40 बजे को समाप्त। **योग** शुभ 06.15 बजे तदनन्तर शुक्ल(शुक्र) 02.20 बजे रात्र को समाप्त। **करण** तैतिल 10.20 बजे तदनन्तर गर 20.39 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 06° 33' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871941 **जूलियन दिन** 2460406.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1445 **महीना** रमजान **तारीख** 26 **विशेष** प्रदोष व्रत, शनि त्रयोदशी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23 बजे तक		लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक	
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक		उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक	
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक		शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक	
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक		अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक	
चर	11.46 से	01.14 बजे तक		चर	11.47 से	01.19 बजे तक	
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक		रोग	01.19 से	02.51 बजे तक	
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक		काल	02.51 से	04.23 बजे तक	
काल	04.10 से	05.37 बजे तक		लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: जनकल्याण की राह

एक बार अयोध्या के राजा रघु के दरबार में इस प्रश्न पर बहस चल रही थी कि राजकोष का उपयोग किन प्रयोजनों के लिए किया जाए? एक पक्ष का मत था कि सैन्य शक्ति बढ़ाई जाए ताकि न केवल अपनी सुरक्षा हो बल्कि राज्य के विस्तार की योजना भी आगे बढ़े। इस अभियान पर जो खर्च होगा उसकी भरपाई पराजित देशों से मिलने वाले संसाधनों से की जा सकेगी। दूसरे पक्ष का कहना था कि राजकोष प्रजा जन के हित में खर्च किया जाए ताकि उनका जीवन स्तर बढ़ सके। अगर सुखी, संतुष्ट, साहसी और सहृदय नागरिक हों तो देश समृद्ध होता है। इस प्रकार युद्ध करके नए क्षेत्र जीतने की अपेक्षा मैत्री का विस्तार कहीं अधिक लाभदायक है। उससे स्वेच्छया सहयोग और अपनत्व की ऐसी उपलब्धियां प्राप्त होती हैं, जिनके कारण छोटा देश भी चक्रवर्ती स्तर का बन सकता है। दोनों पक्षों के तर्क चलते रहे। सबके मन में उत्सुकता थी कि आखिर राजा रघु क्या निर्णय देते हैं। जब सबने अपनी बात समाप्त की तब उन्होंने कहा, 'युद्ध पीढ़ियों से लड़े जाते रहे हैं। उनके कड़वे-मीठे परिणाम भी स्मृति पटल पर अंकित हैं। लेकिन इस बार युद्ध छोड़ दिया जाए और लोकमंगल को अपनाया जाए। देखते हैं क्या होता है। समस्त संपत्ति जनकल्याण की योजनाओं पर खर्च कर दी जाए।' कुछ सभासद दबे-छुपे इस निर्णय की आलोचना करने लगे। उन्हें अनिष्ट की आशंका सताने लगी। उधर रघु के निर्णय के मुताबिक विकास योजनाएं तेज कर दी गईं। धीरे-धीरे प्रजाजन हर दृष्टि से समुन्नत हो गए। आक्रमण की चर्चाएं समाप्त हो गई। सुख-शांति के समाचार पाकर अन्य देशों के समर्थ लोग वहां आकर बसने लगे। बंजर भूमि सोना उगलने लगी और अयोध्या में खुशहाली फैल गई।

सूडोकु नवताल- 6753

★★★★☆ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6752 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शेयर बाजार को मिली ताकत...वैश्विक संकेतों के बावजूद बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स नए शिखर पर पहुंचने में सफल रहा

मुंबई। नीतिगत ब्याज दर को स्थिर रखने के भारतीय रिजर्व बैंक के फैसले से घरेलू शेयर बाजार का सूचकांक सेंसेक्स नकारात्मक वैश्विक संकेतों के बावजूद शुक्रवार को कारोबारी सप्ताह के अंतिम दिन मामूली बढ़त के साथ नए शिखर पर पहुंचने में सफल रहा जबकि निफ्टी में मामूली गिरावट रही।

शुक्रवार को बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 20.59 अंक बढ़कर 74,248.22 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 74,361.11 का नया उच्चस्तर भी छुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी 0.95 अंक की मामूली गिरावट के साथ 22,513.70 अंक पर बंद हुआ। बिकवाली के असर में निफ्टी के 50 में से 28 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

दरअसल भारतीय बाजार नीतिगत रीपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रखने के रिजर्व बैंक के फैसले से एक सीमित दायरे में रहे। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने लगातार सातवीं बार रीपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा। लेकिन अप्रैल-जून के दौरान सामान्य से अधिक गर्मी पड़ने के अनुमान को देखकर खाद्य मुद्रास्फीति चिंता का विषय बनी हुई है। बाजार जानकार ने कहा, हालांकि आरबीआई की नीतिगत बैठक उम्मीद के मुताबिक ही रही लेकिन खाद्य मुद्रास्फीति पर चिंता और लू की चेतावनी ने कारोबारी धारणा को प्रभावित किया।''

इसके असर में सेंसेक्स के 30 में से 18 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इनमें अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, एशियन पेंट्स, मारुति, टाइटन और जेएसडब्ल्यू स्टील प्रमुख रूप से शामिल हैं।

इसके उलट कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, आईटीसी और एसबीआई के शेयर 2.09 प्रतिशत तक की बढ़त के साथ बंद हुए। बीएसई लार्जकैप सूचकांक में 0.15 प्रतिशत की तेजी रही जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप में 0.50 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.11 प्रतिशत बढ़कर 90.75 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की, हांगकांग का हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजार नकारात्मक रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार गुरुवार को काफी हद तक गिरावट के साथ बंद हुए थे।

नायर ने कहा, ''कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और पश्चिम एशिया में तनाव से वैश्विक धारणा कमजोर हुई है। ब्याज दर को लेकर फेडरल रिजर्व के भावी रुख पर स्पष्टता की तलाश में निवेशक आगामी अमेरिकी गैर-कृषि रोजगार आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं।''

शेयर बाजार आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (स्नद्गढ्ढ) ने गुरुवार को 1,136.47 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध बिक्री की थी। पिछले कारोबारी सत्र में सेंसेक्स 350.81 अंक बढ़कर 74,227.63 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ था। इसी तरह निफ्टी ने भी 80 अंक की बढ़त के साथ 22,514.65 अंक का नया शिखर छुआ था।

आरबीआई ने 2024-25 में 4.5 प्रतिशत पर मुद्रास्फीति रहने का अनुमान जताया

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति के अनुमान 4.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा। यह पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के 5.4 प्रतिशत के अनुमान से कम है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा पेश करते हुए कहा कि इस वर्ष मानसून की स्थिति को सामान्य मानते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। पहली तिमाही में मुद्रास्फीति के 4.9 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 3.8 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 4.6 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.5 प्रतिशत रहने की संभावना है। दास ने अप्रैल-जून के बीच ऊंचे तापमान के अनुमान को देखते हुए खाद्य पदार्थों की कीमतों के मोर्चे पर सतर्क रहने की जरूरत बताई है। उन्होंने यह भी कहा कि ईंधन की कीमतों में कमी का असर आने वाले महीनों में मुद्रास्फीति पर दिखाई देगा। हालांकि दास ने कहा कि ऐसा लगता है कि हाथी (महंगाई) टहलने गया है और आरबीआई चाहता है कि वह जंगल में ही रहे। केंद्र सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधरित मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत के स्तर पर रखने का लक्ष्य दिया है।

आरबीआई सरकारी प्रतिभूति बाजार में लाएगा मोबाइल ऐप

नई दिल्ली। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने कहा ?कि वह सरकारी प्रतिभूति बाजार में खुदरा निवेशकों की भागीदारी को सरल बनाने के लिए जल्द ही एक मोबाइल ऐप पेश करेगा। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष की पहली मौद्रिक नीति समीक्षा पेश करते हुए यह प्रस्ताव किया। नवंबर, 2021 में पेश की गई आरबीआई की रिटेल डायरेक्ट स्कीम व्यक्तिगत निवेशकों को केंद्रीय के साथ गिल्ट खाते बनाए रखने और सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करने की सुविधा प्रदान करती है। यह योजना निवेशकों को प्राथमिक नीलामी में प्रतिभूतियों को खरीदने के साथ-साथ एनडीएस-ओएम मंच के जरिये प्रतिभूतियों को खरीदने या बेचने में सक्षम बनाती है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि इस पहुंच को और सरल तथा बेहतर बनाने के लिए रिटेल डायरेक्ट पोर्टल की एक मोबाइल ऐप बनाई जा रही है।

साढे तीन माह बाद भी आदिवासी किसान के खाते में नहीं आई धान समर्थन मूल्य की राशि

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र के ग्राम दहेगांव निवासी एक आदिवासी अन्नदाता किसान अपने धान का समर्थन मूल्य पाने के लिये विगत साढे तीन माह से परेशान हो रहा है। बतादे कि दहेगांव निवासी आदिवासी किसान घनश्याम पिता बाबुलाल सिरामे जाति माना आदिवासी किसान है जिसने अपने कृषि भूमि का खरीफ धान की फसल सहकारी समिति मर्यादित दहेगांव पंक्रमांक 11 उपार्जन केन्द्र पालडोंगरी कैप में दिनांक 26 दिसंबर 2023 को 433 कट्टा कुल 173.20 क्विंटल धान जिसका मूल्य 3 लाख 78 हजार 095 रूपये है। यह राशि किसान के बैंक खाते मे आज दिनांक तक नही आई है। जबकि वर्तमान मे ऐसे कोई किसान नही होगा जिसकी समर्थन मूल्य की राशि किसान के खाते मे नही आई हो लेकिन एक आदिवासी किसान अपने समर्थन मूल्य की राशि के लिये खासा परेशान हो रहा है।

इस संबध में किसान घनश्याम सिरामे ने यह भी जानकारी दी की प्रभारी सेवा सहकारी समिति मर्यादित दहेगांव के लिपीक छोटेलाल मचिया, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक शाखा साडरा के प्रबंधक मोरेश्वर फुण्डे एवं डीएमओ विपणन कार्यालय बालाघाट को आवेदन एवं स्वयं जाकर 7 से 8 बार आवेदन देकर अवगत कराया गया है। इनके द्वारा सांत्वना स्वरूप कहा गया कि 1 से 2 दिनों में आपके खाते में राशि आ जायेगी कहकर टाल मटोल करते है।

सीएम हेल्प लाईन में भी नही हो रहा निराकरण

आदिवासी किसान घनश्याम सिरामे ने उक्त समस्या को लेकर सीएम हेल्प लाईन में शिकायत दर्ज कराई की मेरे विक्री किये गये धान का समर्थन मूल्य 3 माह बीत जाने के बाद भी मेरे खाते में समर्थन मूल्य की राशि 3 लाख 78 हजार रूपये नही आये है। 7 दिनों में निराकरण होने के लिये कहा गया था लेकिन सीएम हेल्प लाईन में भी शिकायत का निराकरण नही हो पाया है।

किसान घनश्याम सिरामे ने हमे जानकारी में बताया कि मेरे द्वारा साडरा बैंक से लेकर डीएमओ कार्यालय से लेकर, जनप्रतिनिधि, एवं एसएडीएम तक को आवेदन किया जा चुका है लेकिन किसी भी प्रकार का कोई निराकरण इनके द्वारा नही किया गया है। 5 अप्रैल किसान के द्वारा एसडीएम को आवदेन प्रस्तुत किया गया जहां एसडीएम महोदय के द्वारा तुरंत ही डीएमओ से चर्चा की गई तो उनको 7 दिनों के भीतर भुगतान किये जाने का आश्वासन दिया है जबकि किसान ने कहा कि पिछले 3 माह से मुझे यह आश्वसन मिल रहा है सिर्फ तारीख पर तारीख दी जा रही है भुगतान नही किया जा रहा।

आगामी 25 अप्रैल को किसान की बेटी की शादी, बीना रूपये पेसे के कैसे होगी शादी

लांजी क्षेत्र का किसान सिर्फ और सिर्फ अपनी फसलों पर ही आधारित है। बेटी की शादी से लेकर बच्चो की पढाई लिखाई, घर का खर्च सब कुछ फसलों पर ही निर्धारित है अच्छी फसल हुई तो सब कुछ अच्छा और फसल नष्ट हुई तो सब कुछ खराब। ऐसे ही एक समस्या किसान घनश्याम सिरामे के सामने आ गई है। एक तरफ किसान को उसके समर्थन मूल्य का पैसा नही मिला है दुसरी ओर 20 दिन बाद आगामी 25 अप्रैल को बेटी की शादी है अब किसान ऐसे मे क्या करे इतनी बडी समस्या सामने है और किसान के खुद की फसल के पैसे उसे नही मिल पा रहे है। और किसान की बेटी की शादी है ऐसे मे अब किसान क्या करे, सिर्फ कार्यालय के चक्कर ही काटते रहे।

अब किसान आमरण अनशन पर बैठने की तैयारी में

किसान घनश्याम सिरामे अब बैंक और कार्यालयों के चक्कर काट कर परेशान हो चुका है और अब वह आमरण अनशन की तैयारी में है। 5 अप्रैल को किसान ने एसडीएम लांजी को आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें उन्होने बताया कि यदि मेरे खाते में मेरे धान का समर्थन मूल्य 3 लाख 78 हजार रूपये नही आते तो आगामी 10 अप्रैल को सेवा सहकारी समिति दहेगांव के सामने भुख हड़ताल पर बैठ रहा हूॅ। और इस दौरान मुझे कुछ होता है तो इसका जवाबदार शासन प्रशासन जवाबदार होगा।

साकेत पब्लिक स्कूल ने घोषित किया वार्षिक परीक्षाफल

लांजी (पद्मेश न्यूज)। शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी विद्यालय साकेत पब्लिक हायर सेकेण्डरी स्कूल का वार्षिक परीक्षाफल 5 अप्रैल को प्रात: 10:30 बजे विद्यालय के संचालक एवं समाजसेवी संतोष मोरघड़े के मुख्यातिथ्य में एवं प्राचार्य महेन्द्र कुमार दुरूगकर, प्रधान पाठक श्रीमति नेत्रेश्वरी सोनवाने की अध्यक्षता में एवं पालकों की उपस्थिति में मॉ सरस्वती का पुजन कर प्री-प्रायमरी से ग्यारहवी अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम का स्थानिय वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसमें कक्षा एल.के.जी (अ) में गुजन महेश्वर लॉजेवार 98 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय मेधान्सी अंचल कालबेले 97 प्रतिशत, तृतीय वेदिका अभय आसटकर 93 प्रतिशत। कक्षा एल.के.जी (ब) में मूल्या होमेश्वर पाडे 98 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय गितांश राजेन्द्र मुरकूटे 96 प्रतिशत, तृतीय रौनक चिमनलाल कुचलाहे 95 प्रतिशत।कक्षा यू.के.जी (अ) में तनवी रामेश्वर चौरवाड़े 98 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय साक्षी अंचल कालबेले 97.5 प्रतिशत, तृतीय गरिमा आशिष बसोने 96.5 प्रतिशत। कक्षा यू.के.जी (ब) में ओजश अजय सोनवाने एवं वैश्विक नंदकिशोर डाहरे 98.5 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय सौरव ताराचंद रणदिवे 97.5 प्रतिशत, तृतीय तेजश मुकेश उपराड़े 96.5 प्रतिशत। कक्षा पहली (अ) में हव्या योगेन्द्र मस्करे 99.2 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय अनामिका नरेन्द्र ध्रुवे 98 प्रतिशत, तृतीय उन्नती ऋशि कंकरायने 97.2 प्रतिशत। कक्षा पहली (ब) में अर्थव लिखेन्द्र उपराड़े 98.8 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय पिहु ओमप्रकाश सोनवाने 98.6 प्रतिशत, तृतीय मानसी अवगेश सोमनकर 98 प्रतिशत। कक्षा दुसरी (अ) में कबिर विरेन्द्र नारनौरे 99.6 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय सारग संजय सिकन्दरपूरी 98.6 प्रतिशत, तृतीय यश्सवी प्रवीण सोनवाने 98.2 प्रतिशत। कक्षा दुसरी (ब) में ओमकार दिनेश पंद्रे एवं पार्थ प्रवीण कौशल 98.8 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय उत्सव हेमेन्द्र पिपरे 98 प्रतिशत, तृतीय वेद कुमार संजय चौहान 97.2 प्रतिशत।कक्षा तीसरी (अ) में मानवी नितिन मोरघड़े एवं गीत लिलाधर बापुरे 97.6 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय शिवांक प्रमोद मोरघड़े एवं मान्या संतोष मेश्राम 95.4 प्रतिशत, तृतीय माल्या किरनकुमार रामावत एवं माही हेमेन्द्र येरपूडे 93.6 प्रतिशत। कक्षा तीसरी (ब) में वैष्णवी चंद्रकुमार सोनी 96.8 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय आराध्या गजेन्द्र येरपूड़े 96.2 प्रतिशत, तृतीय मानव धमेन्द्र सिंग लखेरे 95.2 प्रतिशत। कक्षा चौथी (अ) में डॉली महेश्वर लॉजेवार एवं यशवी कोमलप्रसाद ठाकरे 98 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय आयत शकिल खान 96 प्रतिशत, तृतीय रिया अजय सोनवाने एवं पूनर्वी राधेश्याम वाकड़े 95, कक्षा चौथी (ब) में हुनर रामकुमार राहंगडाले 97.2 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय हेतांश मनोज कालबेले 95.6 प्रतिशत, तृतीय गुंजन कुलदीप सोनवाने एवं पिहर अशोक येरपुड़े 94.2 प्रतिशत। कक्षा छटवी (अ) में अनुकृति राजेश कश्यप 95.6 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय पावन संतोष मोरघड़े 95.3 प्रतिशत, तृतीय अर्पिता गणेश चौधरी 89.5 प्रतिशत कक्षा छटवी (ब) में नुपूर झनकारसिंग ठाकरे 94.3 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय वैभवी मेहरलाल लिल्हारे 92 प्रतिशत, तृतीय एकता भुवनलाल फुल्हारे 91.5 प्रतिशत। कक्षा सातवी (अ) में वेदांष चन्द्रकुमार सोनी 96.5 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय भवन शिवशंकर

दुरूगकर 96 प्रतिशत, तृतीय महिमा संतोष मेश्राम 95.5 प्रतिशत कक्षा सातवी (ब) में श्रावणी राजेश्वर बागड़े 95.16 प्रतिशत से प्रथम, द्वितीय रचित व्यंकटराव विजयवार 94.66 प्रतिशत, तृतीय जान्हवी दिपेन्द्र चौधरी 94.3 प्रतिशत। कक्षा नवमी हिन्दी माध्यम में प्रिया प्रकाशचंद भटेरे 98 प्रतिशत प्रथम, द्वितीय प्रफुल दिलीप मुरकूटे 96 प्रतिशत, तृतीय खेमेन्द्र नरेश लॉड़े 95.2 प्रतिशत। कक्षा नवमी अंग्रेजी माध्यम में जान्हवी इन्द्रकुमार टिकेश्वर 99.6 प्रतिशत प्रथम, द्वितीय आयुषी रविन्द्र कुमार सोनवाने 99 प्रतिशत, तृतीय धानी गणेश अरमरकर 95.8 प्रतिश्त। कक्षा ग्यारहवी हिन्दी माध्यम में शरद खुसीराम चौके 86 प्रतिशत प्रथम, द्वितीय राशि प्रेमलाल दुबे 85.2 प्रतिशत, तृतीय क्षितिज दिलीप कुमार माहुले 84 प्रतिशत। कक्षा ग्यारहवी अंग्रेजी माध्यम में मोहनिश ओमप्रकाश दखने 95.8 प्रतिशत प्रथम, द्वितीय स्वेता पदमाकर बिल्हारे 94.6 प्रतिशत, तृतीय प्रिया संतोश कुमार दुरूगकर 89.6 प्रतिशत रहा। परीक्षा परिणाम की घोषणा के पश्चात विद्यालय के संचालक संतोष मोरघड़े एवं शाला परिवार द्वारा सफल छात्र छात्राओं को बधाई एवं उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित किया।

आवश्यकता है
मार्केटिंग हेड-01 पद
योग्यता एमबीए
2 वर्ष का अनुभव
मार्केटिंग कार्य हेतु 4 युवक
योग्यता स्नातक
अनुभव 2 वर्ष
संपर्क. अभिनंदन ग्रुप
बालाघाट रोड लांजी, मो. नं.9425140030

पूर्व विधायक किशोर समरीते को मातृशोक

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी-किरनापुर क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं संयुक्त क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर समरीते की माताजी मीरा आई समरीते आयु 75 वर्ष का 5 अप्रैल की सुबह लगभग 8 बजे हृदयघात से निधन हो गया। मीरा आई समरीते के दो पुत्र और दो पुत्रिया है जिनमें बड़े पुत्र किशोर समरीते एवं छोटे पुत्र योगेश समरीते तथा दो पुत्रियों में श्रीमती विमला झा एवं श्रीमती संगीता साहू का भरा-पूरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गई। स्व.मीरा आई समरीते काआज 6 अप्रैल को सुबह 10 बजे श्रीमती स्थानीय कोटेश्वर मोक्षधाम में अंतिम संस्कार किया जाएगा। उल्लेखनीय है की श्रीमती मीरा आई समरीते 2015-2020 तक नगर परिषद लांजी की अध्यक्ष रह चुकी है जिन्होने अपने कार्यकाल में लांजी नगर को अनेको सौंगाते प्रदान की तथा एक बार विधानसभा चुनाव में भी भाग्य आजमाया था। इस दुखद निधन पर सामाजिक संगठन के साथ राजनीतिक दलों के प्रमुख लोगों तथा मित्रगणों द्वारा शोक श्रद्धांजलि अर्पित कर परिवार को इस दु:ख की घड़ी में संबल प्रदान करने परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की है।

टेमनी बस स्टैण्ड में गड्ढा दे रहा दुर्घटनाओं को आमंत्रण

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत टेमनी बस स्टैण्ड में शिवाजी चौक चौहान ट्रेडर्स के सामने नल जल योजना के लिये गड्डे खोदे गये है लेकिन काम होने के बाद इन गड्डो को आज दिनांक नही बुझाया गया है जिसकी शिकायत स्थानीय लोगो के द्वारा ठेकेदार एवं विभाग को कि जा चुकी है। जन चर्चा बताया गया है कि यह मार्ग अति व्यस्त मार्ग है जहां से बसे, भारी वाहन एवं अनेकों वाहनों का आवागमन निरंतर जारी रहता है। बहार से आने वाले यात्रियों यह गड्डा नही दिखने कारण यहां दुर्घटनाएं भी घटित हो चुकी है। और आगे भी अनेकों दुर्घटनाऐं होने की संभावना है। इसलिये ग्रामीण जनों ने ठेकेदार और विभाग से कहा है कि जल्द से जल्द इस गढ्डे को बुझाया जाये ताकि आगे और दुर्घटनाऐं ना हो सके।

बिना निराकरण के ही पेश कर दिया जाता है जवाब

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें, लंबित प्रकरणों की संख्या भी बढ़ी

परसवाड़ा (पद्मेश न्यूज़)। सीएम हेल्पलाइन की नई व्यवस्था शुरू हुई थी तो तत्काल होते थे निराकरण लेकिन अब एक माह बीत गया है। लेकिन अभी तक के नहीं हो रही किसी प्रकार की कोई कार्रवाई पहले शिकायत होती थी तो कचरा-कूड़ा, नाली की साफ-सफाई जैसी शिकायतें करने पर तत्काल उनपर कार्रवाई हुई और शिकायतकर्ताओं की समस्या का निराकरण हुआ। लेकिन अब निराकरण पर लग रहे क्यों अंकुश क्या सत्ताधारी राजनेताओं के बना रहे अधिकारियों पर दबाव दबाव के चलते रुक रही जांच इस योजना का प्रचार-प्रसार भी ठीक तरीके से हुआ, जिससे 181 सीएम हेल्पलाइन को हर कोई ग्रामीण जानता है। इसके अलावा अब हेल्पलाइन तक पहुंचने वाली शिकायतों की संख्या बढ़ने के साथ ही अब खुद हेल्पलाइन की ही शिकायतें बढ़ रही हैं। गौरतलब है कि सीएम हेल्पलाइन पर कोई बढ़े मामले की शिकायत करता है तो उसे गंभीरता नहीं लिया जा रहा है। इस योजना के शुरु होने से ग्रामीणों में आस जागी थी कि उनको समस्याओं को लेकर कलेक्टरों को आना पड़ेगा, लेकिन इसके विपरीत हुआ। सीएम हेल्पलाइन पर शिकायतों का कोई निराकरण नहीं है। इसमें हर दूसरा व्यक्ति कहता है कि वहां कॉल करने से कुछ नहीं होता है। कई को शिकायत दर्ज कराए पूरे 4 माह बीत

गए हैं, लेकिन समस्या का निराकरण नहीं किया गया। जिले में लंबित शिकायतें- जिलेभर में एल1, एल2, एल3 और एल4 की शिकायतें लंबित पड़ी हुई हैं, इनका निराकरण करवाने के लिए जिले के किसी भी अधिकारी का ध्यान नहीं है। कई बार कलेक्टर द्वारा समय-सीमा में शिकायत का निराकरण करने के लिए कहा जाता है, लेकिन अधिकारियों ने कलेक्टर के आदेश को तवज्जो नहीं दी और मनमाने तरीके से कार्य करते रहे। ग्रामीण अंचलों को सीएम हेल्पलाइन से राहत मिली थी, लेकिन अब इस व्यवस्था से लोगों का विश्वास ही उठता जा रहा है।

यह हैं कुछ रोचक मामले, पड़े हैं लंबित

जनपद पंचायत परसवाड़ा सेरपार पंचायत में स्थित परसवाड़ा में किराने की दुकान स्थित नेमीचंद कांकरिया की भुमि पर बनीं। कोम्प्लेक्स में शिकायतकर्ता उमेश बिसेन द्वारा किराना की दुकान लगाया है शिकायत नंबर 26301095 दर्ज कराई गई थी। यह शिकायत 04/03/2024 मार्च को दर्ज हुई, लेकिन एक माह से ज्यादा बीत गया, शिकायत अभी भी पेंडिंग है। ग्राम पंचायत झिरिया परसवाड़ा निवासी उमेश बिसेन शिकायत क्रमांक 26301095 शिकायत दर्ज कराई, लेकिन बगैर संतुष्टिकरण के पंचायत सचिवों के द्वारा जवाब पेश कर दी गई। इसी प्रकार शिकायतकर्ता उमेश बिसेन द्वारा की गई, शिकायत लेकिन बगैर संतुष्टिकरण के जवाब पेश कर दी गई है।

कलेक्टर के आदेश को दिखाते हैं ठेंगा

कलेक्टर द्वारा टीएल और अन्य बैठकों के दौरान सभी विभागों के अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण करने के लिए निर्देश दिए जाते हैं, लेकिन अधिकारी भी बैठक रूम के बाहर आने के बाद कलेक्टर के उस निर्देश को भूल जाते हैं। कलेक्टर द्वारा निर्देश देने के बाद शिकायतों के निराकरण होने की वजह वह और बढ़ती जा रही है। इससे स्पष्ट होता है कि जिले के अधिकारी कलेक्टर के आदेश को ठेंगा दिखा रहे है और अपने मनमाने तरीके से कार्य करने में जुटे हुए हैं।

अब क्या कार्रवाई होगी

सीएम हेल्पलाइन पर शिकायतों के निराकरण के लिए कहा गया है। एल-1 स्तर पर ही शिकायत का निराकरण हो जाए, यह ठीक है। निर्देशों के बावजूद भी यदि विभागीय अधिकारी लापरवाही बरतते हैं जिससे अब लोगों का सीएम हेल्पलाइन से विश्वास उठने लगा है।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

भानेगांव में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

बोलेगांव में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

गांव पारा खेत खलिहान, सब कहते करो मतदान वोट जैसा कुछ नहीं ,वोट जरूर डालेंगे हम थीम पर हो रही गतिविधी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। शासकीय महाविद्यालय लांजी एनएसएस ईकाई एव ईएलसी क्लब द्वारा लगातार मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। नोडल अधिकारी कांता वर्मा के संयोजन व प्राचार्य प्रो आरआर सोनवाने के संरक्षण में वोट जैसा कुछ नहीं वोट जरूर डालेंगे हम थीम पर शत् प्रतिशत मतदान करने के लिये स्वयं सेवकों द्वारा शपथ, रैली, मतदाता हस्ताक्षर अभियान एवं दीवार पर पेंटिंग कर वार्ड न.1 व 2 में जागरुकता अभियान चलाया गया। जिसमें मुख्य रूप से लेकेश, कल्पना, मुस्कान शुक्ला, जेबा मिर्जा द्वारा वॉल पेंटिंग के माध्यम से वार्ड वासियों से मतदान केंद्र पर 19 अप्रैल को जाकर निष्पक्ष मतदान करने की अपील की।

मां सरस्वती शिशु मंदिर नांदी की छात्रा सिमरन बुरडे का नवोदय विद्यालय में चयन

नांदी (पद्मेश न्यूज़)। माँ सरस्वती शिशु मन्दिर नान्दी से जवाहर नवोदय विद्यालय परीक्षा में कक्षा छटवी के लिए कुमारी सिमरन बुरडे पिता अशोक बुरडे ने जवाहर नवोदय विद्यालय की परीक्षा में सफलता प्राप्त की.उनकी इस सफलता पर माँ सरस्वती शिशु मन्दीर नान्दी के संस्था प्रमुख एस.एल. तैकर एवं शिक्षक स्टाप में सरस्वती बुरडे, कुमारी लता बागडे कुमारी डाली बोपचे, गोदावरी बिसेन ने कुमारी सिमरन बुरडे की सफलता प्राप्त करने पर बधाई दी। संस्था के पदाधिकारी ईश्वरीप्रसाद बिसेन अध्यक्ष, डाँ मानिक दास गोखे, दिलीप पटले, भुवनलाल भलावी, रमणिकलाल ठाकरे एवं अन्य सदस्यों ने इसकी सफलता पर खुशी व्यक्त कर बधाई दी। तथा सभी ग्रामवासियों में हर्ष एवं खुशी की लहर है। सिमरन बुरडे ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता और अपने गुरुजनों को दिया है और नवोदय विद्यालय परीक्षा के लिए उन्होंने भरपूर मेहनत कर इस परीक्षा में चयनित हुई।

खजुराहो सीट से सपा प्रत्याशी मीरा यादव का नामांकन निरस्त

जीतू पटवारी ने बताया वोट के अधिकारों का हनन

भोपाल। चुनाव से पहले ही मध्य प्रदेश में विपक्ष के इंडी गठबंधन को करारा झटका लगा है। खजुराहो लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी मीरा यादव का नामांकन पत्र शुक्रवार को निरस्त हो गया। निर्वाचन अधिकारी सुरेश कुमार ने नामांकन पत्र में एक स्थान पर अभ्यर्थी के हस्ताक्षर न होने और मतदाता सूची की सत्यापित प्रति संलग्न न होने के आधार पर इसे निरस्त कर दिया। विपक्षी दलों के राष्ट्रीय स्तर पर हुए गठबंधन के अंतर्गत कांग्रेस ने प्रदेश की 29 लोकसभा सीटों में से यह सीट समाजवादी पार्टी के लिए छोड़ी थी।

सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नामांकन पत्र निरस्त करने को लोकतंत्र की हत्या तो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने गठबंधन के प्रत्याशी को चुनाव लड़ने से रोकने का षड्यंत्र बताया। मीरा यादव के पति दीप नारायण यादव ने कहा कि काफी समय था, निर्वाचन अधिकारी हमें बता देते तो कमी की पूर्ति कर देते। हम चुनाव आयोग और न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे। हाई कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक की शरण लेंगे।

यहां से भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा प्रत्याशी हैं। सपा ने खजुराहो से डा मनोज यादव को पहले अपना प्रत्याशी बनाया था, उसके बाद उनके स्थान पर मीरा यादव को प्रत्याशी घोषित किया गया। चार अप्रैल को मीरा की नामांकन रैली में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, राज्य सभा सदस्य विवेक तन्खा और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव शामिल हुए थे।

पांच अप्रैल यानी शुक्रवार को नामांकन पत्र की जांच हुई, जिसमें सपा प्रत्याशी मीरा यादव का नामांकन पत्र अपूर्ण होने के कारण निरस्त कर दिया गया। इसके दो कारण बताए गए। पहला, नामांकन पत्र में दो स्थान पर अभ्यर्थी के हस्ताक्षर होते हैं लेकिन मीरा यादव ने एक ही स्थान पर हस्ताक्षर किया। इसी तरह सत्पापित मतदाता सूची भी नहीं लगाई। जबकि, वह खजुराहो संसदीय क्षेत्र की मतदाता नहीं हैं, इसलिए जहां की मतदाता सूची में उनका नाम है, वहां के सक्षम अधिकारी से सत्यापित कराकर सूची जमा करनी थी।

इंतजार होता रहा, नहीं आए कलेक्टर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि मीरा यादव और उनके पति 12 से तीन बजे तक कलेक्ट्रेट में बैठे रहे। कलेक्टर का इंतजार करते रहे लेकिन वह कार्यालय नहीं आए। नामांकन पत्र प्रतिलिपि में हस्ताक्षर हैं। इस तरह से नामांकन पत्र निरस्त करना लोकतंत्र की हत्या और जनता के वोट के अधिकार का हनन है। लोकतंत्र की हत्या को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। हम सब मिलकर आगे की रणनीति बनाएंगे। इधर कलेक्टर ने मीडिया से दूरी बना ली है। वह कुछ भी बताने को तैयार नहीं हुए।

अखिलेश यादव ने की न्यायिक जांच की मांग

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट किया कि खजुराहो सीट से इंडी गठबंधन की सपा प्रत्याशी मीरा यादव का नामांकन निरस्त करना सरेआम लोकतंत्र की हत्या है। कहा जा रहा है कि हस्ताक्षर नहीं थे तो फिर देखने वाले अधिकारी ने नामांकन पत्र लिया ही क्यों। ये सब बहाने हैं और हार चुकी भाजपा की हताशा। जो न्यायालय के कैमरे के सामने छल कर सकते हैं वो आवेदन मिलने के बाद पीठ पीछे क्या-क्या साजिश रचते होंगे। भाजपा बात में ही नहीं काम में भी झूठी है और समस्त प्रशासनिक तंत्र को भ्रष्ट बनाने की दोषी भी। इस घटना की भी न्यायिक जांच हो, किसी का नामांकन पत्र निरस्त करना लोकतांत्रिक अपराध है।

पुरानी वोटर लिस्ट क्यों लगाई

लोगों का कहना है कि मीरा यादव और दीप नारायण यादव दोनों चुनाव लड़ चुके हैं। मीरा मध्य प्रदेश की निवाड़ी विधानसभा सीट से विधायक रह चुकी हैं। चार माह पूर्व हुए विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने चुनाव लड़ा था। इसके बाद भी नामांकन पत्र में हस्ताक्षर न करना और पुरानी मतदाता सूची लगाने से प्रश्न खड़े हो रहे हैं। इसी तरह 2009 में विदिशा लोकसभा सीट से कांग्रेस के राजकुमार पटेल ने नामांकन पत्र में बी फार्म की मूल प्रति के स्थान पर छाया प्रतिलिपि लगाई थी, जिसके कारण उनका नामांकन पत्र रिटर्निंग आफिसर ने निरस्त कर दिया था।

पांच नामांकन रद, 14 प्रत्याशी मैदान में

खजुराहो लोकसभा क्षेत्र में शुक्रवार को नाम निर्देशन पत्रों की जांच में सपा प्रत्याशी समेत पांच अभ्यर्थियों का नामांकन पत्र रद हो जाने के बाद अब यहां 14 प्रत्याशी चुनावी मैदान में शेष रह गए हैं। निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के अनुसार अभ्यर्थी सोमवार को दोपहर तीन बजे तक उम्मीदवारी से नाम वापस ले सकेंगे। यहां भाजपा प्रत्याशी विष्णुदत्त शर्मा, बसपा के कमलेश कुमार समेत 12 निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में हैं। खजुराहो में 26 अप्रैल को मतदान होना है।

स्मार्टसिटी के बात करते हैं, देने के लिए दो करोड नहीं- हाईकोर्ट

मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस आर्या ने की यह तल्ख टिप्पणी

भोपाल। सुधार कार्यों में होने वाले खर्चे पर बात करते हुए हाई कोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ में जस्टिस रोहित आर्या ने चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य की बात है, प्रदेश शासन के पास दो करोड़ नहीं हैं देने के लिए और स्मार्ट सिटी की बात करते हैं। उन्होंने शासन का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता से कहा कि शासन कहे इस बात को कि हमारे पास पैसा नहीं हैं तो सब कुछ सुनने के बाद हम आदेश में लिख देंगे कि प्रदेश में इस समय वित्तीय आपातकाल है। सुनवाई के दौरान जस्टिस आर्या ने नगर निगम के अभियंताओं से सवाल पूछे, वहीं उनकी नाराजगी बढ़ने लगी। उन्होंने आयुक्त हर्ष सिंह से पूछा कि तुम्हारे नगर निगम के इंजीनियर आए हैं क्या यहां पर, जिस पर हर्ष सिंह बोले कि हां, सर सभी यहीं हैं, निगम की पूरी टीम है। जस्टिस आर्या ने निगम के इंजीनियर राम किशोर शुक्ला से सवाल किए तो उनके जवाबों पर नाराजगी जताते हुए बोले कि अगर तुम्हें ट्रंक लाइन बिछाने के लिए हमारे मार्गदर्शन की जरूरत है तो तुम इंजीनियर बनने के काबिल ही नहीं हो, तुमको रिकार्ड के बारे में पता नहीं है, याद्दाश्त से बताओगे, कितनी पुरानी याद्दाश्त है, तुम्हारी बेकार की बात करते हो। इसके बाद उन्होंने आयुक्त नगर निगम को कहा कि आपकी टीम किसी काम की नहीं है, इस पर ध्यान देने की जरूरत है। इस मामले में अब अगली सुनवाई 12 अप्रैल को होगी, जिसमें निगम को इस सुधार कार्य के पूरे खर्चे का ब्योरा और अब तक हुए सर्वे और वर्तमान में किए जा रहे सर्वे पर स्पष्टीकरण देना होगा। बता दें कि हाई कोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ में युगलपीठ के समक्ष स्वर्णरेखा नदी का पुनरुद्धार, शहर में ट्रंक लाइन, सीवरेज सिस्टम और सालिड वेस्ट से जुड़े मामले में लगी जनहित याचिका में गुरुवार को सुनवाई हुई। नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह, स्मार्ट सिटी सीईओ नीतू माथुर के साथ वन विभाग, पीडब्ल्यूडी सहित अन्य विभागों के अधिकारी सुनवाई में मौजूद रहे। सवाल-जवाब का दौर ट्रंक लाइन के मुद्दे से शुरू हुआ, जहां दिल्ली की कंपनी से आए प्रतिनिधि से जस्टिस रोहित आर्या ने कई सवाल किए।

पुलिस कर्मियों ने लगाई हाईकोर्ट में 270 याचिकायें

भोपाल। अर्दली व्यवस्था के विरोध में मध्य प्रदेश पुलिस के 270 सिपाही और हवलदारों ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में 270 याचिकायें दाखिल की है। इस याचिका मे भोजन बनाने, नाई,धोबी, मोची,स्वीपर का काम करने वाले पुलिसकर्मी शामिल हैं। मध्य प्रदेश में ऐसे 5500 आरक्षित कैडर के पुलिसकर्मी हैं,जिन्हें जनरल ड्यूटी से बाहर रखा गया है।इन पुलिस कर्मियों ने याचिका लगाकर जनरल ड्यूटी में संविलियन की मांग की है।सभी 270 पुलिस कर्मियों ने अलग-अलग याचिका दायर की हैं। हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई अब 29 अप्रैल को होगी।

आरक्षक ट्रेड केडर से भर्ती हुए इन सभी पुलिसकर्मियों ने 5 साल की सेवा पूरी कर ली है। नियमों के अनुसार यह जिला पुलिस के सहयोगी बनने की पात्रता रखते हैं। पिछले 10 वर्षों से सरकार ने संविलियन पर रोक लगा रखी है। जिसके कारण ट्रेड में भर्ती हुए इन पुलिसकर्मियों को प्रमोशन तो मिल रहा है।लेकिन इन्हें अभी भी कुक, नाई, स्वीपर और धोबी का काम करना पड़ रहा है। इनका लगातार अधिकारियों द्वारा उत्पीड़न भी किया जाता हैद्व निर्धारित घंटे से अधिक काम कराया जाता है।

नाम निर्देशन-पत्रों की संवीक्षा में 93 अभ्यर्थियों के नाम-निर्देशन पत्र विधिमान्य पाए गए

16 अभ्यर्थियों के नाम-निर्देशन पत्र अस्वीकृत

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन-2024 के निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार दूसरे चरण के लिये नाम-निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की गई। संवीक्षा के दौरान 93 अभ्यर्थियों के नाम-निर्देशन पत्र विधिमान्य पाए गये। कुल 16 अभ्यर्थियों के नाम-निर्देशन पत्र संवीक्षा के बाद अस्वीकृत कर दिये गए हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने बताया है कि 5 अप्रैल को नाम-निर्देशन पत्रों की संवीक्षा उपरांत लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-6 टीकमगढ़ (अजा) में 8 अभ्यर्थी, लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-7 दमोह में 16 अभ्यर्थी, लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-8 खजुराहो में 14 अभ्यर्थी, लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-9 सतना में 20 अभ्यर्थी, लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-10 रीवा में 14 अभ्यर्थी, लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-17 होशंगाबाद में 12 अभ्यर्थी एवं लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-29 बैतूल (अजजा) में 9 अभ्यर्थियों के नाम-निर्देशन पत्र विधिमान्य पाये गये हैं। लोकसभा संसदीय क्षेत्र टीकमगढ़ में 2, दमोह में 2, खजुराहो में 5, सतना में 2 और रीवा में 5 अभ्यर्थियों के नाम-निर्देशन पत्र संवीक्षा के बाद अस्वीकृत कर दिये गए हैं। नाम-निर्देशन पत्र दाखिल किये गये अभ्यर्थियों के शपथ पत्र एवं अन्य जानकारियां भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट की लिंक द्धह्लह्लश्चह्य॥//ड्डद्घद्घद्ब-स्त्रड्ड1द्बह्ल.द्गष्द्ब.द्दश्1.द्बठ्ठ/ पर देखी जा सकती हैं।

श्री राजन ने बताया कि नाम-निर्देशन पत्र भर चुके प्रत्याशी सोमवार, 8 अप्रैल तक अपने नाम वापस ले सकेंगे। दूसरे चरण के लिए शुक्रवार, 26 अप्रैल को मतदान होगा। सभी चरणों के मतदान की मतगणना 4 जून को होगी।

चुनाव ड्यूटी के दौरान मतदान/सुरक्षा कर्मियों की मृत्यु पर मिलेगी अनुग्रह राशि

चुनाव ड्यूटी की अवधि चुनाव घोषणा की तारीख से परिणाम की घोषणा तक होगी

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव ड्यूटी के दौरान मृत्यु या गंभीर चोटों के मामले में मतदान/सुरक्षा कर्मियों के परिजन को अनुग्रह राशि का प्रावधान किया गया है। इसमें चुनाव संबंधी सभी प्रकार की ड्यूटी में तैनात सभी कार्मिक, सीएपीएफ, एसएपीएस, राज्य पुलिस, होम गार्ड के सभी सुरक्षाकर्मी, कोई भी निजी व्यक्ति जैसे ड्राइवर, क्लीनर आदि जिसे चुनाव ड्यूटी के लिए नियुक्त किया गया हो और बीईएल/ईसीआईएल इंजीनियर भी शामिल हैं, जो प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी), ईवीएम कमीशनिंग, मतदान दिवस और मतगणना दिवस ड्यूटी में लगे हुए हैं।

आयोग द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि किसी व्यक्ति को प्रशिक्षण सहित किसी भी चुनाव संबंधी कार्य के लिए रिपोर्ट करने के लिए निवास/कार्यालय छोड़ते ही चुनाव ड्यूटी पर होना माना जायेगा, जब तक वह अपने कार्य प्रदर्शन के बाद अपने निवास/कार्यालय वापस नहीं पहुंच जाता। यदि इस अवधि के दौरान कोई दुर्घटना होती है, तो इसे चुनाव ड्यूटी पर हुई घटना के रूप में माना जायेगा।

बीईएल/ईसीआईएल इंजीनियरों के लिए, प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) ड्यूटी की अवधि और वह अवधि जिसके लिए अधिकारी को कमीशनिंग, मतदान/मतगणना व्यवस्था के लिए प्रतिनियुक्त किया जाता है, को चुनाव ड्यूटी अवधि में माना जाएगा।

अनुग्रह राशि

निर्वाचन ड्यूटी के दौरान अगर मौत उग्रवाद या असामाजिक तत्वों के किसी हिंसक कृत्य जैसे सड़क पर खदान, बम विस्फोट, सशस्त्र हमले और कोविड-19 के कारण मौत होती है, तो 30 लाख रुपये की अनुग्रह राशि कर्मचारी के परिजन को मिलेगी। इसके अलावा किसी अन्य कारण से मृत्यु होने पर 15 लाख रुपये की अनुग्रह राशि मिलेगी। चरमपंथी या असामाजिक तत्वों की संलिप्तता के कारण स्थायी विकलांगता होती है तो 15 लाख रुपये और गंभीर चोट के परिणामस्वरूप स्थायी विकलांगता, जैसे अंग की हानि, आंख की दृष्टि, आदि के मामले में 7.5 लाख रुपये दिये जायेंगे। अनुग्रह राशि का भुगतान गृह मंत्रालय द्वारा उसके मौजूदा दिशानिर्देशों के तहत पहले से ही भुगतान किए जा रहे मुआवजे और राज्य सरकार या किसी नियोक्ता द्वारा भुगतान किए गए किसी भी अन्य मुआवजे के अतिरिक्त होगा। अनुग्रह राशि का भुगतान बिना किसी अनावश्यक देरी के शीघ्र किया जाएगा।

कैशलेस इलाज

आयोग ने चुनाव में शामिल ऐसे सभी कर्मियों के लिए अत्याधुनिक अस्पतालों में इलाज की व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया है, जो ड्यूटी के दौरान घायल हो जाते हैं या बीमार पड़ जाते हैं। उपचार में तेजी लाने और देरी से बचने के लिए, चुनाव की घोषणा तक अस्पतालों के साथ अग्रिम रूप से व्यवस्था/टाई-अप कर पीड़ितों को कैशलेस सुविधाएं दी जा सकती हैं।

आईपीएल में सट्टा लगाने वाला सटोरिया दबोचा, 1 करोड़ 29 लाख बरामद

आया था लूट की रिपोर्ट लिखवाने, हार गया था 95000 रूपए

भोपाल। आईपीएल में सट्टा लगाने वाले एक सटोरिये को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बुधवार की रात प्रदेश के रीवा शहर के थाने में एक व्यक्ति फर्जी रिपोर्ट करने पहुंचा। सटोरिये ने खुद के साथ तकरीबन 95000 रुपए की लूट की रिपोर्ट लिखानी चाही। जब पुलिस ने उसे ठीक-ठाक से पूछताछ की तो पता चला कि वह 95000 रूपए आईपीएल सट्टे में हार गया है। युवक द्वारा बताए गए पते के बाद पुलिस में उक्त स्थान पर छापा मार कार्रवाई की। जहां सटोरिया को गिरफ्तार कर लिया साथ ही उसके पास से भारी मात्रा में नगदी बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार पद्मधर कॉलोनी का रहने वाला अमित आहूजा उम्र 48 वर्ष आईपीएल सट्टा खिलवाता था। बीती रात एक युवक राकेश कुमार आईपीएल सट्टे में 95000 की राशि हार गया। जिस पर वह शराब के नशे में रिपोर्ट करने थाने जा पहुंचा। पहले तो वह अपने साथ लूट की वारदात बता रहा था लेकिन जब पुलिस ने शक्ति से पूछताछ किया तो पता चला कि उसके साथ लूट नहीं बल्कि वह पैसे सट्टे में हारा है। पूरे मामले की जानकारी पुलिस कप्तान विवेक सिंह को दी। एसपी ने थाना प्रभारी हितेन नाथ शर्मा को छापा मार कार्रवाई करने के निर्देश दिया। छापे में पुलिस ने मौके से तीन बड़े ब्रीफकेस पैसे से भरे हुए बरामद किए हैं। ब्रीफकेस में एक करोड़ 29 लाख रुपए निकले हैं। पुलिस पूरे पैसे की काउंटिंग कर पकड़े गए युवक के विरुद्ध जुआ एड के तहत कार्रवाई करने तैयारी कर रही है। इस बारे में पुलिस अधीक्षक रीवा विवेक सिंह का कहना है कि मुखबिर की सूचना पर खबर प्राप्त हुई थी। जिस पर कार्रवाई की गई है।

इंडिया गठबंधन के प्रादेशिक सहयोगी दलों की बैठक आज

भोपाल। लोकसभा चुनाव के प्रचार और तैयारियों को लेकर कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में प्रदेश के सभी सहयोगी राजनीतिक दलों की बैठे बुलाई गई है। इस बैठक में चुनाव प्रचार की रणनीति बनाई जायगी।यह बैठक प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में होने जा रही है। इंडिया गठबंधन के सभी सात पर्टियों के प्रदेश अध्यक्ष इस बैठक में शामिल होंगे। सभी राजनीतिक दलों के प्रदेश अध्यक्षों की इस राउंड टेबल मीटिंग में आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी, सीपीआईएम,सीपीआई,राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी,एनसीपी (शरद पवार) गुट, राष्ट्रीय जनता दल और समानता दल के प्रदेश अध्यक्ष को कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आमंत्रित किया है। इस बैठक में भाजपा के खिलाफ सामूहिक संघर्ष को लेकर रणनीति तैयार की जाएगी। 6 अप्रैल को महात्मा गांधी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू किया था। अब इंडिया गठबंधन के सभी दल मिलकर लोकसभा चुनाव के लिएभाजपा से लड़ने की रणनीति तैयार करेंगे।

राजगढ़ संसदीय क्षेत्र के दो दिवसीय प्रवास पर रहेंगे मंत्री विश्वास कैलाश सारंग

भोपाल। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग 6 और 7 अप्रैल को राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र के दो दिवसीय प्रवास पर रहेंगे। राजगढ़ लोकसभा में वे 6 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर नरसिंहगढ़ विधानसभा के पीलूखेड़ी बूथ क्रमांक 272 में दोपहर 3 बजे एवं कांकरवाल के बूथ क्रमांक 121 में दोपहर 4 बजे आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। तत्पश्चात वे पचोर स्थित प्रज्ञा सागर महाविद्यालय में शाम 5 बजे लोकसभा प्रबंध समिति की बैठक लेंगे। वहीं 7 अप्रैल को मंत्री सारंग राजगढ़ के संस्कृति होटल में सुबह 11 बजे राजगढ़ विधानसभा एवं सारंगपुर के राठी परिसर में दोपहर 2 बजे सारंगपुर विधानसभा के कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

आंधी में गिरे सागौन के पेड़ काटने के लिये रिश्वत की मांग कर रहे वन विभाग के दो अफसर धराये

भोपाल। भोपाल लोकायुक्त पुलिस ने इटारसी जिले में पदस्थ वन विभाग के दो अफसरो को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ दबोचा है। बताया गया है की यहां पिछले दिनों चली तेज आंधी में सागौन के सात पेड़ गिर गए थे। इन पेड़ो को काटने के लिये अनुमति देने के ऐवज में वन विभाग के अधिकारी रिश्वत मांग रहे थे। लोकायुक्त पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार इटारसी के आशफाबाद में स्थित राम चौराहा इलाके में रहने वाले लोकेंद्र सिंह पटेल ने लोकायुक्त भोपाल के अधिकारियो को लिखित शिकायत करते हुए बताया की वे पेशे से अधिवक्ता भी है। उनकी ग्राम दमदम में 35 एकड़ कृषि भूमि है। इस जमीन पर सागौन के 7 पेड़ लगे थे। पिछले दिनों चली आंधी में यह सातो पेड़ गिर गए थे। इन्हें काटने के लिये उन्हें ग्राम पंचायत से अनुमति लेने के बाद वन विभाग से टीपी और हैमर की अनुमति लेनी थी। इसके लिए 28 मार्च को उन्होंने आवेदन भी दिया था। इसके बाद से ही डिप्टी रेंजर राजेंद्र कुमार नागवंशी अपने लिए 19 हजार रुपए की मांग रहे थे। जॉच में रिश्वत की मांग सही पाये जाने पर पुलिस अधीक्षक मनु व्यास के नेतृत्व में इंस्पेक्टर रजनी तिवारी, इंस्पेक्टर घनश्याम सिंह मर्सकोले, प्रधान आरक्षक राजेंद्र पावन, प्रधान आरक्षक मुकेश पटेल, आरक्षक मनमोहन साहू, हेमेंद्र ने जाल बिछाते हुए रेंजर श्रेयांश जैन को 5 हजार और आरोपी राजेंद्र कुमार नागवंशी को 7 हजार की घूस लेते हुए रंगे हाथो पकड़ लिया।

विदेश भागे राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के रजिस्टार ?

भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति, तत्कालीन रजिस्टर राकेश सिंह राजपूत एवं अन्य आरोपी फरार हैं।इन सभी के ऊपर 19।48 करोड़ रुपए के घोटाले और आर्थिक अनिमियता के मामले में आपराधिक मामला दर्ज है। इनके खिलाफ पुलिस ने इनाम भी घोषित कर दिया है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार रजिस्टर राकेश सिंह राजपूत के ऑस्ट्रेलिया भागने की खबर है। उनका पुत्र सिडनी में पढ़ाई कर रहा है।माना जा रहा है कि वह भारत से सिडनी चले गए हैं। इस खबर की पुष्टि करने के लिए पुलिस ने इमिग्रेशन से जानकारी मांगी है। अभी यह जानकारी पुलिस को नहीं मिल पाई है। वहीं उनकी पत्नी का कहना है, जिस दिन से उनके खिलाफ अपराधिक प्रकरण दर्ज हुआ है। उसके बाद से वह घर नहीं आए हैं। ना ही उनका कोई फोन आया है।अभी तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से इस घोटाले का मामला तूल पकड़ता जा रहा है।

याचिकाकर्ता को उपस्थित रहने की नहीं मिली अनुमति

धार भोजशाला का एएसआई सर्वे 15वें दिन भी जारी

भोपाल। मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने धार भोजशाला के सर्वे के दौरान याचिकाकर्ता को उपस्थित रहने की अनुमति देने से इंकार कर दिया। याचिकाकर्ता ने अनुमति मांगते हुए आवेदन हाई कोर्ट में प्रस्तुत किया था, जिसे कोर्ट ने बुधवार को निरस्त कर दिया। अगली सुनवाई 29 अप्रैल को होगी। इसके पहले भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को भोजशाला का सर्वे पूरा कर रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत करना है। हाई कोर्ट के आदेश के बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की टीम धार भोजशाला का अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए सर्वे कर रही है। एक पखवाड़े से चल रहे सर्वे में अब तक कई जानकारियां सामने आ चुकी हैं। सर्वे हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में चल रहा है। इस बीच एक याचिकाकर्ता कुलदीप तिवारी ने हाई कोर्ट में आवेदन देकर गुहार लगाई थी कि उन्हें भी सर्वे के दौरान उपस्थित रहने की अनुमति दी जाए। बुधवार को सुनवाई हुई। देर शाम कोर्ट ने आवेदन निरस्त करते हुए अनुमति देने से इंकार कर दिया। बता दें कि धार की भोजशाला में आज शुक्रवार को एएसआई के सर्वे का 15वां दिन है। सर्वे टीम प्रातः 5ः40 पर दाखिल हुई। शुक्रवार होने से आज मुस्लिम समाज के नमाज का दिन है, ऐसे में सर्वे की टीम नमाज के पहले भोजशाला से बाहर आ सकती है।

मप्र के अधिकतर शहरों में बादल छाने के आसार

सात-आठ अप्रैल को हो सकती है वर्षा भी

भोपाल ।प्रदेश के अधिकतर शहरों में शनिवार से बादल छाने के आसार हैं। सात-आठ अप्रैल को राजधानी सहित कई शहरों में वर्षा भी हो सकती है। प्रदेश का मौसम पूरी तरह शुष्क बना हुआ है। हवाओं का रुख अभी पश्चिमी है, इस वजह से तपिश बरकरार है। हालांकि हवाओं के साथ अरब सागर से कुछ नमी आने से ऊंचाई के स्तर पर बादल छा रहे हैं। शुक्रवार को भी मौसम का मिजाज इसी तरह बना रह सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ पाकिस्तान के आसपास द्रोणिका के रूप में बना हुआ है। उत्तर-पूर्वी राजस्थान पर हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात भी बना है। इसके अतिरिक्त दक्षिण-पूर्वी मध्य प्रदेश से लेकर तमिलनाडु तक एक द्रोणिका बनी हुई है। मौसम शुष्क बना रहने से अभी दो दिन तक तपिश बरकरार रहने की बात कही जा रही है। छह अप्रैल से मौसम के मिजाज में कुछ परिवर्तन हो सकता है। प्रदेश के अधिकतर शहरों में बादल छाने लगेंगे। साथ ही कहीं-कहीं तेज रफ्तार से हवाएं चलने के साथ बूंदाबांदी का सिलसिला भी शुरू हो सकता है। सात-आठ अप्रैल को राजधानी सहित प्रदेश के कई शहरों में तेज रफ्तार से हवाएं चलने के साथ वर्षा होने की भी संभावना है। पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि इन मौसम प्रणालियों के अलावा अरब सागर एवं बंगाल की खाड़ी में प्रति चक्रवात भी मौजूद हैं। इस वजह से हवाओं का रुख पश्चिमी बना हुआ है। हवाओं के साथ कुछ नमी आने की वजह से ऊंचाई के स्तर पर बादल बने हुए हैं। शुक्रवार को भी प्रदेश के अधिकतर शहरों में आंशिक बादल बने रहने की संभावना है।

कांग्रेस का यह 'न्याय-पत्र', न्याय नहीं अन्याय की गारंटी है - विष्णुदत्त शर्मा

भोपाल ।कांग्रेस ने न्याय-पत्र नाम से अपना जो चुनाव घोषणा-पत्र जारी किया वह कांग्रेस का 'न्याय-पत्र', न्याय नहीं अन्याय की गारंटी है। अन्यायी कांग्रेस को न्याय-पत्र जारी करने का कोई अधिकार नहीं है। कांग्रेस के न्याय-पत्र का मतलब असुरक्षित महिलाएं, बेरोजगारी, किसानों पर कर्ज का बोझ, मजबूर और बेबस मजदूर, साथ ही वंचितों के साथ भेदभाव और शोषण तथा तानाशाही और दिखावे का लोकतंत्र है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने महिलाओं को सम्मान और अधिकार देने का कार्य किया है। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में कांग्रेस के न्याय पत्र को लेकर मीडिया से चर्चा करते हुए कही।

प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि मिस्टर बंटाढार के इशारे पर मिस्टर करप्शननाथ ने मध्यप्रदेश में अपने 15 माह के कुशासनकाल में मुख्यमंत्री प्रसूति सहायता योजना बंद कर गर्भवती महिलाओं को लड्डू खाने के लिए मिलने वाले 16000 रूपये डकार लिए थे। जिन कांग्रेसियों ने सरकार में रहते हुए बैगा-भारिया एवं सहरिया बहनों को अतिकुपोषण मिटाने के लिए हर मिलने वाले एक हजार रुपये पर डाका डाला हो, क्या वे महालक्ष्मी गारंटी और 1 लाख रूपये की सलाना सहायता महिलाओं को दे सकते हैं ?

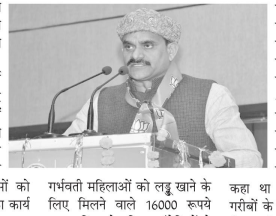

पूरी आबादी का हक लूटने वाले आधी आबादी को क्या हक देंगे

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि कांग्रेस वह पार्टी है जो सत्ता में रहते हुए घोटाले और भ्रष्टाचार का रिकॉर्ड बनाती है। जिन्होंने सरकार में रहते हुए पूरी आबादी का पूरा हक लूटा हो, वो आधी आबादी-पूरा हक देंगे? कांग्रेस नेता स्व. राजीव गांधी ने प्रधानमंत्री रहते हुए स्वयं कहा था कि कांग्रेस सरकार में गरीबों के लिए दिल्ली से एक रूपए भेजता हूं तो गरीबों को सिर्फ 15 पैसे ही मिल पाते हैं, बाकी 85 पैसे कांग्रेस के बिचौलिए ही खा जाते थे। जिस कांग्रेस के नेता आये दिन महिलाओं को लेकर अभद्र टिप्पणी, टंचमाल और आइटम जैसे निंदनीय शब्दों का प्रयोग कर नारी शक्ति का अपमान करते हों, वो नारी शक्ति का सम्मान क्या करेंगे ?

प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि जिस कांग्रेस पार्टी के नेता महिलाओं को सजावट का सामान समझते हों, भरे मंच से अपनी पार्टी की महिला नेत्रियों को अपमानित करते हों वो किस तरह 'अधिकार मैत्री' के तहत महिलाओं को उनके हक के लिए जागरूक करेंगे? कांग्रेस का न्याय-पत्र एक झूठ के पुलिंदे से अधिक कुछ भी नहीं है। कांग्रेस पार्टी फिर एक बार जनता को छलने के लिए अपने झूठे वादों को न्याय-पत्र का नाम दे रही है। महिलाओं को सम्मान और अधिकार देने का कार्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार में हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पारित कराकर देश की लोकसभा और प्रदेश की विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का कानून बनाया है।

पंजाब ने गुजरात को रोमांचक मुकाबले में हराया

अहमदाबाद। गुजरात के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आईपीएल 2024 मैच में शशांक सिंह के नाबाद 61 रन और आशुतोष शर्मा की 31 रनों पारी की मदद से पंजाब किंग्स ने मेजबान गुजरात टाइटंस को रोमांचक मुकाबले में तीन विकेट से हरा दिया।

आईपीएल में गुरुवार को गुजरात के अहमदाबाद में पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच मैच खेला गया जिसमें गुजरात टाइटंस में पंजाब किंग्स को 200 रन का लक्ष्य दिया था। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स के सलामी बल्लेबाज ने आक्रामक शॉट लगाते हुए अजमतुल्लाह उमरजई के पहले ही ओवर में 13 रन बटोरे। वहीं उमेश यादव ने फॉर्म में चल रहे शिखर धवन का विकेट लिया तो स्टेडियम में मौजूद की भीड़ खुशी से झूम उठी। कप्तान धवन सिर्फ एक रन बनाकर आउट हो गए। प्रभसिमरन ने यादव की तेज गेंद पर स्वीपर कवर के जरिए चौका लगाया। यादव ने पारी का चौथा और अपना दूसरा ओवर फेंकते हुए 12 रन बटोरे। प्रभसिमरन ने इस ओवर में एक चौका और एक छक्का जमाया।

राशिद खान को पारी के पांचवें ओवर में लाया गया और उन्?होंने एक चौके सहित नौ रन बनाए। पेसर्स के खिलाफ बेयरस्टो आक्रामक दिखे, इसलिए कप्तान गिल दोनों छोर से स्पिनर लेकर आए। बाएं हाथ के चाइनामैन नूर अहमद ने बड़ा विकेट हासिल किया। उन्होंने बेयरस्टो के मिडिल लेग स्टंप को 22 रन पर आउट कर दिया। नूर ने गेंद को ऊपर उछाला और उसे लेग के बाहर की लंबाई पर गिरा दिया। बेयरस्टो गेंद की लाइन से पूरी तरह चूक गए और बल्ले और पैड के बीच एक गैप छोड़ दिया और गेंद उसमें से निकल गई और पिछले पैड से टकरा गई। बेयरस्टो ने 13 गेंदों में 22 रन बनाए। प्रभसिमरन बीच में सैम कुरेन के साथ खेलते हुए ढीली गेंदों पर बाउंड्री लगात रहे।

नूर ने अपने अगले ही ओवर में गुजरात का एक और विकेट लेकर एक बार फिर पंजाब किंग्स के लिए मुश्किलें बढ़ा दीं। क्रीज पर मजबूत प्रभसिमरन खराब शॉट खेला और नूर के शिकार हो गए। क्रीज पर दो नए बल्लेबाज सिकंदर रजा और कुरेन नूर पर दबाव बनाना आसान नहीं था। नूर ने दो ओवर में दो विकेट लेकर मेहमान टीम पर दबाव बना दिया। रन रेट बढ़कर 11 रन प्रति ओवर हो गया है। अब सारा दारोमदार कुरेन पर था, जिन्होंने आईपीएल 2024 के पहले मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 63 रन की मैच जिताऊ पारी खेली थी। आरआरआर के दबाव में उमरजई ने कुरेन का बड़ा विकेट लिया। उन्?होंने अपना दूसरा ओवर फेंकते हुए कुरेन को आउट कर दिया।

उमेश यादव को आक्रमण करने के लिए वापस लाया गया और शशांक ने उनके ओवर में 17 रन ठोक दिए। पहली तीन गेंदों में से तीन सिंगल के बाद, अगली तीन गेंदों पर बल्लेबाज को 4, 6, 4 मिले। स्ट्रगलिंग रजा कवर के ऊपर से फुल-लेंथ डिलीवरी को चिप करने की कोशिश में 15 रन बनाकर आउट हो गए। पंजाब के लिए स्टार कलाकार नवोदित शशांक सिंह रहे, जिन्होंने बाउंड्री लगाना जारी रखा और मेहमान टीम को खेल में बनाए रखा। जितेश शर्मा सातवें नंबर पर आए और एक रन लेकर आउट हो गए।

हालांकि, खेल का निर्णायक मोड़ राशिद के स्पैल के आखिरी ओवर में आया, जब जितेश ने अगली ही गेंद पर आउट होने से पहले बैक-टू-बैक छक्के लगाए और 8 गेंदों में 16 रन बनाए। फिर भी पंजाब का पलड़ा भारी था और शशांक सिंह ने गेंद की बहुत अच्छी टाइमिंग की। पंजाब ने अर्शदीप सिंह के स्थान पर अपने इम्पैक्ट प्लेयर आशुतोष शर्मा को शामिल किया, जो पहली बार खेल रहे हैं। जब 18 गेंदों में 41 रनों की जरूरत थी, तब शर्मा ने उमरजई की गेंद पर दो चौके मारे और आखिरी गेंद पर भी एक चौका जमाया। यह एक बड़ा ओवर था, जिसमें पंजाब के लिए 18 रन आए, जिससे उन्हें आखिरी 12 गेंदों पर 25 रन चाहिए थे। शशांक सिंह ने अपना पहला आईपीएल अर्धशतक सिर्फ 25 गेंदों में बनाया। जब दर्शन नालकंडे ने मैच का अपना पहला ओवर फेंकते हुए आशुतोष शर्मा का बेशकीमती विकेट लिया और

संक्षिप्त स्कोर- गुजरात जायंट्स 20 ओवर में 199/4 (शुभमन गिल 89 नाबाद, साई सुदर्शन 33, कगिसो रबाडा 2-44, हरप्रीत बराड़ 1-33)

पंजाब किंग्स- 19.5 ओवर में 200/7 (शशांक सिंह 61 नाबाद, प्रभसिमरन सिंह) 35; नूर अहमद 2-32, दर्शन नालकंडे 1-6) तीन विकेट से।

दिल्ली की हार के बाद बरसे कोच रिकी पोंटिंग

विशाखापत्तनम। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में बुधवार 3 अप्रैल को खेले गए मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स की टीम को मिली हार से हर कोई हैरान है। टॉस जीतकर इस दिल्ली के खिलाफ मैच में कोलकाता के कप्तान श्रेयस अय्यर ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया था। टीम के प्रमुख स्पिनर सुनील नरेन से गौतम गंभीर ने फिर से ओपनिंग कराई और उन्होंने आकर 39 गेंद पर 85 रन की पारी खेल डाली। कोलकाता ने शुरुआती 11 ओवर में 150 रन ठोक डाले। डेब्यू करने उतरे अंगक्रिश रघुवंशी ने भी तेज अर्धशतक जमाया। आखिर में आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह की पारी की बदौलत टीम 272 रन तक पहुंचने में कामयाब हुई। टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कोलकाता नाइट राडर्स से 106 रन से मिली हार को अस्वीकार्य और निराशाजनक बताया। उन्होंने टीम के कप्तान ऋषभ पंत समेत तमाम गेंदबाजों की जमकर लताड़ा और पूरी टीम को फटकार लगाई है।

दिल्ली कैपिटल्स ने पहले केकेआर को सात विकेट पर 272 रन बनाने दिए और बाद में पूरी टीम 17.2 ओवर में 166 रन पर आउट हो गई। पोंटिंग ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' अभी इसकी समीक्षा करना मुश्किल है। पहले हाफ में टीम के प्रदर्शन से मैं बहुत निराश हूं। इतने रन देना समझ से परे है। हमने 17 वाइड गेंद डाली और अपने ओवर पूरे करने में दो घंटे लगे। नतीजा हम फिर दो ओवर पीछे रह गए जिसके मायने है कि आखिरी दो ओवर डालने वालों को सर्कल के बाद चार ही फील्डर मिले।'' कोलकाता के खिलाफ रसिक सलाम ने 3 ओवर में 47 रन दिए जबकि एनरिच नॉर्खिया ने 4 ओवर के बाद 59 रन खर्च कर डाले। ईशांत शर्मा ने 3 ओवर करने के बाद 43 रन लुटाए। उन्होंने कहा ,'' मैच में बहुत कुछ हुआ जो अस्वीकार्य है। हम टीम के भीतर इस पर बात करेंगे और जल्दी ही इसमें सुधार करेंगे। खुलकर अच्छी बातचीत होना जरूरी है।

ईशान आईपीएल में असफल हुए तो टी20 विश्वकप से होंगे बाहर

नई दिल्ली। टीम इंडिया से बाहर चल रहे बल्लेबाज ईशान किशन के पास इस आईपीएल सत्र में बेहतर प्रदर्शन कर टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने का अंतिम अवसर है। अब देखना है कि वह इसका कितना लाभ उठा पाते हैं। अभी तक उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पहले तीन मैचों में उनके नाम केवल 50 रन ही है और अगर वह इसी प्रकार खेलते रहे तो वापसी उनके लिए संभव नहीं होगी। आईपीएल के बाद भारतीय टीम सीधे ही टी20 विश्व कप में जाएगी। ईशान दक्षिण अफ्रीका में खेली गई सीरीज के बाद ही भारतीय टीम से बाहर हो गये थे।

मयंक यादव को घरेलू नहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उतारें- ब्रॉड

मुंबई। भारत के नए तेज गेंदबाजी मयंक यादव को घरेलु क्रिकेट नहीं उन्हें सीधे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उतारा जा सकता है ताकि करियर में चोटों का सामना करने के लिए उनका शरीर सख्त हो सके। यह कहना है इंग्लैंड के महान तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड का।

पिछले साल क्रिकेट के सभी प्रारूपों से विदा ले चुके इंग्लैंड के गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड का मानना है कि कम उम्र में ही शुरुआत करके मयंक यादव शीर्ष स्तर पर बहुत कुछ सीख सकते हैं लेकिन उन्हें उतार चढाव के लिए तैयार रहना होगा। ब्रॉड ने एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा कि उन्हें नहीं लगता कि मयंक यादव को घरेलू क्रिकेट खेलने की जरूरत है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेलकर उसका शरीर और सख्त हो जाएगा। ब्रॉड ने कहा कि उसका रनअप अच्छा है और उसे लाइन और लैंग्थ की भी अच्छी समझ है। किसी युवा गेंदबाज के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलना अच्छा सबक होता है। ब्रॉड ने कहा कि उन्होंने भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कम उम्र में शुरुआत करके ही बहुत कुछ सीखा। मयंक आईपीएल में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों के खिलाफ सीख रहा है।

इंग्लैंड के लिए 604 टेस्ट विकेट ले चुके ब्रॉड ने कहा कि मयंक को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खिलाने से उसे फायदा ही होगा क्योंकि भारत को एक अच्छा गेंदबाज मिल गया है। उन्होंने कहा कि वह मयंक को भारतीय टीम में देखना चाहेंगे। जरूरी नहीं कि वह खेले लेकिन ड्रेसिंग रूम में बहुत कुछ सीख सकता है। उसे सही ढंग से मैनेज करने की जरूरत है. मयंक को यह याद रखना होगा कि खेल में चोट भी लगेगी। ब्रॉड ने कहा पहले दो आईपीएल मैचों में किसी तेज गेंदबाज को मैन ऑफ द मैच गया ऐसा हमेशा नहीं होता।

ब्रॉड ने कहा कि मैं उम्मीद करता हूं कि वह तीनों प्रारूप खेलेगा। मयंक को अपेक्षाओं के दबाव की भी आदत डालनी होगी। उसे हर मैच में तो मैन ऑफ द मैच पुरस्कार नहीं मिलेगा। बता दें मयंक यादव आईपीएल 2024 में सबसे तेज गेंद डालने का रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। उन्होंने 2 मैचों में 6 विकेट लिए हैं। मयंक पर्पल कैप की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। इस लीग में मयंक ने बेस्ट गेंदबाजी करते हुए 14 रन देकर 3 विकेट हासिल किए हैं।

ओल्टमेंस से कोच बनने बात कर रहा पाकिस्तान हॉकी महासंघ

लाहौर। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए अब नीदरलैंड के रोलेंट ओल्टमेंस को अपनी राष्ट्रीय टीम का मुख्य कोच बनाना चाहता है। इसी को लेकर पीएचएफ अब ओल्टमेंस से बात कर रहा है। पीएचएफ ने मलेशिया और पोलैंड में मई जून में होने वाले अजलन शाह कप और नेशंस कप के लिये ओल्टमेंस को पाक टीम का कोच बनने को कहा है। ओल्टमेंस भारतीय टीम के भी कोच रहे हैं।

पीएचएफ के एक गुट के सचिव राणा मुजाहिद ने कहा है कि ओल्टमेंस से संपर्क किया गया है जबकि दूसरे धड़े का के सचिव हैदर हुसैन ने कहा है कि मुजाहिद के गुट को पीएचएफ से बाहर किया जा सकता है। ओलंपियन कलीमुल्लाह, वसीम फिरोज, नासिर अली और हनीफ खान के साथ हुसैन ने कहा कि केवल उनके गुट को ही विश्व हॉकी महासंघ (एफआईएच) से मान्यता मिली है।

उन्होंने कहा ,'' दो टूर्नामेंटों के आयोजकों ने हमसे माफी मांगी है कि उन्होंने गलती से लाहौर स्टेडियम में न्योता भेज दिया था क्योंकि हम ही मान्यता प्राप्त ईकाई हैं और इन टूर्नामेंटों में टीम भेज सकते हैं।'' पीएचएफ सचिव और पूर्व ओलंपियन ने कहा कि एफआईएच राष्ट्रीय महासंघ को निलंबित कर सकता है। ओल्टमेंस 2004 में पाकिस्तान की सीनियर और जूनियर टीम के कोच थे और हाल ही में जूनियर टीम से जुड़े थे।

ओल्टमेंस 2013 में भारतीय हॉकी के हाई परफॉर्मेंस निदेशक बने थे और भारतीय हॉकी को आगे बढ़ाने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। वह 2015 में पुरूष टीम के मुख्य कोच बने पर परिणाम अच्छे नहीं रहने से उन्हें दो साल बाद पद छोड़ना पड़ा था।

साथी खिलाड़ियों की नाकामी के कारण दबाव महसूस कर रहे कोहली - स्टीव स्मिथ

मुंबई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ का मानना है कि मौजूदा आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाजों की सामूहिक विफलता के कारण विराट कोहली काफी दबाव में हैं। कोहली ने इस आईपीएल सीजन में आरसीबी के लिए चार मैचों में 67.66 के औसत से दो अर्द्धशतक के साथ 203 रन बनाकर अपने दम पर संघर्ष कर रहे है। दूसरे सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज दिनेश कार्तिक इतने ही मैचों में 90 रन बनाकर काफी पीछे हैं।

कोहली की निरंतरता के बावजूद आरसीबी चार मैचों में तीन हार के साथ लड़खड़ा कर अंक तालिका में सातवें पायदान पर पहुंच गई है। ग्लेन मैक्सवेल, कप्तान फाफ डु प्लेसिस और कैमरून ग्रीन जैसे बल्लेबाज अब तक बल्ले से कमजोर रहे हैं। स्मिथ ने कहा, उन्हें अपने साथ खड़े होने के लिए अन्य प्रमुख बल्लेबाजों की जरूरत है और अगर वे ऐसा करते हैं, तब वे अपने सीजन के लिए चीजें बदल सकते हैं। लेकिन फिलहाल, वे इतने दबाव में नहीं हैं। स्मिथ ने चेतावनी दी कि कोहली हर मैच में रन नहीं बनाएंगे और आरसीबी के बल्लेबाजों को एकजुट होकर काम करना होगा। उन्होंने कहा, कोहली ने आईपीएल में अभियान की बहुत अच्छी शुरुआत की और उन्हें कुछ समर्थन की जरूरत है। वह हर मौके पर रन नहीं बना पाएंगे। स्मिथ ने उन आलोचना को खारिज कर दिया जो कोहली को अपने करियर में अपनी बल्लेबाजी स्ट्राइक-रेट को लेकर बार-बार झेलनी पड़ी है, उन्होंने कहा कि दुनिया का कोई भी खिलाड़ी परिस्थितियों को भारतीय बल्लेबाजों की तरह नहीं पढ़ सकता है। कोहली इस साल के आईपीएल में 140 से अधिक रन बना रहे हैं। उन्होंने कहा, विराट एक अविश्वसनीय खिलाड़ी हैं। वह वास्तव में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, और शायद दुनिया के अधिकांश लोगों की तुलना में बेहतर हैं, वह खेल की परिस्थितियों और स्थिति का आकलन कर उसके हिसाब से खेलते हैं। उन्होंने कहा, अगर उस बड़ा हमला करने की जरूरत है, तब वह ऐसा करता है। अगर कोहली को थोड़ा वापस लाने और कुछ साझेदारियां बनाने की जरूरत है...आपको हर मैदान पर 180 की जरूरत नहीं है, कुछ मैदानों पर 150-160 पर्याप्त हो सकते हैं। विराट परिस्थितियों और स्थिति को बहुत अच्छे से बताते हैं।

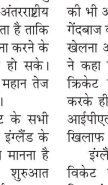

पंजाब के शशांक के नाम का बजा डंका

अहमदाबाद। पंजाब किंग्स के बल्लेबाज शशांक सिंह ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 29 गेंदों पर 61 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाई। शशांक पहली बार 2017 में आईपीएल का हिस्सा बने थे। तब दिल्ली ने उन्हें खरीदा था। 2019 से 2021 तक राजस्थान रॉयल्स टीम में रहे लेकिन इन दौरान एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। आईपीएल 2022 में शशांक को सनराइजर्स हैदराबाद ने खरीदा था। 30 साल की उम्र में उन्होंने आईपीएल डेब्यू किया। वह पहली बार चर्चा में तब आए जब गुजरात टाइटंस के खिलाफ ही लॉकी फर्ग्यूसन को लगातार तीन गेंद पर तीन छक्के मारे। ये तीनों छक्के पारी की आखिरी गेंद पर आए थे। इसके बाद आईपीएल के 2023 सीजन से पहले हैदराबाद ने उन्हें रिलीज कर दिया और फिर नीलामी में अनसोल्ड रहे। यह किसी भी खिलाड़ी को तोड़ने के लिए काफी था। शशांक आईपीएल 2024 की ऑक्शन में सोल्ड तो हुए लेकिन विवाद भी खूब किया। शशांक सिंह नाम के दो खिलाड़ी ऑक्शन में थे। पंजाब किंग्स ने शशांक पर बोली लगा दी। सोल्ड होने के बाद उन्हें लगा कि शशांक को गलत खरीद लिया है। उन्होंने लाइव ऑक्शन में बोला डील कैंसिल करने को कहा लेकिन ऑक्शनर ने मना कर दिया। ऐसे में पंजाब के पास शशांक को रखने के अलावा कोई चारा नहीं बचा। बाद में उन्होंने सफाई देने की काफी कोशिश की। असली और नकली शशांक सिंह के चर्चा के बीच आईपीएल ऑक्शन के बाद डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट खेला गया। इस टूर्नामेंट में शिखर धवन ने शशांक की कप्तानी में खेले। डीवाई पाटिल ग्रुप बी टीम के कोच सुब्रमण्यम दोरईस्वामी ने क्रिकबज से कहा कि शिखर ने शशांक को करीब से देखा है और उनकी बल्लेबाजी देखी है।

साइमन डूल ने कहा, पंत और गिल को उनकी टीम में जगह नहीं

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 के खत्म होने के 5 दिन बाद ही टी20 वर्ल्ड कप 2024 शुरू हो रहा है। इसकारण इस साल के आईपीएल की एक अहम कहानी ये है कि खिलाड़ी टी20 वर्ल्ड कप टीम में चुनने के लिए कैसा प्रदर्शन करते हैं। भारतीय टीम की घोषणा इसी महीने के अंत में होगी और आईपीएल का प्रदर्शन इसमें अहम होगा। न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर और महशूर कमेंटेटर साइमन डूल ने कहा है कि युवा प्रतिभा शुभमन गिल और ऋषभ पंत को उनकी टीम में जगह नहीं मिलेगी।

डूल का कहना है कि पंत एकतरफा बल्लेबाज हैं, जो सिर्फ लेग साइड पर ही ज्यादा रन बनाते हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनका अच्छा प्रदर्शन टी20 में दिखाई नहीं देता। दूसरी तरफ, गिल के लिए भारतीय टीम की ओपनिंग में जगह नहीं है क्योंकि पहले से ही कई मजबूत खिलाड़ी हैं। डूल ने कहा, पंत को टीम में जगह बनाने क लिए काफी मेहनत करनी होगी। उन्हें सिर्फ विकेटकीपर के भरोसे नहीं रहना चाहिए। उन्हें ये साबित करना होगा कि वे मिडिल ऑर्डर में भी नंबर 5 पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। अभी उनकी बल्लेबाजी थोड़ी एकतरफा दिखाई देती है। टेस्ट में वहां शानदार खिलाड़ी हैं, लेकिन टी20 में पंत ये प्रदर्शन दोहराया नहीं जा सके हैं। उन्हें ऑफ साइड पर भी गेंद को मारना सीखना होगा और सिर्फ पॉवर हिटिंग के भरोसे नहीं रहना चाहिए। डूल के अनुसार गिल के लिए टॉप ऑर्डर में जगह नहीं बनती दिख रही। उन्होंने कहा, वर्ल्ड कप में 15 खिलाड़ी जाते हैं लेकिन मेरे हिसाब से 18 खिलाड़ी होने चाहिए। आप एक ही अतिरिक्त ओपनर रख सकते हैं। अगर वहां केएल राहुल हैं, जो विकेटकीपिंग भी कर सकते हैं, तब ये बहुत फायदे की बात है। गिल का जायसवाल, कोहली या रोहित शर्मा से पहले टीम में जगह बना पाना मुश्किल है,तब उनका चयन मुश्किल है।

गिल भारत की वनडे और टेस्ट टीम के अहम खिलाड़ी हैं, लेकिन इस साल अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा गया था। हालांकि उन्होंने 2022 के आईपीएल में 890 रन बनाकर ऑरेंज कैप हासिल की थी। उन्होंने भारत के लिए 14 टी20 मैच खेले हैं और उनके नाम एक शतक के साथ 335 रन हैं। दूसरी तरफ, ऋषभ पंत का टी20 रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने 66 मैचों में सिर्फ 22.4 की औसत से 865 रन बनाए हैं।

सौम्या तिवारी एनसीए के लिए चयनित

भोपाल/इन्दौर। अरेरा क्रिकेट अकादमी, भोपाल की सौम्या तिवारी को बीसीसीआई द्वारा गठित आल इंडिया विमेंस चयन समिति ने उसके अंडर 23 एज ग्रुप में नेशनल विमेंस प्रतियोगिता के हाई परफॉरमेंस के आधार पर एनसीए कैंप बंगलौर दिनांक 22 अप्रेल से 16 मई 2024 तक के लिए चयन किया गया है। पिछले वर्ष एनसीए कैंप के प्रदर्शन पर सौम्या अंडर 19 वर्ल्ड कप और एशिया इमर्जिंग कप में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। सौम्या इस वर्ष नेशनल अंडर 23 टूर्नामेंट में मध्यप्रदेश टीम की कप्तान के रूप में 4 पारियों में नाबाद रही जिसमें दो अर्द्धशतक और नाबाद शतकीय पारी रही। पिछले महीने सेंट्रल जोन के लिए चयनित हुई थी। सौम्या तिवारी अरेरा क्रिकेट अकादमी में शुरू से प्रशिक्षण ले रही हैं। सौम्या के चयनित होने पर अकादमी के सभी खिलाड़ियों एवं पदाधिकारियों ने बधाईयां देते हुए बेहतर प्रदर्शन के शुभकामनाएं दी।

टेस्ट क्रिकेट के 146 वर्ष के इतिहास में...ये उपलब्धि सिर्फ एशिया की टीमों के नाम

नई दिल्ली। किसी टेस्ट में किसी टीम के टॉप के चारों बल्लेबाज शतक जड़ने में कामयाब हों, ऐसा मुश्किल से होता है। टेस्ट क्रिकेट के 146 वर्ष के इतिहास में अब तक तीन मौके ही हैं, जब किसी एक टीम के शीर्ष के चारों बल्लेबाज ने शतक बनाए हों। खास बात यह है कि तीनों ही बार एशिया की टीम ने ऐसा किया है। भारतीय टीम ने सबसे पहले 2007 में बांग्लादेश के खिलाफ यह ऐतिहासिक कारनामा किया था। इसके 12 साल बाद पाकिस्तान ने टीम इंडिया की उपलब्धि को फिर दोहराया। साल 2019 में श्रीलंका के खिलाफ कराची टेस्ट में पाकिस्तान के शीर्ष के चारों बल्लेबाज ने सैकड़ा लगाया था। सबसे आखिरी बार श्रीलंका टीम ने आयरलैंड के खिलाफ अप्रैल 2023 में गॉल टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की थी।

किसी टेस्ट की एक ही पारी में 4 बल्लेबाजों के शतक जमाने से बड़ा स्कोर बनना स्वाभाविक है। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट में भारतीय टीम, श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में पाकिस्तानी टीम और आयरलैंड के खिलाफ टेस्ट में श्रीलंका टीम विशाल स्कोर खड़ा करने और बड़ी जीत हासिल करने में कामयाब हुई थी। जहां भारत और श्रीलंका के टॉप 4 बैटरों ने पहली पारी में शतक जमाए थे, वहीं पाकिस्तान के टॉप 4 बैटरों ने दूसरी पारी में यह कमाल किया था।

कार्तिक, जाफर, द्रविड़ और सचिन के शतक

भारत और बांग्लादेश के बीच दिसंबर 2007 में ढाका में खेले गए इस टेस्ट में भारतीय टीम ने बांग्लादेश के आमंत्रण पर पहले बल्लेबाजी कर पहली पारी 3 विकेट पर 610 रन बनाने के बाद घोषित की थी। टीम इंडिया के बड़े स्कोर में टॉप के चारों बल्लेबाजों दिनेश कार्तिक, वसीम जाफर, राहुल द्रविड़ और सचिन तेंदुलकर ने शतक जड़े थे। मैच में कार्तिक और जाफर की जोड़ी ने पारी की शुरुआत की थी। कार्तिक ने मैच में 129 रन (16 चौके) बनाए थे, जबकि जाफर 138 रन (17 चौके) बनाने के बाद रिटायर हुए थे। अगले दोनों बल्लेबाज राहुल द्रविड़ (129 रन, 15 चौके व एक छक्का) और सचिन तेंदुलकर (नाबाद 122, आठ चौके व एक छक्का) ने भी शतक जमाया था। कार्तिक, द्रविड़ और सौरव गांगुली आउट होने वाले बैटर रहे थे, जबकि जाफर रिटायर हुए थे। सचिन के साथ एमएस धोनी 51 रन बनाकर नाबाद रहे थे।

भारत के 610 रनों के विशाल स्कोर के जवाब में बांग्लादेश टीम ने घुटने टेक दिए थे। पहली पारी में मेजबान टीम 118 और दूसरी पारी में 253 रन बनाकर आउट हो गई थी। तीन दिन में ही मैच भारत ने एक पारी और 239 रन से जीत लिया था।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला आज

जयपुर। खराब फॉर्म से दो चार हो रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और शानदार प्रदर्शन कर रही राजस्थान रॉयल्स दोनों को अपने शीर्षक्रम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। आरसीबी फिलहाल दस टीमों में आठवें स्थान पर है, जो उसके खराब प्रदर्शन को दिखाता है। वहीं रॉयल्स दूसरे स्थान पर है, लेकिन इसके बाद भी उसके शीर्षक्रम ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। आरसीबी के पास शीर्षक्रम में कप्तान फाफ डु प्लेसी, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरून ग्रीन और रजत पाटीदार जैसे शानदार आक्रामक बल्लेबाज हैं, लेकिन कोई भी एक ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सका। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली दो अर्धशतक सहित 203 रन बनाकर ऑरेंज कैप हासिल कर चुके हैं, लेकिन कोहली को दूसरे छोर से किसी भी खिलाड़ी का सहयोग नहीं मिला। पाटीदार ने लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ 29 रन बनाए लेकिन उनसे इससे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। कैमरून ग्रीन की जगह प्लेइंग इलेवन में विस्फोटक बल्लेबाज विल जैक्स को शामिल किया जा सकता है। मयंक डागर की जगह लेग स्पिनर कर्ण शर्मा को मौका मिल सकता है। दूसरी ओर रॉयल्स के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल अच्छा फॉर्म लेकर आईपीएल में आए थे, लेकिन तीन मैचों में 39 रन ही बना सके हैं। जोस बटलर की भी यहीं कहानी है। बटलर ने तीन मैचों में 35 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 85 का रहा है। रॉयल्स की बल्लेबाजी की धुरी कप्तान संजू सैमसन (109 रन) और रियान पराग (181 रन) रहे हैं। दोनों को दूसरे बल्लेबाजों से भी सहयोग की जरूरत होगी। गेंदबाजी में राजस्थान का पलड़ा भारी है,उसके पास तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट और नांद्रे बर्गर के अलावा अनुभवी लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल है। ये तीनों मिलकर 16 विकेट ले चुके हैं। अनुभवी रविचंद्रन अश्विन ने हालांकि तीन मैचों में एक ही विकेट लिया है। पिछले मैच में फिटनेस की वजह से नहीं खेलने वाले संदीप शर्मा की वापसी हो सकती है। संदीप, आवेश या चहल में से किसी एक का इस्तेमाल इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में होगा।

संभावित प्लेइंग इलेवन

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु- विराट कोहली, फाफ डु प्लेसिस (कप्तान), विल जैक्स, ग्लेन मैक्सवेल, रजत पाटीदार, दिनेश कार्तिक, अनुज रावत (विकेटकीपर), कर्ण शर्मा, रीस टॉपले, मोहम्मद सिराज, यश दयाल।

इम्पैक्ट के विकल्प- सुयश प्रभुदेसाई, महिपाल लोमरोर, मयंक डागर, विजयकुमार वैशाख, स्वप्निल सिंह

राजस्थान रॉयल्स- यशस्वी जयसवाल, जोस बटलर, संजू सैमसन (विकेटकीपर/कप्तान), रियान पराग, ध्रुव जुरेल, शिमरोन हेटमायर, रविचंद्रन अश्विन, ट्रेंट बोल्ट, अवेश खान, नंद्रे बर्गर, युजवेंद्र चहल।

इम्पैक्ट के विकल्प- रोवमैन पॉवेल, तनुश कोटियन, कुलदीप सेन, शुभम दुबे, संदीप शर्मा।

ब्रिटिश अखबार का दावा :

पाकिस्तान में भारत अपने दुश्मनों को चुन-चुनकर मार रहा

नई दिल्ली(ईएमएस)। पाकिस्तान में कई ऐसे लोग रह रहे हैं जो भारत के लिए वांटेड अपराधी है। इनमें से कई खूंखार आतंकी है और भारत में धमाके करने के बाद पाकिस्तान भाग गए। जबकि कुछ वहीं बैठे बैठे भारत में आतंक फैलाने का काम कर रहे हैं। ऐसे कई लोग बीते सालों में पाकिस्तान से या तो गायब हो गए या फिर उनकी हत्या कर दी गई। ब्रिटिश अखबार द गार्जियन अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि भारत सरकार के इशारों पर इस तरह की हत्याएं हों रही है। इधर भारत सरकार ने इस मामले में दो टूक कहा है कि आतंकियों की टारगेटेड किलिंग में हम लोग विश्वास नहीं रखते हैं,ये सिर्फ एक प्रोपेगेंडा है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इन आरोपों को झूठा और एंटी-इंडिया प्रोपेगेंडा बताया। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर यह पहले ही कह चुके हैं कि दूसरे देशों में लक्षित हत्याएं कराना भारत सरकार की नीति नहीं है।

पाकिस्तान में पिछले कुछ सालों में एक के बाद एक भारत के दुश्मन अचानक गायब हो रहे हैं। रिपोर्ट में दावा किया है कि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऑफिस ने पाकिस्तान में आतंकियों की हत्या का आदेश दिया है। रिपोर्ट में भारतीय और पाकिस्तानी खुफिया अधिकारियों के हवाले से ये दावा किया गया है।

इसके मुताबिक, भारत की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) ने विदेशी धरती पर रहने वाले आतंकवादियों को खत्म करने की रणनीति बनाई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रॉ को सीधे पीएम मोदी के कार्यालय द्वारा कंट्रोल किया जाता है। इसमें ये भी कहा गया है कि रॉ अपनी इजरायली समकक्ष मोसाद के नक्शेकदम पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की खुफिया एजेंसी ने कथित तौर पर 2019 के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक अलग दृष्टिकोण अपनाया और विदेशों में हत्याएं करना शुरू कर दिया। बता दें कि यह तीसरी बार है जब भारत पर विदेशी धरती पर लोगों की हत्या या हत्या का प्रयास करने का आरोप लगाया गया है। इससे पहले, कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने दावा किया था कि खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार के एजेंट शामिल थे। बाद में, अमेरिका ने भी यह दावा किया था कि उन्होंने एक अन्य खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नून की हत्या के प्रयास को विफल कर दिया था।

खुफिया अधिकारी के अनुसार, 2018 में इस्तांबुल में सऊदी वाणिज्य दूतावास में सऊदी पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या कर दी गई थी। इस हत्या ने भारत को भी प्रेरित किया। अधिकारी ने बताया, जमाल खशोगी की हत्या के कुछ महीने बाद प्रधानमंत्री कार्यालय में खुफिया विभाग के शीर्ष अधिकारियों के बीच इस बात पर बहस हुई थी कि इस मामले से कैसे कुछ सीखा जा सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बैठक में कहा कि अगर सउदी ऐसा कर सकते हैं तो हम क्यों नहीं? सउदी ने जो किया वह बहुत असरदार था। आप न केवल अपने दुश्मन से छुटकारा पाते हैं बल्कि आपके खिलाफ काम करने वाले लोगों को एक भयावह संदेश, चेतावनी भी भेजते हैं। हर खुफिया एजेंसी ऐसा करती रही है। अपने दुश्मनों को खत्म किए बिना हमारा देश मजबूत नहीं हो सकता। अधिकारी ने कहा कि भारत ने इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद और रूस की केजीबी से प्रेरणा ली है। इन एजेंसियों के बारे में कहा जाता है कि ये अपने दुश्मनों को विदेशी धरती पर ही खत्म कर देते हैं। दो अलग-अलग पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि उन्हें 2020 के बाद से 20 हत्याओं में भारत की संलिप्तता का संदेह है। उन्होंने सात मामलों की ओर इशारा किया जिनमें पूछताछ की गई और इससे संबंधित सबूत जुटाए गए। इसमें गवाहों की गवाही, गिरफ्तारी रिकॉर्ड, वित्तीय विवरण, व्हाट्सएप चैट और पासपोर्ट शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि सबूत भारत की ओर इशारा कर रहे हैं कि कैसे वह पाकिस्तान में कत्लेआम मचा रहा है।पाकिस्तानी खुफिया सूत्रों ने दावा किया कि 2023 में टारगेट किलिंग में काफी वृद्धि हुई है, जिसमें भारत पर लगभग 15 लोगों की संदिग्ध मौतों में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। अधिकांश लोगों को अज्ञात बंदूकधारियों ने करीब से गोली मारी थी। जाहिद अखुंद की हत्या के पीछे भी भारत के एजेंट शामिल थे। जाहिद अखुंद कश्मीरी आतंकवादी जहूर मिस्त्री के नाम से भी जाना जाता था। वह एयर इंडिया की फ्लाइट को हाइजैक करने की घटना में शामिल था। पाकिस्तानी दस्तावेजों में कहा गया है कि एक रॉ हैंडलर ने कथित तौर पर महीनों तक अखुंद की गतिविधियों और स्थान के बारे में जानकारी हासिल की। फिर उस हैंडलर ने कथित तौर पर एक पत्रकार होने का नाटक करते हुए सीधे उससे संपर्क किया। वह केवल उसकी पुष्टि करना चाहती थी।

मई 2023 में, खालिस्तान कमांडो फोर्स (केसीएफ) के प्रमुख परमजीत सिंह पंजवार की पाकिस्तान के लाहौर में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। रिपोर्टों में कहा गया था कि पंजवार भारत के मोस्ट वांटेड आतंकवादियों में से एक था।

क्षत्रिय समाज की टिकट रद्द करने की मांग के बीच पुरुषोत्तम रूपाला ने शुरू किया चुनाव प्रचार

राजकोट। राजकोट से भाजपा उम्मीदवार पुरुषोत्तम रूपाला ने क्षत्रिय समाज के विरोध के बीच चुनाव प्रचार का श्रीगणेश कर दिया है। क्षत्रिय समाज पुरुषोत्तम रूपाला का राजकोट से टिकट रद्द करने की मांग पर अब भी अडिग है। लेकिन दिल्ली से लौटने के बाद राजकोट पहुंचे पुरुषोत्तम रूपाला ने क्षत्रिय समाज की कुलदेवी और राजपूतों की आस्था का केन्द्र मां आशापुरा के दर्शन किए। मां आशापुरा मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद रूपाला ने स्थानीय नेता और वर्तमान सांसद मोहन कुंडारिया के साथ डोर टू डोर प्रचार शुरू कर दिया और मतदाताओं को पत्रिकाएं भी दीं। लोकसभा चुनाव में जीत के लिए पसीना बहा रहे पुरुषोत्तम रूपाला भाजपा के स्थानीय नेता, राज्यसभा सांसद, विधायक और प्रदेश संगठन के नेताओं के साथ जमीन पर बैठकर घर से लाए गए टिफिन से भोजन किया। इतना ही नहीं पुरुषोत्तम रूपाला ने महिलाओं के कई कार्यक्रमों में भी शिरकत की। दूसरी ओर क्षत्रिय आंदोलन का चेहरा बन चुकी पद्मिनीबा वाळा भी रूपाला के विरोध में कोई कसर नहीं छोड़ रहीं। पद्मिनीबा ने रूपाला के खिलाफ डोर टू डोर प्रचार किया और बॉयकॉट रूपाला की पत्रिकाएं बांटी। साथ ही उन्होंने कहा कि जब तक रूपाला का टिकट रद्द नहीं होता तब तक उनका अनशन जारी रहेगा। रूपाला के मां आशापुरा के दर्शन करने पर पद्मिनीबा ने कहा कि देवी माता भी एक शक्ति हैं। बहन-बेटियों पर विवादित टिप्पणी करने वाले को देवी माता कभी माफ नहीं करेंगी। बता दें कि राजकोट सीट से भाजपा प्रत्याशी पुरुषोत्तम रूपाला आगामी 12 अप्रैल को नामांकन दाखिल करेंगे। जिसे लेकर क्षत्रिय समाज ने चेतावनी दी है कि अगर रूपाला ने नामांकन भरा तो बड़ा महासम्मेलन आयोजित करेंगे और विरोध की इस आग को गुजरात के बाहर ले जाएंगे। फिलहाल क्षत्रिय समाज के विरोध के बीच पुरुषोत्तम रूपाला ने चुनाव प्रचार जोर-शोर से शुरू कर दिया है। पुरुषोत्तम रूपाला की सक्रियता देख नहीं लगता है कि भाजपा उनका टिकट रद्द करने की मूड में नहीं है। दूसरी ओर खबर है कि करणनी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपालसिंह मकराणा गुजरात आनेवाले हैं। ऐसे में देखना होगा कि विरोध और दबाव के आगे नहीं झूकने की राजनीति कहां तक जाती है।

आचार संहिता के उल्लंघन में फंसे बंगाल के शिक्षा मंत्री, जा सकता है मंत्री पद

कोलकाता। तृणमूल से संबद्ध वेस्ट बंगाल कॉलेज एंड यूनिवर्सिटी प्रोफेसर्स एसोसिएशन (डब्ल्यूबीसीयूपीए) का सम्मेलन गौड़ बंगा विश?वविद्यालय में आयोजित किया गया था, जिसमें शिक्षा मंत्री बसु मौजूद थे, क?योंकि वह डब्ल्यूबीसीयूपीए के अध्यक्ष भी हैं। उस सम्मेलन में बसु की मौजूदगी को राज्यपाल कार्यालय ने एमसीसी का उल्लंघन माना और उन्हें शिक्षा मंत्री के पद से तत्काल हटाने की सिफारिश की है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने गुरुवार को आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) उल्लंघन के आरोप में राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु को तत्काल प्रभाव से हटाने की सिफारिश की। राजभवन के सूत्रों के अनुसार, राज्यपाल ने 30 मार्च को उत्तर बंगाल के गौर बंगा विश?वविद्यालय में हुए तृणमूल कांग्रेस के एक सम्मेलन में बसु की मौजूदगी पर ध्यान दिया, जो एमसीसी का उल्लंघन है।

घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए बसु ने राज्यपाल की सिफारिश को हास्?यास्?पद बताया, जिसमें कहा गया कि यदि उन्होंने एमसीसी का उल्लंघन किया है, तो मामले को भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के ध्यान में लाया जाना चाहिए था।बसु ने कहा, 卐इस तरह के किसी भी मामले को ईसीआई के संज्ञान में लाना किसी भी राजनीतिक दल का विशेषाधिकार है। मगर इस तरह का आरोप लगाकर राज्यपाल ने अपने संवैधानिक पद का दुरुपयोग किया है और अपनी राजनीतिक पहचान उजागर की है।उन्होंने यह भी दावा किया कि संविधान के प्रावधानों के अनुसार, राज्य मंत्रिमंडल के किसी भी सदस्य को नियुक्त करने या हटाने की सिफारिश करने का अधिकार मुख्यमंत्री के पास है।बसु ने कहा, उन्होंने (राज्यपाल ने) न केवल अपना असली रंग दिखाया है, बल्कि अपनी संवैधानिक सीमा भी पार कर ली है।

ग्रामीण पुलिस का ग्राम तुमड़ी टोला में छापा

1 लाख 4854 रुपए की अंग्रेजी शराब व्हिस्की, बियर जप्त

एक व्यक्ति गिरफ्तार- न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया जिला जेल

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। ग्रामीण पुलिस ने ग्राम तुमड़ीटोला घेराबंदी कर एक मकान से अंग्रेजी शराब का जखीरा जप्त किया तथा इस अंग्रेजी शराब को अवैध रूप से रखने के आरोप में लाल सिंह पिता समीलाल पन्द्रे 55 वर्ष को गिरफ्तार किया है। जिसके पास जप्त की गई। अंग्रेजी शराब की कीमत 104854 रुपए की बताई गई है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया है। ग्रामीण पुलिस के मुताबिक बुधवार की शाम थाना प्रभारी राम सिंह पटेल अपने स्टाफ के साथ समनापुर की ओर भ्रमण पर निकले थे तभी सूचना मिली कि ग्राम तुमड़ी टोला में सुनील पन्द्रे के घर पर भारी मात्रा में अवैध रूप से अंग्रेजी शराब रखी हुई है। इस सूचना पर थाना प्रभारी राम सिंह पटेल ने अपने स्टाफ के साथ तुमड़ी टोला में सुनील पन्द्रे के घर घेराबंदी कर छापा मार कार्रवाई की। इस दौरान वहा से एक व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया जिसे घेराबंदी कर पकड़े नाम पूछने पर उस व्यक्ति ने अपना नाम लालसिंह। पिता समी लाल पन्द्रे 55 वर्ष तुमड़ीटोला मगरदर्रा निवासी बताया। घर की तलाशी लेने पर छपरी में 15 कार्टून पाए गए।। इन कार्टूनों में अंग्रेजी शराब अत्यधिक मात्रा में पाई गई। जिनमे मेकडॉल रम के तीन कार्टून में 180 एम एल के 138 क्वार्टर, एक कार्टून में मेकडॉल रम के 750 एम एल की 8 बाटल, एक कार्टून में मैजिक मोमेंट वोडका के 180 एम एल के 54 क्वार्टर,4 कार्टून में बैगपाइपर विस्की के 375 एमएल की91 हाफ बाटल,एक कार्टून में ओल्डमन्क के 750 एमएल की 9 बाटल,एक कार्टून मेआईबी विस्की की 375 एमएल की 21 हाफ बाटल , एक कार्टून में ब्लैक बकार्डी रम के 180 एमएल के 46 क्वार्टर, एक कार्टून में ऑफिसर च्वाईस 90 एम एल के 92 नग, एक कार्टून में गोवा शराब के 180 एम एल के 40 क्वार्टर , एक कार्टून में बीयर की 650 एम एल की 11 बाटल, जप्त की गई। जबकि गई इन अंग्रेजी व्हिस्की और बीयर की कीमत 104854 रुपए बताई गई है इन अंग्रेजी शराब बियर को रखने के संबंध में लाल सिंह पन्द्रे के पास कोई वैध दस्तावेज लाइसेंस नहीं पाया गया जो इस अंग्रेजी शराब बीयर को अपने पास अवैध रूप से रखा हुआ था। जिसे धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार करके बालाघाट की अदालत में पेश कर दिए। जहा से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है। इस कार्यवाही में नगर पुलिस अधीक्षक अंजुल अयक मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी राम सिंह पटेल ,उप निरीक्षक देवेंद्र पड़वार ,सहायक उप निरीक्षक जगदीश सैयाम, प्रधान आरक्षक विद्यासागर पटले, प्रधान आरक्षक गोविंद वरकडे, आरक्षक खिलेंद्र राहंगडाले, आरक्षक भूपेंद्र जाट, महिला आरक्षक मेघा टेकाम की सराहनीय भूमिका रही।

हाईकोर्ट ने पुलिस से पूछा स्कूल ड्रेस में पीएम को देखने जाना कौन सा अपराध है

चैन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली में बच्चों के स्कूल ड्रेस में शामिल होने से विवाद हो गया था। अब मद्रास हाईकोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने पर पुलिस से सवाल किया है कि स्कूली यूनिफॉर्म में रैली में बच्चों की मौजूदगी अपराध कैसे हो गया? इस मामले पर जस्टिस जी जयचंद्रन सुनवाई करते हुए कहा, जब हम बच्चे थे, तो हम चुनाव प्रचार अभियान के दौरान हस्तियों और राजनेताओं को देखने जाते थे...। अदालत ने स्कूल को बलपूर्वक कार्रवाई के खिलाफ मिली अंतरिम सुरक्षा को अगले आदेश तक बढ़ा दिया है।

साथ ही कोर्ट ने कोयंबटूर पुलिस को 8 अप्रैल तक जवाब देने के लिए कहा है।

यूएन हमें न बताए कि भारत में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष होने चाहिए- जयशंकर

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में अपने मंत्रिमंडल सहयोगी और भाजपा उम्मीदवार राजीव चंद्रशेखर के लिए प्रचार करने यहां पहुंचे जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र अधिकारी ने पिछले सप्ताह एक प्रेस वार्ता के दौरान एक 'भारी भरकम सवाल' के जवाब में भारतीय चुनावों पर टिप्पणी की थी। जयशंकर ने संवाददाताओं से कहा, 'संयुक्त राष्ट्र को हमे यह कहने की जरूरत नहीं है कि हमारे चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष होने चाहिए। मेरे साथ भारत के लोग हैं। भारत के लोग यह सुनिश्चित करेंगे कि चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष हों। इसलिए, इसके बारे में चिंता न करें।'

पिछले सप्ताह, संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और विपक्षी दल कांग्रेस के बैंक

खातों को 'फ्रीज' करने के मद्देनजर आगामी आम चुनावों से पहले भारत में 'राजनीतिक अशांति' के बारे में पूछा गया था, जिसके जवाब में दुजारिक ने टिप्पणी की थी। डुजारिक ने कहा था, 'हमें बहुत उम्मीद है कि भारत में, जैसा कि चुनाव वाले किसी भी देश में होता है, राजनीतिक और नागरिक अधिकारों सहित सभी के अधिकारों की रक्षा की जाएगी और हर कोई स्वतंत्र और निष्पक्ष माहौल में मतदान करने में सक्षम होगा।'

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को भारत में चुनावों पर संयुक्त राष्ट्र के एक वरिष्ठ अधिकारी की हालिया टिप्पणी को लेकर जवाब दिया है। उन्होंने टिप्पणी को खारिज करते हुए कहा है कि वैश्विक निकाय को यह बताने की जरूरत नहीं है कि देश में चुनाव 'स्वतंत्र और निष्पक्ष' होने चाहिए। विदेश मंत्री ने यह टिप्पणी संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता के बयान से जुड़े सवाल पर की, जिसमें प्रवक्ता ने कहा था कि उन्हें 'उम्मीद' है कि भारत में लोगों के 'राजनीतिक और नागरिक अधिकारों' की रक्षा की जाएगी और हर कोई 'स्वतंत्र और निष्पक्ष' माहौल में मतदान करने में सक्षम होगा।

पेयजल के लिए कंट्रोल रूम पर आने वाली शिकायतों को सामान्य न माने

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल समस्या में निराकरण के लिए लोक स्वास्थ्य विभाग, नगरीय निकाय और ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने लोक स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि पेयजल की समस्याओं के निराकरण के लिए विभिन्न कंट्रोल स्थापित किये गए है। किसी भी कंट्रोल रूम पर आने वाली समस्या/ शिकायत को त्वरित सीरियसली लेंगे। साथ ही समस्या निवारण के लिए तत्काल प्रयास प्रारम्भ किये जायें। इसके अलावा फील्ड से तहसीलदार, सीएमओ या सीईओ आदि से कोई भी सूचना पेयजल से जुड़ी है। उस पर सक्रियता से कार्य करेंगे। कलेक्टर डॉ. मिश्रा यह भी निर्देश दिए कि किसी क्षेत्र में जल स्त्रोत सुख रहे है तो राइजिंग पाइप डालकर समस्याओं का निराकरण करें। यदि

कही निजी ट्यूबवेल या कुंआ अधिग्रहण करना है तो प्रस्ताव भेजें। वहीं किसी क्षेत्र में जल परिवहन किया जा रहा है तो उस क्षेत्र का भौतिक सत्यापन आवश्यक रूप से कर लेंवे। बिजली की समस्या के कारण कही भी पेयजल वितरण का कार्य प्रभावित नही हो यह सुनिश्चित किया जाए। जलकर वसूली आवश्यक है लेकिन नल कनेक्शन कांटे न जाये। कलेक्टर डॉ. मिश्रा में कुछ गाँवो में पेयजल की समस्या के सम्बंध में जानकारी भी ली। सम्बंधित सीईओ ने बताया कि स्थानीय स्तर समस्या का समाधान किया जा चुका है। जल स्त्रोत सुख रहे है तो बोरिंग मशीन ले जाकर खुदाई या कुँवा गहरीकरण आदि के कार्य प्रारम्भ करें। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री बीएल उइके, बालाघाट नपा सीएमओ निशांत श्रीवास्तव सहित समस्त सीईओ व सीएमओ मौजूद रहे।

सार्वजनिक स्त्रोत में क्लोरीन डाला जाये

बैठक के दौरान जिपं सीईओ श्री डीएस रणदा ने सभी सीईओ व सीएमओ से कहा कि जिले के सभी सार्वजनिक पेयजल स्त्रोतों में आवश्यक रूप से क्लोरीन का उपयोग किया जाए। लोक स्वास्थ्य विभाग इसकी भी चिंता आवश्यक रूप से करें।

मगफिरत की रात- शब ए कद्र आज

बालाघाट (पदमेश न्यूज़)। उर्दू भाषा का शब्द शब ए कद्र दो शब्दों से मिलकर बना है जहां शब का हिंदी अर्थ रात है तो वही कद्र का अर्थ जिसकी कद्र की जाए होता है अर्थात ऐसी रात जिसकी कद्र की जाए शब ए कद्र कहलाती हैं। रमजान माह के अंतिम पड़ाव में यह रात आज शनिवार को है।जहां मुस्लिम समाज के लोग पूरी रात जाग कर विशेष नमाज, तिलावते कुरान और अन्य इबादतो में गुजार कर एक अल्लाह से अपनी मगफिरत की दुआएं मांगेगे।साथ ही मुस्लिम समाज द्वारा इस विशेष रात में इबादत कर गुनाहों से निजात और मगफिरत की दुआएं मांगी जाएंगी। आपको बताए कि रमजान शरीफ के आखिरी अशरे में नेमतों की यह रात शबे कद्र आती है जिसके ठीक 3 दिन बाद चांद की तस्दीक कर ईद का त्यौहार मनाया जाता है। जहां 29 वा चांद दिखने पर 10 अप्रैल बुधवार को, तो वहीं 30 वा चांद देखने पर 11अप्रैल गुरुवार को रमजान ईद मनाई जाएगी जिसकी तैयारियां मुस्लिम समाज द्वारा शुरू कर दी गई है।

अलविदा जुमा पर रोजेदारों की आँखे हुई नम

माहे रमजान में अलविदा जुम्मा का अपना विशेष महत्व है। इस रमजान में महीने का आखिरी जुमा आज 5 अप्रैल को अदा किया गया।इस अलविदा जुम्मा को लेकर मस्जिदों में भीड़ बनी रही जहा रोजेदार अलविदा जुमा पर नम आंखों से दुआएं करते हुए इस पवित्र महीने को अलविदा कहते नजर आए इसके बाद आज 27 वी शब यानी शब ए कद्र मनाई जाएगी। जिसमें समाज के लोग पूरी रात एक अल्लाह की इबादत करेंगे। वही 29 वे रोजे से चांद का दीदार करने की उत्सुकता रहेगी और चांद नजर आने पर ईद मनाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि मस्जिदों में सामूहिक रूप से माहे रमजान के सभी आयोजन हुए है। सेहरी का दौर चला है तो इफ्तार की महफिल सजी है। तरावीह, पांच वक्त की नमाजों के अलावा अन्य सभी इबादतो में मुस्लिम समाजनों ने शिरकत की है और महीना भर मस्जिद गुलजार नजर आई है। ईद की खुशियों के बीच अब इस पवित्र महीने के अलविदा होने का भी इबादत गुजारो को गम है।

मस्जिदों और घरों में होगी विशेष इबादत

मुस्लिम समाज के लोगों पर 5 फर्जों की अदायगी अनिवार्य की गई है जिसमें रमजान शरीफ के रोजे रखना भी एक अहम फर्ज है अपने इसी फर्ज की अदायगी के लिए मुस्लिम समाज द्वारा रमजान शरीफ में पूरे माह रोजा रख विशेष इबादत की जाती है वही रमजान शरीफ के अंतिम अशरे में 26 वा रोजा मुकम्मल कर 27 वी शब को शबे कद्र मनाई जाती है। शबे कद्र पर हर वर्ष मुस्लिम समाज के पुरुष मस्जिदों मदरसो व अन्य इबादतगाहो में जाकर पूरी रात विशेष नमाज अदा करते हैं वही पूरी रात तिलावत में गुजारते हैं वही मुस्लिम महिलाएं घरों में रात भर इबादत कर अपने गुनाहों की माफी मांगती है इसके अलावा मुस्लिम पुरुष इसी रात अपने पूर्वजों की कब्रगाह में जाकर उन्हें याद करते है तो वही इबादगाहों में मिलाद शरीफ, दरूद खानी, कुरआन खानी, नात खानी तकरीर सहित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाते हैं ।

इबादतगाहो में की गई विशेष रोशनी

अजीम नेमतों, बरकतों और मगफिरतो की इस रात को देखते हुए जिला मुख्यालय सहित तहसील व अन्य ग्रामीण अंचलों स्थित इबादतगाहो को दुल्हन की तरह सजाया गया है वहीं विभिन्न मस्जिदों मदरसों कब्रगाहों में रंग बिरंगी लाइटिंग कर उन्हें आकर्षक रूप दिया जा चुका है।

इबादत में गुजरेगी पूरी रात

शबे कद्र को लैलतुल कद्र भी कहा जाता है इस्लामी मान्यता के अनुसार इसी रात को आसमानी किताब कुरआन मुकम्मल तौर पर धरती पर नाजिल हुआ था इसी रात को मगफिरतों की रात भी कहा जाता है इसलिए मुस्लिम समाज के लोग पूरी रात जाग कर इबादत करते हैं और अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। इस्लामी मान्यता के अनुसार शबे कद्र की रात रमजान शरीफ के तीसरे अशरे यानी 20 वे से 30 वे रोजे के दरमियान आती है जिसे 21,23, 25, 27 और 29 रोजे में तलाशने के हुक्म दिया गया है। लेकिन बीते कई जमाने से 26 वे रोजे के बाद यानी 27वी को शबे कद्र मनाने का प्रचलन है जिसके तहत शबे कद्र इस शनिवार को मनाई जाएगी।

चांद के दीदार के साथ मनाई जाएगी ईद

शबे कद्र के ठीक 3 दिन बाद चांद की तस्दीक कर मुस्लिम समाज के लोग ईद का त्यौहार मनाएंगे जहां 29 वा चांद दिखने पर 10अप्रैल को, तो वहीं 30 वा चांद देखने पर 11 अप्रैल को रमजान ईद मनाई जाएगी जिसकी तैयारियां मुस्लिम समाज द्वारा लगभग पूर्ण कर ली गई है।

टाटा ग्रुप की सभी एयरलाइंस के पायलट हुए एकजुट, कम पैसा काम ज्यादा को लेकर परेशान

मुंबई। विस्तारा के पायलटों द्वारा खराब रोस्टरिंग और काम करने की स्थित के बारे में जो चिंता जाहिर की हैं, उन्हें अब टाटा ग्रुप की बाकी एयरलाइंस के उनके सहकर्मियों ने भी दोहराया है। इसके बारे में अब पायलट यूनियनों ने टाटा ग्रुप के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन को लिखा है। यूनियन के मुताबिक, विस्तारा के पायलटों की मांगे जायज हैं और ये मुद्दे पूरे टाटा ग्रुप की एयरलाइंस में मौजूद हैं। देश में एयरलाइंस के पायलट, जिसमें अब टाटा ग्रुप की एयरलाइंस एयर इंडिया, इंडिगो और आकाश शामिल हैं, लगातार उड़ान भरने, लगभग हमेशा फ्लाइट चलाने के लिए स्टैंडबाय पर रहने, कम सैलरी और पर्याप्त आराम नहीं मिलने की वजह से थकान की शिकायत करते आ रहे हैं। डीजीसीए (नागरिक उड्डयन महानिदेशालय) ने पायलटों के लिए अधिक मानवीय उड़ान ड्यूटी के नियम लाने की कोशिश की थी, लेकिन इस लागू करने को टाल दिया गया है। किसी भी एयरलाइन ने डीजीसीए द्वारा प्रस्तावित बदलावों को लागू करने की इच्छा नहीं जाहिर की, क्योंकि इससे पायलटों की जरूरत बढ़ जाती और उनकी वेतन लागत में भी इजाफा होता। इंडियन कमर्शियल पायलट्स एसोसिएशन और इंडियन पायलट्स गिल्ड ने टाटा ग्रुप के चेयरमैन को लिखा है कि विस्तारा के पायलट निश्चित 70 घंटे के वेतन, बेहतर काम करने की स्थिति और स्थिर रोस्टर की मांग को लेकर दृढ़ रहे हैं। हमारा पूरा विश्वास है कि उनकी मांगें न सिर्फ वाजिब हैं बल्कि टाटा समूह की एयरलाइंस में व्याप्त व्यापक चुनौतियों को भी दर्शाती हैं। 70 घंटे के निश्चित वेतन, छुट्टियों की मंजूरी, पर्याप्त आराम समय, अस्थिर रोस्टर, पायलटों को ज्यादा से ज्यादा उड़ान ड्यूटी के लिए खींचना, खराब रोस्टर और असहयोगी काम करने के माहौल जैसे मुद्दे टाटा ग्रुप की विभिन्न एयरलाइंस के पायलटों द्वारा लगातार उठाए जा रहे हैं।

भाजपा झूठे वादे कर वोट बटोरने का कर रही कार्य-सम्राट सिंह सरस्वार

ग्राम कनकी-आरंभा-भरवेली में कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक, भरवेली में दर्जनों भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की ली सदस्यता

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। सिवनी संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी सम्राट सिंह सरस्वार को भारी मतों से विजय बनाने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने कमर कस ली है। बैठकों को दौर जारी है। जिससे कार्यकर्ताओ में जोश भरा जा रहा है । जिससे प्रभावित होकर ग्राम भरवेली के दर्जनों भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। वही ग्राम कनकी, आरंभा और भरवेली में बैठक कर भाजपा के कारनामों की पोल खालते हुए जनअशिर्वाद मांगा। बालाघाट विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम कनकी व आरंभा में शुक्रवार 5 अप्रैल को सम्राट सिंह सरस्वार की उपस्थिति में बैठक कर पार्टी के पक्ष में मतदान करने के लिए रणनीति तैयार की गई। इस दौरान ग्राम कनकी में मुख्य रूप से ग्राम सरपंच दुर्गा पगरवार ,लखन कातुरे, संतु मंडलेकर, बाबुलाल वरकड़े, नारायण दशरिए ,कंचन तुमसरे ,कोमल नगपुरे ,दिलीप बांधे ,मितराम भोयार ,गुज़ीलाल पिछोड़े, नोरेंद्र नाथ योगेश नोनहारकर सहित सभी कार्यकर्ता रहे उपस्थित।

लोगो का पलायन रोकना पहली प्राथमिकता- सरस्वार

आरंभा में शुक्रवार 5 अप्रैल को सम्राट सिंह सरस्वार कार्यकर्ताओं की बैठक ली और कहा कि भाजपा सरकार के सांसद 10 वर्षो इस बालाघाट-सिवनी संसदीय क्षेत्र में राज कर रहे है लेकिन किसी भी सांसद ने जिले में कोई उद्योग या अन्य मुद्रों पर ध्यान नही दिया गया है जिससे जिले में बेराजगारी बढ़ गई है और आज भी लोगो का अन्य राज्यों में पलायन जारी है। जिसे रोकना में पहली प्राथमिकता होगी। जिसके लिये मै केन्द्र से बड़े उद्योग लाने का प्रयास करूंगा। ताकि हमारे बच्चों का भविष्य उज्जवल हो सके। जो आज तक भाजपा के किसी भी सांसद ने नही किया है। श्री सरस्वार ने आगे कहा कि भाजपा सरकार ने जिला पंचायत, जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत को पूरी तरह से खत्म कर दिया है जिससे ग्रामों का विकास कार्य नही के बराबर हो रहा है। जबकि जिले से लगा महाराष्ट्र के सभी पंचायतों में ऐसा नही है वहां की पंचायत को बहुत ज्यादा महत्व दिया जाता है और सभी कामकाज जोरो से शुरू है लेकिन मध्यप्रदेश में पंचायत खत्म हो गई है। दिग्विजय सिंह की सरकार ने जो पंचायत को अधिकार दिये थे वही अधिकार वापस लाने के लिये मेरे द्वारा लड़ाई लड़ी जायेगी। जिस तरिके से अन्य राज्यों में पंचायत का विकास कार्य हो रहा है वही विकास कार्य मध्यप्रदेश में भी हो। श्री सरस्वार ने आगे कहा कि भाजपा चुनाव के वक्त बड़े बड़े वादा करती है लेकिन पूरी नही करती, भाजपा नेता कहते है मोदी की गारंटी। ये कैसी गारंटी, जबकी बीते विधानसभा चुनाव में किसानों को 3100 रूपये धान, गेंहू 2700 रू, बहनों को घर बनाने, बहनों को 3000 रू व गैस 450 रूपये करने का वादा किया था जो अभी तक पूरा नही किया है। तो कैसी गारंटी ? मै सभी मतदाताओं को बताना चाहता हूं कि भाजपा किस तरह झूठे वादे, प्रलोभन देकर वोट बटोरने का कार्य कर रही है। आम जनता ऐसे झुठे वादों को समझे और आपना बहुमुल्य वोट एक अच्छी सरकार बनाने में दे। ताकि देश में भ्रष्टाचार, महंगाई, बेरोजगारी खत्म हो सके। श्री सरस्वार ने सभी आमजनों कार्यकर्ताओ से जन आर्शिवाद मांगा और कहा कि मै बालाघाट मुख्यालय में बैठा हूं 24 घण्टें आपकी सेवा के लिये तत्पर हूं। आप सभी के साथ हूं। दो बजे रात को भी कोई परेशानी हो उसका निराकरण किया जायेगा। इस दौरान प्रमुख रूप से वारासिवनी विधायक विक्की पटेल ,विश्वेश्वर भगत, पूर्व सरपंच देवलाल जैतवार ,पूर्व जनपद सदस्य जीत लाल बसेने,जनपद प्रतिनिधि बुधराम बिसेन,पूर्व सरपंच सेवन घाट नरेंद्र पटले ,पूर्व जनपद सदस्य दशरथ ठाकरे, पूर्व सरपंच चोटी , देवाजी पंचेश्वर ,पूर्व सरपंच गुनाई , कोमेंद्र पटेल, वीर सिंह सोलंकी ,अशोक रैकवार सहित समस्त कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

भरवेली ग्राम में में कार्यकर्ताओं की बैठक में ये रहे उपस्थित

बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ,हिरासन उईके, तबरेज पटेल, जुगल शर्मा, रचना लिल्हारे,सुखदेव मुनि कुतरहे, कुलदीप निकोसे,दिगंबर सुनवाने, रिजवान अली,शेख चांद भाई, एडमिन कुमार ,पन्नालाल कुतरहे , भीम वाहने,इमरान, भुरू पटेल , ज्ञानसिंह , इंद्रसिंह कुवर्ति,बोदा सरपंच उमेश लिलहरे, आमेड़ा सरपंच, मकसूद खान, मिलन चौरे,शाकिर, देवशिलारे सहित अन्य कार्यकर्ता का उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने काली पुतली चौक की एक चाय दुकान में बनायी चाय

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए अब महज कुछ दिन बचे हैं जिसको देखते हुए सभी पार्टियों के बड़े नेता अपने-अपने प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार करने के लिए जिले सहित बालाघाट सिवनी संसदीय क्षेत्र में पहुंच रहे हैं ,वहीं भारतीय जनता पार्टी की लोकसभा प्रत्याशी भारती पारधी के चुनाव प्रचार में मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी 5 अप्रैल को बालाघाट पहुंचे, जिन्होंने मीडिया कर्मी के साथ चाय पर चर्चा की तो वही काली पुतली चौक स्थित एक चाय दुकान में उन्होंने चाय भी बनाई , आपको बता दे की 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण के लिए मतदान होना है, जिसको लेकर अब सभी पार्टी अपने-अपने स्तर पर अपने बड़े नेताओं के साथ चुनाव प्रचार में जुट गई है एवं प्रदेश सहित पार्टियों के बड़े नेता अब बालाघाट सहित बालाघाट सिवनी संसदीय क्षेत्र में पहुंच रहे हैं और बताया भी जा रहा है कि 9 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी बालाघाट आ रहे हैं, इसी क्रम में 5 अप्रैल को मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी बालाघाट सिवनी संसदीय क्षेत्र के प्रवास पर रहे और उन्होंने भाजपा प्रत्याशी भारती पारधी के पक्ष में चुनाव प्रचार किया, वहीं 5 अप्रैल की देर शाम वह बालाघाट पहुंचे और उन्होंने पत्रकारों के साथ चाय पर चर्चा की और साथ ही चर्चा के बाद वह काली पुतली चौक स्थित एक चाय दुकान में उन्होंने चाय भी बनाई हालांकि यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है कि कोई जनप्रतिनिधि के द्वारा इस प्रकार चाय बनाई जा रही हो यह तो सुर्खियों में रहने के लिए कभी चाय बनाया जाता है ,तो कभी पोहे की दुकान पर जाकर पोहे का वितरण किया जाता है , जबकि इसके पहले पूर्व कैबिनेट मंत्री गौरी शंकर बिसेन भी चाय और पोहा बनाते हुए चर्चा में रहे हैं, उसके बाद अब कैलाश विजयवर्गीय के द्वारा भी एक चाय दुकान में चाय बनाई गई वही उसके पहले उन्होंने मीडिया से चर्चा करते हुए केंद्र सरकार की योजनाएं सहित बालाघाट सिवनी संसदीय क्षेत्र में हुए विकास के कार्यों को मीडिया के सामने बताया और बताया की आज किस प्रकार से पार्टी द्वारा एक पार्षद को टिकट देते हुए लोकसभा का प्रत्याशी बनाया गया है।

5 अप्रैल से 15 अप्रैल तक ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। मप्र विद्युत वितरण कंपनी से प्राप्त जानकारी अनुसार बालाघाट शहर वितरण केंद्र सरेखा-2 के अंतर्गत 11 केव्ही फीडरों पर रखरखाव व सुधार कार्य किया जाएगा। साथ ही बालाघाट संभाग के सरेखा-एक विद्युत वितरण केंद्र के अंतर्गत आने वाले 11 केव्ही फीडरों पर मानसून पश्चात अत्यावश्यक रखरखाव दृष्टि से संबंधित क्षेत्रो में विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी । जिसके अंतर्गत 5 अप्रैल को फीडर मेहगांव ए.जी के धपेरा, मोहगांव, खोंगाटोला, मुर्झ ?, कौडिया में, 6 अप्रैल फीडर धपेरा डी.एल के माँझापुर, कनकी, बेहरड, लवादा, छतेरा, बिरसोला, 7 अप्रैल फीडर गर्रा ओल्ड के गर्रा, 8 अप्रैल फीडर रोषना डी. एल के रोषना, समनापुर, घोंडगाटोला, हिर्मुटोला, कछुरना, कटेगाओं, केवाटोला, मगरदरा, मानपुर, नेवरगाव, सिटकुटोला, ठाकुरटोला, टिटवा, दूमडीटोला, 9 अप्रैल फीडर बिरसोला ए, जी के मेहगांव, खोंगटोला, सालई और 10 व 11 अप्रैल को फीडर मेहगांव डी. एल के धपेरा, मोहगांव, सालई, कौडिया, मुर्झड़ व मंझारा पायली डी. एल के समनापुर, आमगांव, विसरामपुर, पंचेरा, कौंडियाटोला, सोनपुरी, बिलदारटोला, दुगलई, नारूटोला, टेकडी, ओरमा, डोंगरबोडी, मगरदर्रा, खारा, कोकमा, कुर्थीटोला, पोलबतुर, तल्लाबोडी, छिंदीटोला तक विद्युत सप्लाई प्रातः 8 बजे से 2 बजे बंद रहेगी। वहीं सरेखा-1 वितरण केंद्र अंतर्गत आने वाले केव्ही फीडरों में अत्यावश्यक सुधार कार्य के मद्देनजर 13 अप्रैल को उपकेंद्र 132/33 केव्ही अंतर्गत 11 केव्ही फीडर भरवेली के सरस्वती नगर, सरेखा, कौसमी, बघोली एवं 11 केव्ही भरवेली फीडर से संबंधित समस्त ग्राम तथा 14 व 15 अप्रैल को फीडर 11 केव्ही फीडर लिंगा के कोसमी, बगदरा, नवेगांव, गोंगलई, चिचगाओं, भमोडी एवं 11 केव्ही 2 फीडर लिंगा से संबंधित समस्त ग्रामो में सुबह 8 बजे से लगभग 2 बजे तक विद्युत सप्लाई बंद रहेंगी। आवश्यकतानुसार समयावधि घटाई या बढ़ाई जा सकती है।

कंकर मुंजारे ने छोड़ा अपना घर

खेत में झोपड़ी बनाकर रहेंगे और करेंगे अपने समर्थकों के साथ चुनाव प्रचार

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। पूर्व सांसद कंकर मुंजारे द्वारा अपना घर चुनाव तक के लिए छोड़ दिया गया है, वह 5 अप्रैल की रात्रि 9:30 बजे उन्होंने अपना घर छोड़ते हुये गांगुलपारा स्थित अपने खेत में बनी झोपड़ी में रहने के लिए निकल गए हैं , उनका मानना है कि वह बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे जो कि कांग्रेस के प्रत्याशी के लिए प्रचार कर रही हैं और वह बसपा के प्रत्याशी हैं तो वह एक ही घर में रहकर चुनाव नहीं लड़ेंगे, वह चुनाव तक के लिए अनुभा मुंजारे को घर खाली करने को कहा गया था, किंतु उनके द्वारा जब घर खाली नहीं किया गया , तो उन्होंने स्वयं ही अपना घर को छोड़ दिया है और वह अब गांगुलपारा स्थित अपने खेत में झोपड़ी में रहने के लिए निकल गए हैं और घर छोड़ते समय वह भावुक नजर आ रहे थे। आपको बता दे की बीते दिनों पूर्व सांसद कंकर मुंजारे द्वारा बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे को कांग्रेस के पक्ष में चुनाव प्रचार करते देख उन्होंने उन्हें यह कहा था, कि वह उनके घर को खाली कर दे और चुनाव तक अपनी बहन के यहां रहने के लिए चले जाएं , किंतु बालाघाट विधायक द्वारा यह कह दिया गया था, कि वह जब विधानसभा चुनाव में उन्हें अपना घर छोड़कर नहीं गई, तो अब क्यों जाएगी, किंतु प्रेस वार्ता के माध्यम से कंकर मुंजारे द्वारा यह कहा गया था कि यदि अनुभा मुंजारे घर नहीं छोड़ रही हैं तो वह स्वयं ही अपने घर को छोड़कर चले जाएंगे और गांगुलपारा स्थित अपने खेत में झोपड़ी बनाकर रहेंगे और वहीं से वह अपना चुनाव प्रचार करेंगे, उसके बाद 5 अप्रैल की रात्रि उन्होंने 9:30 बजे अपना घर खाली कर दिया है और वह गांगुलपारा स्थित अपने खेत में झोपड़ी में रहने के लिए निकल गए हैं , उन्होंने अपने बयान में यही कहा कि वह अपने सिद्धांतों के साथ समझौता नहीं कर सकते और वह अपने सिद्धांतों के हिसाब से ही राजनीति करेंगे , इसलिए उन्होंने आज अपना घर छोड़ दिया है और वह अपने खेत में झोपड़ी में रहकर अपने समर्थकों के साथ चुनाव प्रचार करेंगे।

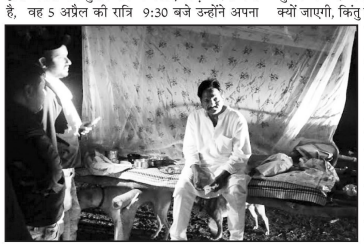

स्वास्थ्य केंद्र चिखलाझोड़ी के एम पी डब्ल्यू इंद्रप्रकाश ने स्वयं को किया आग के हवाले हुई मौत

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। रूपझर थानांतर्गत ग्राम चिखलाझोड़ी शासकीय स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ एमपीडब्ल्यू इंद्रप्रकाश वैध 51 वर्ष ने अपने शासकीय आवास के किचन में स्वम् को आग के हवाले कर आत्महत्या कर ली यह घटना 3 एवं 4 अप्रैल की दरमियानी रात 2 से 2:30 बजे के बीच हुई। आग से जल का मृत एमपीडब्ल्यू इंद्रप्रकाश पिता सुखदास वैध 51 वर्ष वार्ड नंबर 13 बूढ़ी बालाघाट निवासी है जिसकी लाश रूपझर पुलिस ने पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शासकीय स्वास्थ्य केंद्र चिखला झोड़ी में पदस्थ एमपीडब्ल्यू इंद्रप्रकाश वैध अपने परिवार के साथ चिखलाझोड़ी में ही स्थित शासकीय क्वार्टर में रहते थे। जिनका एक भाई धनेंद्र वैध वन विकास निगम छिंदवाड़ा में रेंजर के पद पर पदस्थ है और एक भाई अमित वैध भी शासकीय कर्मचारी है। होली त्यौहार के समय इंद्रप्रकाश वैध के माता-पिता भी चिखलाझोड़ी आ गए थे और वे यहा से छिंदवाड़ा जाने वाले थे। बताया गया है कि इंद्रप्रकाश वैध ने कुछ लोन लिए थे किंतु लोन जमा नहीं कर पाए थे जिसके कारण वह मानसिक रूप से परेशान रहते थे। 3 अप्रैल की रात्रि में इंद्रप्रकाश ने अपने परिवार के साथ खाना खाए और सो गए थे 3 एवं 4 अप्रैल की दरमियानी रात 2 से 2:30 बजे के बीच इंद्रप्रकाश ने अपने क्वार्टर के किचन का दरवाजा अंदर से बंद कर दिए और मिट्टी तेल अपने ऊपर उडेल कर आग लगा ली। आग लगाने के बाद इंद्रप्रकाश के चिल्लाने की आवाज किचन के कमरे से आई। परिवार के लोग उठे और देखें किचन के कमरे के अंदर से इंद्रप्रकाश की चीखने चिल्लाने की आवाज आ रही थी। किंतु दरवाजा अंदर से बंद था परिवार के लोगों ने पास पड़ोसियों को बताएं जिन्होंने आकर दरवाजा को तोड़े किंतु तब तक इंद्रप्रकाश की आग से जलने से मौत हो चुकी थी। खबर मिलते ही भाई धनेंद्र वैध छिंदवाड़ा से चिखलाझोड़ी पहुंचे। जिन्होंने ने रूपझर थाना में रिपोर्ट की थी ।रूपझर थाने से सहायक उपनिरीक्षक मन्नू लाल पन्द्रे ने चिखलाझोड़ी पहुंचकर मृतक इंद्र प्रकाश वैध की लाश बरामद की और पंचनामा कार्यवाही पश्चात इंद्र प्रकाश वैध की लाश पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। संभावना व्यक्त की गई है इंद्र प्रकाश वैध ने लोन अदा नहीं कर अपने और आर्थिक तंगी से परेशान होकर स्वयं को आग के हवाले कर आत्महत्या कर ली ।आगे मर्ग जांच सहायक उप निरीक्षक श्री पन्द्रे द्वारा की जा रही है।

ANJUMAN URDU SCHOOL
(ENGLISH MEDIUM)
Needed a Principal and teachers
Teachers for all main subjects
Preference - B.ed, D.ed, bachelor's degree
Office time - 9am to 1pm
Classes from NURSERY to 6th
Add-Ward No.09, Jama Masjid Chowk, Baihar Road, Balaghat
Mo. 9407314594

JOB VACANCY
आवश्यकता है
PADMESH X FIBERNET में
Connecting the Unconnected..
TECHNICAL ENGINEER
हम देंगे...
★ सम्मानजनक मानदेय ★ पेट्रोल खर्च अतिरिक्त
★ तेजी से विकास का मौका ★ नौकरी की सुरक्षा
पता- पद्मेश सिटी केबल, काली पुतली चौक, बालाघाट 9752771444

PADMESH X FIBERNET
Connecting the Unconnected..
All you need a stable connection.
& you'll be invincible.
Follow us on @padmeshxfibernet 08045777666 www.padmeshdigital.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट